@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 25 जून 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 217 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'सदन में भाजपा का समर्थन नहीं: नवीन पटनायक

भुवनेश्वर, 24 जून। लोकसभा के साथ-साथ रायसभा की कार्यवाही भी शुरू होने जा रही है। तमाम पार्टियों के सांसद सदन में अपना अपना पक्ष रखने की तैयारी कर रहे हैं। इस बीच बीजू जनता दल के प्रमुख नवीन पटनायक ने अपनी पार्टी के नौ रायसभा सांसदों के साथ बैठक की। उन्होंने अपने तमाम सांसदों को सदन की कार्रवाई के दौरान मजबूत विपक्ष के रूप में अपनी भूमिका अदा करने के निर्देश दिए। बता दें रायसभा की कार्यवाही 27 जून से शुरू होने जा रही है। पटनायक ने अपने सांसदों से कहा कि सदन की कार्यवाही के दौरान ओडिशा के मुद्दों को जोर-शोर से उठाएं। बैठक के बाद बीजू जनता दल के रायसभा सांसद सस्मित पात्रा ने कहा कि इस बार पार्टी के सांसद चुप नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि इस बार सत्तारूढ़ भाजपा सरकार से उड़ीसा से जुड़े मुद्दों को लेकर सवाल करेंगे। पात्रा ने आगे कहा कि ओडिशा को विशेष राय के दर्जे की मांग के अलावा बीजद सांसदों के द्वारा राय में खराब मोबाइल कनेक्टिविटी और कम बैंक शाखाओं के मुद्दे पर सवाल पूछे जाएंगे। उन्होंने कहा 'कोयला रॉयल्टी में संशोधन की ओडिशा की मांग को केंद्र ने पिछले 10 वर्षों से नजरअंदाज किया हुआ है। इससे राय के लोगों को बहुत नुकसान हो रहा है। रासभा में नौ सांसद मजबूत विपक्ष के रूप में काम करेंगे।' पात्रा ने आगे कहा कि पटनायक ने संसद में राय के लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं।

2023 विश्व कप फाइनल का बदला पूरा, भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराया

सिम्मी कौर बब्बर

सेंट लुसिया, 24 जून। भारतीय टीम ने सुपर आठ चरण में अपना शानदार अभियान जारी रखा और शान से सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर पिछले साल वनडे विश्व कप के फाइनल में मिली हार का बदला भी चुकता कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया के लिए अब आगे की राह बेहद कठिन हो गई है। भारतीय टीम ने रोहित शर्मा के बाद अर्शदीप सिंह की अगुआई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की मदद से ऑस्ट्रेलिया को 24 रनों से हराकर टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने रोहित शर्मा के 92 रनों की पारी के दम पर 20 ओवर में पांच विकेट पर 205 रन बनाए, जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 181 रन ही बना सकी और उसे लगातार दूसरी हार का सामना करना पडा। ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रेविस हेड ने 43 गेंदों पर नौ चौकों और चार छक्कों की मदद से 76 रन बनाए। उन्होंने कप्तान मिचेल मार्श के साथ दूसरे विकेट के लिए 81 रनों की साझेदारी की। एक समय लग रहा था कि ऑस्ट्रेलियाई टीम यह मुकाबला जीत जाएगी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने जोरदार वापसी की और टूर्नामेंट में अपना विजयी अभियान जारी रखा। भारत के लिए तेज

गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने तीन विकेट लिए, जबकि कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को दो विकेट मिले। भारत ने इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया से पिछले साल हुए वनडे विश्व कप की हार का बदला चुकता कर लिया। ऑस्ट्रेलिया ने उस वक्त फाइनल में भारत को हराकर विजेता बनने का सपना तोड़ दिया था और अब भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर उसके लिए आगे की राहें बेहद मुश्किल कर दी है। भारत ने सुपर आठ चरण में अपने तीनों मैच जीते और वह छह अंकों के साथ ग्रुप एक में शीर्ष पर रहा। ऑस्ट्रेलिया की टीम तीन मैचों के बाद दो हार और एक जीत के साथ दूसरे स्थान पर है। अफगानिस्तान के दो मैचों में एक जीत और एक हार के साथ दो अंक हैं और वह तीसरे स्थान पर है। अफगानिस्तान का मंगलवार सुबह बांग्लादेश से मुकाबला होना है और अगर टीम वो मैच जीतने में सफल रही तो सेमीफाइनल में जगह बना लेगी और ऑस्ट्रेलिया का सफर यहीं थम जाएगा। भारत का सेमीफाइनल में सामना गत चैंपियन इंग्लैंड से होगा। इससे पहले भी 2022 में दोनों टीमों का सामना अंतिम चार में हुआ था जहां इंग्लैंड की टीम जीत दर्ज करने में सफल रही थी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला 27 जून को गुयाना में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया को भारत के खिलाफ जीत के लिए छह गेंदों पर 29 रन चाहिए और उसके चार विकेट शेष हैं। क्रीज पर पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क मौजूद हैं, जबकि गेंदबाजी के लिए हार्दिक पांड्या आए हैं।

महाराष्ट्र में मिला कथित नीट धांधली का कनेक्शन

मुंबई, 24 जून। महाराष्ट्र में भी कथित नीट धांधली का कनेक्शन मिला है और इस मामले में आतंकवाद निरोधक दस्ते यानी एटीएस ने एक जिला परिषद स्कूल के एक शिक्षक को गिरफ्तार किया है। वहीं इस मामले में चार अन्य लोगों पर केस भी दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि जांच में पता चला है कि पैसे देकर नीट परीक्षा पास करने के इच्छुक छात्रों की मदद करने के लिए एक रैकेट चलाया जा रहा था। मामले में एटीएस की तरफ से जिन चार लोगों पर केस दर्ज किया गया है उनमें दो शिक्षक लातूर जिले के, एक नांदेड और एक दिल्ली का निवासी है। जानकारी के मुताबिक लातूर जिले के दो शिक्षक संजय तुकाराम जाधव और जलील खान उमर खान पठान, नांदेड के इरन्ना मश्नाजी कोंगलवाव और दिल्ली के रहने वाले शख्स गंगाधर पर सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 के तहत केस दर्ज किया गया है। इस मामले में एक शिक्षक जलील खान उमर खान पठान को रविवार की देर रात गिरफ्तार किया गया, जबकि तीन बाकी आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। एटीएस अधिकारियों को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध लोग पैसे के बदले में नीट छात्रों को परीक्षा पास कराने के लिए अवैध रैकेट चला रहे हैं। इसके बाद एटीएस ने पूछताछ के लिए शनिवार रात को लातूर से जाधव और पठान को हिरासत में लिया। लातूर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अनुसार हिरासत में लिए गए लोगों में से एक के मोबाइल फोन में नीट 2024 परीक्षा से संबंधित संदिग्ध जानकारी मिली।

25 जून को लोकतंत्र पर काला धब्बा लगा था: पीएम मोदी

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 24 जून। 18वीं लोकसभा के पहले सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मीडिया के सामने अपनी बात रखी। उन्होंने संसद भवन परिसर में कहा कि संसदीय लोकतंत्र में आज का दिन गौरव मय है, यह वैभव का दिन है। आजादी के बाद पहली बार हमारे अपने नए संसद में यह शपथ हो रहा है, अब तक ये प्रक्रिया पुराने संसद में होती थी। आज के इस महत्वपूर्ण दिन पर मैं सभी नव निर्वाचित सांसदों का स्वागत करता हूं सबका अभिनंदन करता हूं और सबको शुभकामनाएं देता हूं। प्रधानमंत्री ने आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कल 25 जून है। 25 जून को भारत के लोकतंत्र पर लगे उस कलंक के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भारत की नई पीढ़ी कभी नहीं भूलेगी कि भारत के संविधान को पूरी तरह से नकार दिया गया था, संविधान के हर हिस्से की धज्जियां उड़ा दी गई थीं, देश को जेलखाना बना दिया गया था, लोकतंत्र को पूरी तरह दबा दिया गया था। उन्होंने कहा कि अपने संविधान, भारत के लोकतंत्र और लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा करते हुए देशवासी संकल्प लेंगे कि भारत में दोबारा कोई ऐसा करने की हिम्मत न कर सके, जो 50 साल पहले किया गया था।

हम एक जीवंत लोकतंत्र का संकल्प लेंगे। हम भारत के संविधान के निर्देशों के अनुसार सामान्य मानवी के सपनों को पूरा करने का संकल्प लेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि संसद का ये गठन भारत के सामान्य मानवी के संकल्पों की पूर्ति का है। नए उमंग, नए उत्साह के साथ नई गति, नई ऊंचाई प्राप्त करने का ये अवसर है। 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य लेकर आज 18वीं लोकसभा का प्रारंभ हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विश्व का सबसे बड़ा चुनाव बहुत ही शानदार तरीके से, बहुत ही गौरवमय तरीके से संपन्न होना, ये हर भारतीय के लिए गर्व की बात है। करीब 65 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने मतदान में हिस्सा लिया। ये चुनाव इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण हो गया, क्योंकि आजादी के बाद दूसरी बार देश की जनता ने किसी सरकार को लगातार तीसरी बार सेवा करने का अवसर दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हमने हमेशा एक परंपरा का पालन करने का प्रयास किया है। हमारा मानना है कि सरकार चलाने के लिए बहुमत की आवश्यकता होती है, लेकिन देश चलाने के लिए सर्वसम्मति सबसे महत्वपूर्ण है। इसलिए हमारा निरंतर प्रयास रहेगा कि हम मां भारती की सेवा करें और 140 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं को सबकी सहमति से और सबको साथ लेकर पूरा करें। हम संविधान की पवित्रता को बनाए रखते हुए, सबको साथ लेकर आगे बढ़ना चाहते हैं और फैसले लेने में तेजी लाना चाहते हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि लोगों को विपक्ष से अछे कदमों की उम्मीद है, लेकिन अब तक यह निराशाजनक रहा है।

मराठों और ओबीसी को विभाजित करने के लिए दे रहे भड़काऊ बयान

मुंबई, 24 जून। मराठा आरक्षण के कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र सरकार के मंत्री छगन भुजबल पर मराठों और ओबीसी को विभाजित करने के लिए भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। छत्रपति संभाजीनगर में एक प्राइवेट हॉस्पिटल से प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मनोज जरांगे ने कहा कि अगर वो राय में दंगा हो, तो मराठा समुदाय को भी सतर्क रहना चाहिए। इस मौके पर मनोज जरांगे ने एलान किया मराठा आरक्षण को लेकर उनके अगले कदम 17 जुलाई के बाद तय किए जाएंगे। उन्होंने कहा, कि मराठा समुदाय अब संकट में है और मैं अकेला रह गया हूं। लेकिन मैं वापस लड़ूंगा और सुनिश्चित करूंगा कि मराठा समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के तहत आरक्षण मिले। बता दें कि जरांगे की ये प्रतिक्रिया ओबीसी नेताओं के अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के मुद्दे पर बढ़ रहे तनाव के बीच आयी है। मनोज जरांगे सभी मराठों और उनके रक्त संबंधियों को कुनबी प्रमाण पत्र जारी करने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे हैं, ताकि वे सभी ओबीसी कोटा का दावा कर सकें। इस बीच, ओबीसी मौजूदा कोटा की रक्षा के लिए मंत्री और ओबीसी नेता छगन भुजबल के आस-पास लामबंद हो रहे हैं।

बिहार में स्थानीय स्तर पर परीक्षा में गड़बड़ी, योग्य छात्रों के साथ न्याय होगा: धर्मेंद्र प्रधान

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 24 जून। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार बिहार में नीट यूजी परीक्षा की गड़बड़ी स्थानीय स्तर पर हुई है। प्रश्न-पत्र डार्कनेट या सोशल मीडिया पर होता तो उसका असर देशभर में पड़ता। मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि परीक्षा में गड़बड़ी की जिम्मेदारी मंत्रालय की है। मंत्रालय अभ्यर्थियों और अभिभावकों को विश्वास दिलाना चाहता है कि किसी भी योग्य विद्यार्थी के साथ धोखा नहीं होगा। इस बीच शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में बड़े स्तर पर सुधार, पारदर्शिता और बदलाव होगा। परीक्षा में किसी भी स्तर पर गड़बड़ी की शून्य गुंजाइश भी नहीं रहेगी। थोड़ा सा समय दें, सीबीआई इस पूरे प्रकरण की तह तक जांच करेगी। दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलेगी। प्रधान ने कहा कि प्रश्न पत्र का प्रारूप बदला गया था। इसी कारण अब बड़े शहरों के साथ दूरदराज के छात्र भी मेरिट में अपनी मेहनत से पहुंच रहे हैं। प्रधान

ने कहा कि सफल होने वाले 13 लाख छात्रों में से टॉप एक लाख छात्र दूरदराज, ग्रामीण और ब्लॉक स्तर से हैं। हमें उनकी मेहनत को देखना है, वे दोबारा परीक्षा नहीं चाहते हैं। सरकार के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट पूरे मामले को देख रहा है। शिक्षा मंत्री ने माना, कृपांक अंक देना सबसे बड़ी गलती...प्रधान ने माना एनटीए अधिकारियों ने नीट परीक्षा परिणाम तैयार करने बहुत बड़ी गलती की थी। परीक्षा में समय कम मिलने पर समय दिया जाना चाहिए था, न की कृपांक अंक।

भारत में रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की तस्करी पर एनआईए का खुलासा

नई दिल्ली, 24 जून। भारत और बांग्लादेश के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगातार मानव तस्करी और घुसपैठ की कोशिशें की जा रहीं हैं। इस बीच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आठ लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। एनआईए का दावा है कि आठों लोग जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर भारत में रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की तस्करी करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय संगठन का हिस्सा हैं। जांच एजेंसी द्वारा इन सभी के नाम जलील मियां, हनान मियां, काजल सरकार, अधीर दास और अनवर हुसैन, रबीउल हसन और कमल दास बताया गया है। बताया गया है कि ये सभी पूर्वोत्तर के राय त्रिपुरा से अपने संगठन को संचालित कर रहे थे। आरोप पत्र में कमल दास और काजल दास को भगौड़ा बताया गया है। कमल दास पश्चिम बंगाल में लिटन चक्रवर्ती के साथ सिलचर से काम कर रहा था। एनआईए ने जांच में पाया कि लिटन चक्रवर्ती काम फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बांग्लादेशी नागरिकों के लिए पहचान पत्र तैयार करता था।

द्रोणाचार्य भूपेन्द्र धवन के शिष्य रितेश ने रचा इतिहास
बने आईपीएल यूरोपियन पॉवरलिफ्टिंग चैंपियनशिप के बेस्ट लिफ्टर

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली। द्रोणाचार्य भूपेन्द्र धवन के शिष्य रितेश ने श्वेटज़िंजेन, जर्मनी में 21 से 23 जून 2024 तक आयोजित आईपीएल यूरोपियन पॉवरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में धमाकेदार स्वर्णिम प्रदर्शन कर बेस्ट लिफ्टर का खिताब जीत लिया है। भारत, जर्मनी, फ्रांस, इटली, अमेरिका, इंग्लैंड, आयरलैंड, मोलदोवा तथा ग्रीस से 121 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया था। प्रतियोगिता के कुल परिणाम इस प्रकार रहे - 87 किलो भार वर्ग फुल पॉवरलिफ्टिंग में रितेश ने कुल 760 किलो भार उठाते हुए 2 स्वर्ण तथा एक रजत पदक जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। अमेरिका के जस्टिन 740 किलो तथा जर्मनी के रवाड 737.5 किलो उठाकर क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। डेडलिफ्ट में रितेश ने 300 किलो उठाकर प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए स्वर्ण पदक जीता। जर्मनी के रवाड 287.5 किलो तथा जर्मनी के ही कजिमिर्ज़ 280 किलो उठाकर क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। बेंचप्रेस में अमेरिका के जस्टिन ने 180 किलो उठाकर स्वर्ण जीतते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। भारत के रितेश डोगरा 170 किलो तथा जर्मनी के कजिमिर्ज़ 167.5 किलो उठाकर क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। फुल पॉवरलिफ्टिंग रॉ मास्टर में हुए रोमांचक मुकाबले में भारत के सुरेन्द्र सिंह ने कुल 3 स्वर्ण, 2 रजत तथा 1 रजत पदक जीता। सुरेन्द्र ने 665 किलो भार उठाया। जर्मनी के मिशेल 650 किलो तथा जर्मनी के ही ल्यूकास 645 किलो भार उठाकर क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। डेडलिफ्ट मास्टर में सुरेन्द्र सिंह 270 किलो उठाकर प्रथम तथा जर्मनी के ल्यूकास 265 किलो उठाकर द्वितीय स्थान पर रहे। बेंचप्रेस मास्टर में जर्मनी के ल्यूकास 200 किलो उठाकर, भारत के सुरेन्द्र सिंह 165 किलो उठाकर तथा जर्मनी के मिशेल 155 किलो उठाकर क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। फुल पॉवरलिफ्टिंग ओपन रॉ में भारत के प्रभजीत बख्शी ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 2 स्वर्ण तथा 1 रजत जीता।

भारत के प्रभजीत की टोटल लिफ्ट 690 किलो रही। द्वितीय स्थान पर भारत के ही सुरेन्द्र सिंह की टोटल लिफ्ट 665 किलो तथा तृतीय स्थान पर ग्रीस के चारिडिमॉस की टोटल लिफ्ट 655 किलो रही। डेडलिफ्ट ओपन रॉ में भारत के सुरेन्द्र सिंह ने 270 किलो लिफ्ट से प्रथम स्थान प्राप्त किया। भारत के ही प्रभजीत सिंह 260 किलो लिफ्ट तथा जर्मनी के जोनस 257.7 किलो लिफ्ट करके क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। बेंचप्रेस ओपन रॉ में भारत के प्रभजीत ने 170 किलो उठाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जर्मनी के जोनस 170 किलो तथा भारत के सुरेन्द्र सिंह 165 किलो उठाकर क्रमशः द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। द्रोणाचार्य भूपेन्द्र ने रितेश डोगरा, सुरेन्द्र सिंह, प्रभजीत बख्शी के दमदार प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त किया तथा भविष्य में और अधिक शानदार प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दी। अन्य विदेशी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि खेल के इस क्षेत्र में उन्हें उदीयमान भारतीय खिलाड़ियों से बहुत आशाएं हैं। बेहतरीन आयोजन के लिए द्रोणाचार्य भूपेन्द्र धवन ने आयोजकों को धन्यवाद करते हुए आभार प्रकट किया।

दिल्ली के रिज इलाके में क्यों हो रही पेड़ों की कटाई: सुप्रीम फटकार

नई दिल्ली, 24 जून। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के उपाध्यक्ष से इस बारे में स्पष्ट बयान मांगा कि क्या रिज क्षेत्र में पेड़ों को उपरायपाल के आदेश या अनुमति के बिना काटा गया था। मामले में जस्टिस अभय एस ओका और उजल भुइयां की अवकाश पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि वह डीडीए के कृत्यों की विस्तृत जांच करने का प्रस्ताव करती है, जिसके वजह से कई मूल्यवान पेड़ नष्ट हो गए और परिणामस्वरूप पर्यावरण को नुकसान पहुंचा है। फिलहाल इस मामले में अगली सुनवाई 26 जून को होगी। सर्वोच न्यायालय ने कहा कि ये काफी चौंकाने वाला है कि राजधानी में पेड़ काटे जा रहे हैं, ये जानते हुए कि शीर्ष अदालत की अनुमति के बिना ऐसा नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान टिप्पणी की कि राष्ट्रीय राजधानी में पेड़ों की कटाई की बेशर्मी को हल्के में नहीं लिया जा सकता है। और अगर अधिकारी पर्यावरण की रक्षा के अपने वैधानिक और संवैधानिक कर्तव्यों का पालन नहीं कर रहे हैं, तो अदालत को सभी अधिकारियों को स्पष्ट संदेश देना होगा कि इस तरह से पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाया जा सकता है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम डीडीए उपाध्यक्ष को निर्देश देते हैं कि वे अदालत को बताएं कि 3 फरवरी को उपरायपाल के साइट निरीक्षण के दौरान क्या हुआ, इस बारे में कोई आधिकारिक रिकॉर्ड उपलब्ध है। हमें उपाध्यक्ष से तथ्यों का स्पष्ट विवरण चाहिए, क्योंकि ईमेल में जो संकेत दिया गया है अगर वह सही है, तो पेड़ों की कटाई एलजी के निर्देश पर हुई थी। हम उम्मीद करते हैं कि डीडीए इस पहलू पर स्पष्ट होगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान के लिए निर्देश जारी करने का प्रस्ताव करती है और डीडीए और अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से इस मामले में सहायता करने को कहा। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले छतरपुर से साउथ एशियन यूनिवर्सिटी तक सड़क बनाने के लिए दक्षिणी रिज के सतबारी इलाके में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की अनुमति देने के लिए डीडीए के उपाध्यक्ष सुभाषिश पांडा के खिलाफ आपराधिक अवमानना का नोटिस जारी किया था।

आखिर कौन है कथित पर्चा लीक का असली मास्टर माइंड: जयराम रमेश

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 24 जून। ह्रझ के महानिदेशक सुबोध सिंह को हटाने के बड़ा अब मामला चेयरमैन प्रोफेसर प्रदीप जोशी को लेकर बहुत गरम हो गया है। विपक्ष ने अब सुबोध सिंह पर कड़ी कारवाई की मांग करते हुए केंद्र सरकार को घेरा है। कांग्रेस के नेताओं ने बाकायदा प्रदीप जोशी के पहले कार्यकाल में हुई धांधलियों का पूरा कचा-चिठ्ठा सामने रखना शुरू कर दिया है। विपक्ष का आरोप है कि मध्यप्रदेश में जोशी के कार्यकाल में कई भर्तियों के दौरान धांधली हुई थी। इसलिए जोशी को उनके पद से न सिर्फ़ हटाया जाए। बल्कि उनके पूर्व में कार्यकाल की सभी भर्तियों की जांच की जाए। कांग्रेस ने ह्रझ को लेकर अब केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। कांग्रेस के नेता जयराम रमेश ने कहा कि मध्यप्रदेश में बतौर एमपीपीएससी के चेयरमैन रहते हुए प्रदीप जोशी के कार्यकाल में बहुत सी गड़बड़ियां हुई थीं। उन्होंने मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा की जब जोशी मध्यप्रदेश में 2006 से 2011 तक चेयरमैन थे, तो 385 प्रोफेसरों की नियुक्तियां हुई थीं। इस दौरान आरोप लगाए गए थे कि अपने जानने वालों की भर्तियों के लिए कई नियमों को अनदेखा किया था। जयराम रमेश कहते हैं कि इस मामले की जांच हुई तो यह सच पाया गया। वह कहते हैं कि इतने बड़े भ्रष्टाचार के बाद भी प्रदीप जोशी को लगातार बड़ी-बड़ी ज़िम्मेदारियां दी जाती रहीं। वह कहते हैं कि इस मामले में अब जोशी के कार्यकाल में हुई सभी भर्तियों की जांच की जानी चाहिए। कांग्रेस नेता और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ह्रझ चेयरमैन को कटघरे में खड़ा करते हुए कहते हैं कि जोशी का सीधा नाता भाजपा और संघ से है। सिंह ने जोशी के पिछले 18 बरसों के कार्यकाल में हुई सभी नियुक्तियों, भर्तियों और परीक्षाओं की जांच की मांग की है। वह कहते हैं कि जांच इस बात की भी होनी चाहिए कि अपने पूरे कार्यकाल में उन्होंने परीक्षा के पेपर सेट

करने से लेकर इंटरव्यू के लिए किन विशेषज्ञों को बुलाया था। इसके अलाव यह भी जांचा जाना चाइए कि पैनल के लोगों का क्या कोई किसी राजनीतिक दल से नाता रहा है या नहीं। पूर्व मुख्यमंत्री कहते हैं कि ऐसा करने से इस पूरे नेट्वर्क की पोल खुल जाएगी। कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा कहते हैं कि प्रदीप जोशी की भूमिका पर बड़ा सवालिया निशान है। वावजूद इसके ह्रझ के चेयरमैन लगातार अपने पद पर बने हुए हैं, और लगातार नियुक्तियां किए जा रहे हैं। खेड़ा कहते हैं कि जोशी ने महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी वर्धा के उपकुलपति के लिए पिछले सप्ताह इंटरव्यू लिया। जबकि सोमवार को शिमला के ढ्ढढ्ढस् के निदेशक पद के लिए इंटरव्यू लेंगे। पवन खेड़ा कहते हैं कि जिस एजेंसी की ओर से ली जाने वाली परीक्षाओं के पर्चे लीक हो रहे हैं। परीक्षाएं आगे बढ़ाई जा रही हैं। उसके चेयरमैन के ऊपर पहले के कार्यकालों में हुई भर्तियों में धांधली के आरोप हैं। उन्हें तो तत्काल प्रभाव से हटा दिया जाना चाहिए। लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हुआ है।

द. कोरिया के बैटरी संयंत्र में आग लगने से एक को दिल का दौरा, छह घायल

एजेंसी

सोल। दक्षिण कोरिया के ह्वासोंग स्थित बैटरी संयंत्र में आग लगने से एक व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ा और छह अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक दक्षिण कोरिया की राजधानी सोल से करीब 45 किलामीटर दूर ह्वासोंग में बैटरी संयंत्र में यह घटना घटी। संयंत्र के भीतर 19 लोगों के फंसे होने के कारण हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है।अग्निशमन अधिकारियों ने 145 अग्निशामक और 50 उपकरण जुटाए और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

गाजा में भीषण लड़ाई बहुत जल्द समाप्त हो जाएगीः नेतन्याहू

यरुशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि हमास के खिलाफ तीव्र लड़ाई खत्म होने की कगार पर है। इजरायली न्यूज चैनल 14 टीवी न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में श्री नेतन्याहू ने कहा कि राफा में युद्ध का गहन चरण समाप्त होने वाला है और इजरायली सेना पूरे गाजा पट्टी में तीव्र लड़ाई के समापन की कगार पर है। उन्होंने कहा, इसका मतलब गाजा पट्टी में चल रहे संघर्ष का अंत नहीं है और हमास के ठिकानों के खिलाफ लड़ाई के साथ अभियान जारी रहेंगे। गाजा में तीव्र लड़ाई के समापन के बाद, हम उत्तर की ओर बढ़ते रहेंगे।उन्होंने लेबनानी सशस्त्र समूह हिजबुल्लाह के खिलाफ पूर्ण युद्ध शुरू करने की इजरायल की चेतावनियों का जिक्र करते हुए कहा कि इजरायल-लेबनान सीमा पर युद्ध विराम सुनिश्चित करने के लिए कोई भी समझौता, हमारी शर्तों को पूरा करना होगा।। उन्होंने कहा कि वह केवल उस समझौते पर सहमत होंगे, जिसमें गाजा पट्टी में हमास को सत्ता से हटा दिया जाएगा और लगभग 100 बंधकों को रिहा किया जाएगा, जो अभी भी फिलिस्तीनी एन्क्लेव में बंद हैं।

ताइवान ने द्वीप के करीब 15 चीनी सैन्य विमान, छह जहाज देखे

ताइपे। ताइवानी सेना ने पिछले 24 घंटों में द्वीप के करीब चीनी सशस्त्र बलों के 15 विमान और छह जहाज देखे हैं। ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक्स पर कहा, ठताइवान के आसपास आज सुबह छह बजे (अंतरराष्ट्रीय समयानुसार शनिवार रात 10 बजे) तक 15 पीएलए विमान और छह पीएलएएन (नौसेना) जहाज देखे गये। आठ विमान ताइवान के उत्तरी और दक्षिण पश्चिमी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में घुस गये।

ओम शब्द हटाने के सरकार के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया

काठमांडू। नेपाल सरकार के तरफ से शब्दकोश से ओम शब्द को हटाने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया है। कोर्ट ने ओम के साथ ही कोई भी संयुक्ताक्षर को शब्दकोष से हटाने के आदेश को निरस्त कर दिया है। सन् 2012 में शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत रहे पाठ्यक्रम विकास केन्द्र ने एक निर्णय करते हुए शब्दकोश से ओम शब्द को हटाने का निर्णय किया था। केन्द्र के इस फैसले को सही ठहराते हुए तत्कालीन शिक्षा मंत्री दीनानाथ शर्मा ने सभी पाठ्य पुस्तक से ओम शब्द को हटाने का लिखित निर्देश दिया था। शिक्षा मंत्री के इसी फैसले के खिलाफ में सुप्रीम कोर्ट में रिट दायर किया गया था।

09 अगस्त 2012 को शिक्षा मंत्री के द्वारा दिए गए निर्देश पर 13 अगस्त 2012 को रिट दायर की गई था। करीब 12 साल के बाद आज सुप्रीम कोर्ट ने इस पर अपना फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सपना प्रधान मल्ल और जस्टिस सारंगा सुवेदी की डबल बेंच में इस रिट पर अपना अन्तिम फैसला दिया है। अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पाठ्यक्रम विकास केन्द्र का काम पाठ्यक्रम बनाना है, नीति बनाना है। कोर्ट ने कहा कि पाठ्यक्रम विकास केन्द्र का काम व्याकरण बनाना नहीं है। सरकार के तरफ से जो दलील कोर्ट में दी गई थी उस पर कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए पाठ्यक्रम विकास केन्द्र को अपनी हदें पार करते हुए व्याकरण में बदलाव करने का कोई अधिकार नहीं है। इसके अलावा कोर्ट ने तत्कालीन शिक्षा मंत्री के निर्देश को भी निरस्त कर दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि शिक्षा मंत्री के लिखित आदेश का कोई मतलब नहीं है।

बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया मृत्यु के निकट स्थिति में : आलमगीर

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा है कि पार्टी अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया विदेशों में आधुनिक चिकित्सा देखभाल तक पहुंच की कमी के कारण मृत्यु के निकट स्थिति में हैं।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट में कहा गया है कि आलमगीर ने प्रधानमंत्री शेख हसीना पर व्यक्तिगत और राजनीतिक प्रतिशोध के चलते जानबूझकर सुश्री जिया को विदेश में उन्नत चिकित्सा उपचार से वंचित करने का आरोप लगाया है, जिसका उद्देश्य उन्हें मौत के मुंह में ढकेलना है। आलमगीर ने एक धार्मिक सभा में कहा, यह हमारा दुर्भाग्य है कि हमारी नेता खालिदा जिया इन दिनों विदेशों में आधुनिक चिकित्सा देखभाल तक पहुंच की कमी के कारण मृत्यु के निकट स्थिति में हैं। उन्होंने सुश्री हसीना के शासन को दमनकारी फासीवादी सरकार करार

देते हुए आलमगीर ने कहा कि पूरी तरह से मनगढ़ंत मामलों में पूर्व प्रधानमंत्री को राजनीति से हटाने के इरादे से जेल में डाला गया है। उन्हें हालांकि घर पर रहने की अनुमति दी गयी थी, लेकिन वास्तव में वह पूरी तरह से कारावास में हैं और जेल में ही हैं। उन्होंने कहा कि सुश्री जिया ओल्ड ढाका सेंट्रल जेल में रहने के दौरान बीमार पड़ गयीं, लेकिन उन्हें वहां कोई चिकित्सा उपचार प्रदान नहीं किया गया।

आलमगीर ने बीएनपी अध्यक्ष की शारीरिक स्थिति को चिंताजनक बताते हुए कहा कि वह बहुत पीड़ा झेल रही हैं तथा अब जीवन और मृत्यु के चौराहे पर खड़ी हैं। उन्होंने विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं से सुश्री जिया की भलाई और उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए पूरे दिल से प्रार्थना करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा , हमें न केवल उनके लिए प्रार्थना करनी चाहिए, बल्कि उनके उचित उपचार के लिए जो कुछ भी कर सकते हैं, वो भी करना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक सुश्री जिया की उनके आवास 'फिरोजा' में तबीयत अचानक अधिक बिगड़ जाने के कारण शनिवार तड़के करीब 03.30 बजे एंबुलेंस से एवरकेयर अस्पताल ले जाया गया। उन्हें तुरंत सीसीयू में भर्ती कराया गया, जहां मेडिकल बोर्ड की देखरेख में उनका इलाज शुरू हुआ।उनयासी वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री लंबे समय से लीवर सिरोसिस, गठिया, मधुमेह और किडनी, फेफड़े, हृदय और आंखों से जुड़ी समस्याओं सहित कई बीमारियों से जूझ रही है।

सऊदी अरब में हज के दौरान 1,301 जायरीनों की मौत

एजेंसी

रियाद। सऊदी अरब में हज के मौसम के दौरान 1,301 जायरीन अपनी जान गंवा चुके हैं , जिनमें से 83 प्रतिशत अपंजीकृत थे। सऊदी प्रेस एजेंसी ने देश के स्वास्थ्य मंत्री फहद अल-जलाजेल के हवाले से अपनी रिपोर्ट में

कहा है कि सरकारी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र ने भीषण गर्मी से होने वाले तनाव के मामलों की देखभाल की है, जिनमें से कुछ लोग अभी भी चिकित्सा देखभाल में हैं। मृतकों में कई बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति शामिल हैं रिपोर्ट में कहा गया है कि शुरूआत में व्यक्तिगत जानकारी या पहचान संबंधी दस्तावेजों की कमी थी, लेकिन अब सभी पीड़ितों की पहचान कर ली गई है और उनके परिवारों को सूचित कर दिया गया है। पहचान, दफ़न और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के लिए उचित प्रक्रियाओं का पालन किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक स्वास्थ्य प्रणाली ने आपातकालीन देखभाल एवं सर्जरी से लेकर डायलिसिस तक 465,000 से अधिक विशेष उपचार सेवाएँ प्रदान कीं, जिनमें 141,000 सेवाएँ उन लोगों के लिए भी शामिल हैं, जिन्होंने हज करने के लिए आधिकारिक प्राधिकरण प्राप्त नहीं किया था।

जयशंकर की यूएई के विदेश मंत्री के साथ मुलाकात , द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी पर की चर्चा

एजेंसी

अबूधाबी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अपने समकक्ष शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से रविवार रात अबू धाबी में पर मुलाकात की और लगातार बढ़ती द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा की।

डॉ जयशंकर ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा , ÷यूएई के विदेश मंत्री अब्दुल्ला बिन जायद से अबू धाबी में मिलकर बहुत खुशी हुई। हमारी लगातार बढ़ती व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर सार्थक और गहन बातचीत हुई। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर उनकी अंतर्दृष्टि सराहनीय रही।÷ यूएई विदेश मंत्रालय के एक रीडआउट के अनुसार शेख अब्दुल्ला ने डॉ जयशंकर को फिर से भारत के विदेश मंत्री बनने पर बधाई दी यूएई के शीर्ष राजनयिक ने कल रात अबू धाबी में डॉ. जयशंकर का रात्रिभोज के लिए स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्री

संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने यूएई और भारत के बीच व्यापक रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी के ढांचे के भीतर द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की। बैठक में शेख अब्दुल्ला और डॉ. जयशंकर ने आर्थिक, व्यापार, निवेश, शिक्षा, संस्कृति, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन सहित सभी क्षेत्रों में संयुक्त सहयोग को मजबूत करने के लिए दोनों देशों के प्रयासों की चर्चा की।

चीन के उप विदेश मंत्री नेपाल दौरे पर, कूटनीतिक परामर्श बैठक में होंगे शामिल

एजेंसी

काठमांडू। चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेईदोंग तीन दिन की यात्रा पर नेपाल आ रहे हैं। वह दोनों देशों के बीच होने वाले कूटनीतिक परामर्श बैठक में शामिल होंगे। नेपाल के विदेश सचिव के नेतृत्व में होने वाली इस कूटनीतिक बैठक में दोनों देशों के बीच रहे कई द्विपक्षीय मुद्दे पर चर्चा होने की संभावना है। नेपाल की विदेश सचिव सेवा लम्साल के औपचारिक निमंत्रण पर चीन के उप विदेश मंत्री का नेपाल दौरा आज से शुरू हो रहा है। आज देर शाम को चाइना साउदर्न एयरलाइंस से काठमांडू पहुंचने वाले चीन के उप विदेश मंत्री वेईदोंग कल से औपचारिक बैठक में शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अमृत राई ने बताया कि विदेश सचिव स्तरीय इस वार्ता में आपसी सहयोग, सीमा व्यवस्थापन, कनेक्टिविटी, क्रॉस बॉर्डर ट्रांसमिशन लाईन, व्यापार तथा पारवहन जैसे मसलों को एजेंडा में रखा गया है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक चीन के तरफ से एक बार फिर बीआरआई पर हस्ताक्षर

करने को लेकर काफी दबाब दिया गया था। कुछ दिन पहले ही नेपाल के विदेश मंत्री नारायणकाजी श्रेष्ठ ने भी जल्द ही बीआरआई पर हस्ताक्षर होने का संकेत दिया था, लेकिन अब तक इसके लिए नेपाल की तरफ से आधिकारिक रूप से स्वीकृति नहीं दी गई है। चीन पिछले कई वर्षों से नेपाल पर बीआरआई कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए लगातार दबाब देता आ रहा हैअपने नेपाल भ्रमण के दौरान चीन के उप विदेश मंत्री यहां प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल प्रचंड, राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल, उपराष्ट्रपति रामसहाय यादव से भी शिष्टाचार मुलाकात करेंगे। नेपाल के विदेश मंत्री इस समय ईरान के दौरे पर हैं, इसलिए उनसे मुलाकात नहीं रखी गई है।

नेपाल सरकार से नियुक्त दक्षिण कोरिया के राजदूत सुशील प्याकुरेल ने ठुकराया पद

एजेंसी

काठमांडू। दो दिन पहले नेपाल सरकार द्वारा सिफारिश किए गए 8 राजदूतों में से एक ने यह पद लेने से इंकार कर दिया है। दक्षिण कोरिया के लिए राजदूत नियुक्त किए गए सुशील प्याकुरेल ने सरकार की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए पद को ठुकराने की बात कही है।प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में भारत, अमेरिका, यूके, इजराइल, दक्षिण कोरिया सहित आठ देशों में राजदूत नियुक्ति की सिफारिश करने का फैसला लिया गया था। इनमें से दक्षिण कोरिया के लिए राजदूत नियुक्त किए गए सुशील प्याकुरेल ने सरकार से इस सिफारिश को वापस लेने का अनुरोध किया है। प्याकुरेल पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी के प्रमुख सलाहकार रह चुके हैं तथा मानवाधिकार संबंधी गैर सरकारी संगठन से जुड़े हैं। सुशील प्याकुरेल ने प्रधानमंत्री प्रचंड को भेजे पत्र में लिखा है कि बिना उनसे संपर्क और सलाह के ही उनकी नियुक्ति की गई है, जो सही नहीं है। सरकार की तरफ से राजदूत पद के लिए सिफारिश की प्रक्रिया पर सवाल खड़े करते हुए उन्होंने लिखा है कि बिना किसी योग्यता और क्षमता के तथा बिना संबंधित देश की राजनीतिक भौगोलिक, आर्थिक, भूराजनीतिक ज्ञान के किसी भी व्यक्ति को उस देश में सिर्फ राजनीतिक आस्था के आधार पर भेजना ठीक नहीं है। नेपाल सरकार ने दो दिन पहले आठ राजदूतों में से एमाले पार्टी को 5, माओवादी के कोटे से 1, जनता समाजवादी पार्टी के कोटे से 2 राजदूतों की नियुक्तियां की गई थी।

नेपाल सरकार के मुख्य सचिव के खिलाफ भ्रष्टाचार मामले में चार्जशीट दाखिल

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार के मुख्य सचिव के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में आरोप पत्र दायर किया गया है। रेवेन्यू स्टीकर छापने को लेकर हुए आर्थिक अनियमितता पर जांच पूरी करने के बाद एंटी करप्शन ब्यूरो की तरफ से चार्जशीट दाखिल की गई थी। ब्यूरो के आयुक्त जयबहादुर चन्द ने कहा कि मुख्य सचिव बैकुंठ अर्याल पर उनके संचार सचिव रहते हुए सिक्योरिटी प्रिटिंग प्रेस खरीद मामले और रेवेन्यू स्टीकर की छपाई के मामले में भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में मुख्य सचिव के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो ने विशेष अदालत में चार्जशीट दायर की है।

रूस में आतंकवादी हमलों में 15 पुलिस अधिकारी मारे गए

एजेंसी

मास्को। रूस के दागेस्तान में आतंकवादी हमलों में 15 से अधिक पुलिस अधिकारी और कई नागरिक मारे गए है। दागेस्तान के प्रमुख सर्गेई मेलिकोव ने टेलीग्राम पर प्रसारित एक वीडियो संदेश में कहा, आज के आतंकवादी हमले में 15 से अधिक पुलिस अधिकारी हथियार थामे दागेस्तान की शांति और स्थिरता की रक्षा करते हुए मारे गए। झड़पों के दौरान कई और नागरिक भी मारे गए।÷ उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने हमलों में शामिल छह बंदूकधारियों को मार गिराया।उल्लेखनीय है कि अज्ञात बंदूकधारियों ने शाम को डर्बेंट और माखचकाला शहरों में दो चर्चों, एक

आराधनालय और यातायात पुलिस के एक थाने पर हमला किया। हमले के बाद अधिकारियों ने आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया।

गंभीर आर्थिक संकट के उबरते देश में इस साल छह माह में 9 लाख पर्यटक पहुंचे

एजेंसी

कोलंबो। दो वर्षों के गंभीर आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता का सामना करने के बाद श्रीलंका की अर्थव्यवस्था तेजी से पटरी पर आ रही है। देश में पर्यटकों की लगातार बढ़ती संख्या इसका संकेत है। राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे इसी सप्ताह सार्वजनिक रूप से स्वीकार कर चुके हैं कि भारत से मिली आर्थिक मदद की वजह से श्रीलंका दो साल के संकट के दौर से उबरने की दिशा में है

पर्यटन पर काफी निर्भर श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छे संकेत दिख रहे हैं। कोरोना काल में चौपट हुए पर्यटन की वजह से देश को दो-तीन साल तक गंभीर आर्थिक संकट सामना करना पड़ा। एकबार फिर श्रीलंका में पर्यटकों की

दिलचस्पी वापस आ रही है।श्रीलंका पर्यटन विकास प्राधिकरण के अनुसार, इस वर्ष अब तक 966,604 पर्यटक देश में आ चुके हैं। अकेले जून में अब तक 69,825 पर्यटक आ चुके हैं। इस साल जनवरी में 208253 पर्यटक, फरवरी में 218350 पर्यटक, मार्च में 209181 पर्यटक, अप्रैल में 148867 पर्यटक और मई में 112128 पर्यटक श्रीलंका आए हैं।

श्रीलंका पर्यटन विकास प्राधिकरण के मुताबिक इस देश में रूस, भारत, जर्मनी, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया आदि से अधिक पर्यटक आए हैं। 2023 में श्रीलंका आने वाले पर्यटकों की संख्या 14 लाख 87 हजार रहीउल्लेखनीय है कि पिछले शनिवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कोलंबो में आयोजित 31वीं अखिल भारतीय साझेदार बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि दो मुश्किल वर्षों से गुजरने के बाद, मुझे यह स्वीकार करना होगा कि यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि भारत ने हमें 3.5 अरब डॉलर का ऋष्ण दिया था। वह सब चुका दिया जाएगा।

दुर्भाग्य है कि आतंकवाद का महिमामंडन करने वाले कृत्यों को..., 1985 के आतंकी हमले पर भारतीय उच्चायोग

एजेंसी

ओटावा। कनाडा में आतंकवाद को महिमामंडित करने वाली लगातार हो रही घटनाओं को भारत ने निंदनीय बताया। कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि यहां कई मौकों पर ऐसी कार्रवाइयों को नियमित होने दिया जाता है जबकि सभी शांतिप्रिय देशों और लोगों को इसकी निंदा करनी चाहिए।

भारतीय उच्चायोग ने 1985 में हुए कनिष्क बम विस्फोट की 39वीं बरसी मनाई। इस मौके पर उच्चायोग ने कहा कि आतंकवाद कोई सीमा, राष्ट्रीयता या नस्ल नहीं जानता।

क्या है कनिष्क बम विस्फोट घटना?

बता दें, 23 जून 1985 को मॉन्ट्रियल-लंदन-दिल्ली मार्ग पर उड़ान भरने वाले एयर इंडिया 182 कनिष्क विमान में आयरलैंड के तट से दूर अटलांटिक महासागर के ऊपर हवा

में विस्फोट हो गया था, जो कनाडा स्थित खालिस्तानी आतंकवादियों द्वारा किए गए कायराना आतंकी कृत्य के कारण हुआ था। इस घटना में एअर इंडिया के विमान में सवार 86 बच्चों समेत 329 लोगों की मौत हो गई थी।

39 साल बीते, लेकिन...

ओटावा में भारतीय उच्चायोग, टोरंटो और वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावासों ने श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। यहां 1985 की घटना में मारे गए लोगों को याद किया। भारतीय उच्चायोग ने कहा कि इस कायराना कृत्य के 39 साल बीत चुके हैं, लेकिन दुर्भाग्य से आतंकवाद आज अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए खतरा बन गया है। उसने आगे कहा, 1985 में एयर इंडिया 182 पर बमबारी सहित आतंकवाद को महिमामंडित करने का कोई भी कृत्य निंदनीय है और सभी शांतिप्रिय देशों और लोगों को इसकी निंदा करनी चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कनाडा में कई मौकों पर इस तरह के कृत्य को नियमित होने दिया जाता है।

आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए

पिछले सप्ताह भारत ने खालिस्तान चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की याद में कनाडा की संसद द्वारा एक मिनट का मौन रखे जाने पर कड़ी आपत्ति जताई थी। वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी एक सोशल मीडिया पोस्ट में कनिष्क बम विस्फोट को याद करते हुए जोर देकर कहा कि यह इस बात की याद दिलाता है कि आतंकवाद को क्यों बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

संसद में खालिस्तानी आतंकी निज्जर के लिए मौन पर घिरी ट्रूडो सरकार ; मीडिया ने करार दिया नैतिक अपमान

एजेंसी

ओटावा। कनाडा की संसद में खालिस्तानी आतंकवादी और सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की पुण्यतिथि पर दो मिनट का मौन रखे जाने पर, कनाडाई पत्रकार डैनियल बोर्डमैन सरकार की आलोचना की है। डैनियल बोर्डमैन ने कहा कि यह एक नैतिक अपमान है। इसका आसान स्पष्टीकरण यह है कि सरकार में खालिस्तानी घुसपैठ है। इस दौरान उन्होंने कहा कि हर राजनीतिक दल में कई उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी फिलिस्तीनी हैं। और यह करीब एक दशक से जारी है।

निज्जर के लिए मौन रखना क्यों जरूरी?- बोर्डमैन

इस दौरान डैनियल बोर्डमैन ने आगे कहा कि मेरा एक दोस्त था जिसकी हत्या आईआरजीसी, एक विदेशी आतंकवादी संगठन की तरफ से की गई थी। उसके कनाडाई संसद में दो मिनट का मौन धारण नहीं किया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि निज्जर के लिए दो मिनट के मौन रखने की आवश्यकता क्यों है। यह वास्तव में शर्मनाक है। आतंकवाद और धोखाधड़ी के लिए उस व्यक्ति को दो बार कनाडा आने से मना किया गया और फिर किसी तरह से वह चुपके से आ गया। मैं भारत में किसी को भी कोई तर्कसंगत स्पष्टीकरण नहीं दे सकता कि कनाडा हरदीप सिंह निज्जर के लिए मौन क्यों रखा है।

डैनियल बोर्डमैन ने इस दौरान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पर टिप्पणी करते हुए कहा कि मुझे नहीं लगता कि ट्रूडो को गलत काम करने के लिए किसी कारण की जरूरत है। यह इस समय एक तरह की नैतिक मजबूरी है। हमास ने उनकी प्रशंसा की है और वो चर्चों को जलाए जाने का समर्थन कर रहे हैं। ये उनकी भयावह नैतिक विफलताओं का एक संगम है। कनाडाई पत्रकार ने आगे कहा कि हमारे देश में बहुत से पागल गुरुद्वारे हैं, जिनमें खालिस्तानियों ने घुसपैठ की है।ट्रूडो सरकार पर टिप्पणी करते हुए डैनियल बोर्डमैन ने कहा कि इस समय छात्र वीजा सबसे बड़ा संकट है। जो अभी भी जारी किए जा रहे हैं और ये लोग बिना जांच के आ रहे थे और खालिस्तानी गुरुद्वारों में घुस रहे थे। मैंने बहुत से सिखों को इस बारे में बात करते हुए सुना है। कनाडाई लोग इससे थकने लगे हैं और खालिस्तानियों को हमारी सड़कों पर घूमने वाले पागलों के समूह में शामिल कर दिया गया, जो सब कुछ बदतर बना रहे हैं। फिलहाल औसत कनाडाई के बीच जागरूकता बढ़ रही है।

लाल सागर में हूतियों का आतंक जारी, व्यापारिक जहाज को बनाया निशाना; हिंद महासागर में भी किया हमलां

एजेंसी

यमन। यमन के पास लाल सागर में एक ड्रोन हमले में एक व्यापारिक जहाज क्षतिग्रस्त हो गया। दो समुद्री सुरक्षा एजेंसियों ने इसकी पुष्टि की। बता दें कि ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग पर हमले की घोषणा की है। यमन के हूती पिछले कुछ महीनों से ही लाल सागर में जहाजों पर निशाना बनाकर हमले कर रहा है। उनका कहना है कि वह यह हमला गाजा पट्टी में जारी इस्राइल हमास संघर्ष में फलस्तीनियों के समर्थन में कर रहे हैं। हूतियों ने लाल सागर और हिंद

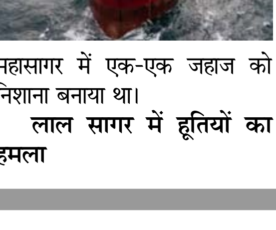

महासागर में एक-एक जहाज को निशाना बनाया था।

लाल सागर में हूतियों का हमला

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

मजे लेने के लिए फ्लाइट में बम होने का कर दिया ई-मेल, नाबालिग को पकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। बस मजे लेने के लिए 13 साल के नाबालिग ने दिल्ली से दुबई जाने वाली एक फ्लाइट में बम रखने का झूठा ई-मेल कर दिया। 17 जून को ई-मेल मिला तो आईजीआई एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी मच गई। मामले की जांच हुई। बाद में ई-मेल को हॉक्स करार दे दिया गया। आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज किया था।

जांच हुई तो पुलिस आरोपित की तलाश करते हुए उत्तराखंड के पिथौरागढ़ पहुंच गई। पुलिस ने इस मामले में 13 साल के नाबालिग को दबोच लिया। जांच हुई तो पता चला कि नाबालिग ने सोशल मीडिया से प्रभावित होकर ऐसी हरकत की। पुलिस ने नाबालिग को जेजे बोर्ड के समक्ष पेश किया, जहां हिदायत देकर नाबालिग को उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। पुलिस ने नाबालिग के पास से वारदात में इस्तेमाल मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। नाबालिग ने ई-मेल करने के लिए एक आईडी बनाई, जिसे उसने डिलीट कर दिया। पुलिस ने नाबालिग की काउंसलिंग भी कराई है। परिजनों ने पढ़ाई के लिए नाबालिग को मोबाइल दिलवाया था, जिसकी मदद से उसने यह वारदात को अंजाम दे दिया था।

दिल्ली में जल संकट के समाधान को लेकर आम आदमी पार्टी के नेताओं ने उपराज्यपाल से की मुलाकात

नई दिल्ली। दिल्ली में जल संकट के समाधान को लेकर आम आदमी पार्टी के मंत्री और विधायक सिविल लाइन स्थित राज निवास पर उपराज्यपाल से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने तुरंत दिल्ली को हरियाणा से 100 एमजीडी (मिलियन गलन प्रतिदिन) पानी दिलाने की मांग की। वर्तमान में जल संकट और दिल्ली की आबादी को देखते हुए हरियाणा से दिए जाने वाले पानी की मात्रा को और बढ़ाने पर चर्चा की गई। इसके साथ ही दिल्ली को पानी दिलाने और जूस पिलाकर आतिशी का अनशन खत्म करने की अपील की गई। आम आदमी पार्टी के विधायक राजेश गुप्ता ने बताया कि हम लोगों ने उपराज्यपाल से अपील की है कि सिर्फ एक हफ्ते की बात है। इसके बाद मानसून आ जाएगा। तब तक के लिए हरियाणा सरकार से पानी दिलाएं। दिल्ली में जो पानी का संकट खड़ा हुआ है, वह कम हो सके। वर्ष 1994 में जो एमओयू साइन हुआ था, तब दिल्ली की आबादी एक करोड़ थी, आज दिल्ली की आबादी तीन करोड़ पहुंच गई है। लेकिन पानी हमें उतना ही मिल रहा है। आबादी के अनुसार पानी की मात्रा भी बढ़ानी चाहिए, लेकिन यह एक लंबा प्रोसेस है। फिलहाल अभी हरियाणा सरकार से दिल्ली के हक का पानी मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल ने उन लोगों की बातों को गंभीरता से सुना और हरियाणा सरकार से बात कर पानी दिलाने को कहा है।

झमाझम बारिश से मौसम होगा सुहाना, हिल स्टेशन जैसा होगा माहौल

नोएडा। एनसीआर में बीते कुछ दिनों से ठंडी हवाए और बूंदाबांदी के चलते काफी राहत मिली है। मौसम में बदलाव के चलते लोगों ने सुकून की सांस ली। आने वाले दिनों में बारिश और ठंडी हवाओं के चलते लोगों के दिन और रातें आराम से बीतेंगे।

ठंडी से होंगे कूल-कूल

मौसम के बदलते मिजाज के साथ लोग अपने घरों से बाहर निकल रहे है। अगले कुछ दिनों में तेज बारिश होने के आसार है। सोमवार को दोपहर एक बजे अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस है। तेज हवाओं और हल्की बारिश के चलते गर्मी से राहत मिलेगी। वहीं, उत्तर प्रदेश के कुछ अलग शहरों में मौसम विभाग (ढ्ढरूष्ठ) द्वारा बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। नोएडा में मंगलवार को अधिकतम तापमान 27और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस हो सकता है। बुधवार को अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। गुरुगुवार को नोएडा अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस हो सकता है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस होने की संभावना है।

ग्रेटर नोएडा में पिता ने बेटी को मारी गोली : बचने के लिए रची रेप की कहानी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर थाना क्षेत्र से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां पर एक बाप ने अपनी बेटी को ही गोली मारी है। पहले यह आरोप लगाए जा रहे थे कि रात एक 15 वर्षीय किशोरी को युवक ने गोली मार दी है। पीड़िता के पिता का आरोप था कि पड़ोस का युवक उनकी बेटी से दुष्कर्म कर रहा था। मौके पर पहुंचकर जब उन्होंने विरोध किया तो आरोपी ने घटना को अंजाम दिया। गंभीर रूप से घायल किशोरी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जब पुलिस ने जांच की तो मामला कुछ और ही निकला। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, दनकौर थाना क्षेत्र के गांव में शनिवार रात एक 15 वर्षीय किशोरी को गोली मार दी गयी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। उस वक्त पिता ने आरोप लगाया कि शानिवार शाम उनकी 15 साल की बेटी घर पर अकेली थी। देर रात जब वह घर लौटे तो बेटी वहां नहीं थी। तलाश करने के दौरान उन्हें बेटी की चीख सुनाई दी। मौके पर पहुंचकर देखा तो पड़ोस में रहने वाला युवक बेटी से दुष्कर्म कर रहा था। पिता ने विरोध किया तो आरोपी ने गोली चला दी। गोली किशोरी के चेहरे पर लगी।

ओटावा में कनिष्क बम विस्फोट के पीड़ितों की स्मृति में आयोजित समारोह में एकत्रित हुए लोग

एजेंसी

नई दिल्ली। कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने ओटावा में कनिष्क आतंकवादी बम विस्फोट की 39वीं वर्षगांठ पर पीड़ितों के परिवार के सदस्यों और उनके दोस्तों के साथ हमले में मारे गए लोगों को रद्धांजलि दी। भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर एक पोस्ट में ओटावा के डॉव झील के कमिश्नर पार्क में एयर इंडिया फ्लाइट 182 स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की तस्वीरें शेयर की है। सभा को संबोधित करते हुए श्री वर्मा ने कहा, ÷दुनिया की किसी भी सरकार को राजनीतिक लाभ के लिए अपने क्षेत्रों से उत्पन्न आतंकवाद के खतरे को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मानव जीवन क्षणभंगुर राजनीतिक हितों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। सभी आतंकवादी गतिविधियों का अनुकरणीय कानूनी और सामाजिक कार्रवाई के साथ सामना किया जाना चाहिए। इससे पहले कि वे व्यापक मानवता को नुकसान पहुंचाना शुरू

करें। सरकारों, सुरक्षा एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को आतंकवादी नेटवर्क को खत्म करने, उनके वित्तपोषण को बाधित करने और उनकी विकृत विचारधाराओं का मुकाबला करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। पीड़ितों के परिवार के सदस्य और मित्र, सहायक आरसीएमपी आयुक्त सहित कनाडा सरकार के अधिकारी, आयरलैंड के राजदूत और इंडो-कैनेडियन समुदाय के 150 से अधिक सदस्य इस पवित्र अवसर पर उपस्थित थे। उन्होंने कहा, भारत पीड़ितों के प्रियजनों के दुख और दर्द को साझा करता है। भारत आतंकवाद के खतरे का मुकाबला करने में सबसे आगे है और इस वैश्विक खतरे से निपटने के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम करता है। उल्लेखनीय है कि 23 जून 1985 को कनिष्क बम विस्फोट में मॉन्ट्रियल से नयी दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की 'कनिष्क' फ्लाइट 182 में लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर निर्धारित लैंडिंग से 45 मिनट पहले विस्फोट हुआ था, जिसके कारण विमान में सवार सभी 329 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से अधिकांश भारतीय मूल के कनाडा के नागरिक थे। अटलांटिक महासागर के ऊपर 31,000 फीट की ऊंचाई पर हुआ यह विस्फोट सिख अलगाववादियों द्वारा पंजाब में स्वर्ण मंदिर पर भारतीय सेना के 1984 के हमले का बदला लेने के लिए किया गया था।

'अभिभावकों की चिंता दूर करना सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता'

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की विश्वसनीयता और परीक्षाओं के संचालन को लेकर अभिभावकों में राष्ट्रीय अर्हता एवं प्रवेश परीक्षा (नीट) को लेकर अविश्वास एवं चिंताओं को दूर करना सबसे बड़ी प्राथमिकता मान रही है और इसके लिए वह पूरे मामले में कुछ भी नहीं छिपायेगी और पूरी व्यवस्था में आमूलचूल सुधार करेगी।

सूत्रों ने कहा कि सरकार इस मामले में हो रही विपक्षी राजनीति से बिल्कुल भी चिंतित नहीं है और इस मामले में संसद में दो दो हाथ करने के लिए तैयार है। कल से शुरू हो रहे लोकसभा चुनावों के बाद संसद के पहले सत्र में शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान तथ्यों के साथ विपक्षी मुहिम का जवाब देंगे।

नैतिक मूल्य मरने से हो रही है पेपर लीक जैसी घटनाएं : हरिवंश

नई दिल्ली। राज्यसभा में उपसभापति हरिवंश ने कहा है कि समाज ने नैतिक मूल्यों और मर्यादाओं को खो दिया है इसलिए देश में पेपर लीक जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हो रही है।

श्री हरिवंश ने यहां वरिष्ठ पत्रकार अवधेश कुमार बच्चन के मैथिली उपन्यास 'बिलटल गाम' का लोकार्पण करते हुए कहा कि उपन्यास गांव के चरित्र तथा नैतिक मूल्यों से भरा है और उनको मैथिली भाषा में जिस खूबसूरती के साथ प्रस्तुत किया गया है वह अद्भुत है। उपन्यास में गांव देहात में मूल्यों के लगातार हो रहे क्षरण की गहराई से पड़ताल की गई है।उन्होंने कहा कि गांव में जो मूल्य पहले स्वतः व्यक्ति सीखता था उनमे किसी का अनादर नहीं करना, अनैतिक काम नहीं करना और किसी तरह से गलत काम करके धन अर्जित नहीं करना था लेकिन आज मूल्य खत्म हो गए हैं और समाज में उन लोगों को तरजीह मिलने लगी है जो

अनैतिक कार्य कर धन अर्जन का गलत तरीका अपना रहे हैं। यही कारण है कि इन मूल्यों के अभाव में आदमी भटक गया है और वह पेपर लीक जैसे अनैतिक कार्य कर रहा है।

राज्यसभा में उपसभापति ने उपन्यास की शैली, ग्रामीण जीवन के बारीक चित्रण, परिवेश के अनुकूल शब्दों के चयन की प्रशंसा की और कहा कि इतना बड़ा उपन्यास मैथिली में लिखा जाना आसान नहीं है। यह काम वही कर सकता है जिसमें अभिव्यक्ति की असाधारण क्षमता हो। उपन्यास में जिन मूल्यों को पिरोया गया है उनको स्थापित करने की ज़रूरत हैं।

उन्होंने उपन्यास के कई अंश पढ़कर सुनाये और कहा कि जिस अभिव्यक्ति के साथ कथ्य को अभिव्यक्त किया गया है उसे पढ़ते हुए पाठक अनायास ही गांव की चौपाल पर पहुंच जाता है और गांव में बिताए दिनों की याद में खो जाता है। श्री हरिवंश ने कहा कि सबसे खराब स्थिति यह है कि गांव में बैठकी टूट रही है। बैठकी टूटने से समाज के मूल्य बदल रहे हैं और उनका पतन हो रहा है। गांव समाज की बैठकी में पहले जिस नैतिकता का विकास होता था व्यक्ति उन मूल्यों को समझकर उनका पालन जीवन मे करता जिससे समाज में मूल्यों को मजबूती मिलती लेकिन अब बैठकी टूट रही है और मूल्य भी खत्म हो रहे है। पुस्तक के लेखक अवधेश बच्चन को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि इस पुस्तक में मैथिली भाषा में गांव, खेत खलिहान और ग्रामीण समाज का जो चित्रण किया गया है वह अद्भुत है। सबसे बड़ी बात यह है कि मैथिली भाषा में यह सब काम हुआ है

उन्होंने कहा कि पुस्तक में जो जीवंतता पात्रों को मैथिली शब्दावली के क्षरण मिली है उससे यह भी सिद्ध हो गया है कि अच्छा साहित्य सिर्फ अपनी भाषा में ही लिखा जा सकता है। उन्होंने कई उदाहरण दिए और बताया कि दुनिया के अनेक महान लेखकों की अमर कृतियां अपनी भाषा में लिखी गई है और इन रचनाओं ने वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध हासिल की है।श्री बच्चन का यह उपन्यास भी इतना बेहतर इसलिए बन सका है क्योंकि उसे लेखक ने उसी परिवेश की भाषा में अभिव्यक्ति दी है जिसमें उसका पात्र जीता है।

जमानत पर रोक के खिलाफ सीएम केजरीवाल पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कथित शराब नीति से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में उनकी जमानत पर दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से रोक लगाने को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। केजरीवाल के वकीलों ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से मामले की तत्काल सुनवाई की मांग की है। दिल्ली हाईकोर्ट ने 21 जून को एक अंतरिम आदेश में प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो की रिहाई पर रोक लगा दी थी, इसमें निचली अदालत के जमानत आदेश को चुनौती दी गई थी। सीएम केजरीवाल की रिहाई पर रोक लगाते हुए हाईकोर्ट के जस्टिस सुधीर कुमार जैन और रविंदर डुडेजा की अवकाश पीठ ने निर्देश दिया कि मामले की पूरी सुनवाई होने तक जमानत आदेश लागू नहीं किया जाना चाहिए।

सीबीआई ने नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं का मामला दर्ज किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की लिखित शिकायत के आधार पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)(यूजी) में कथित अनियमितताओं के मामले में आपराधिक मामला दर्ज किया है। आधिकारिक सूत्रों ने यहां यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि गत पांच मई को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट (यूजी) 2024 परीक्षा के दौरान कुछ राज्यों में कुछ अलग-अलग घटनाएं हुईं। यह परीक्षा 571 शहरों में 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी, जिसमें 14 विदेशी शहर भी शामिल थे। परीक्षा में 23 लाख से अधिक उम्मीदवार शामिल हुए थे। उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्रालय ने सीबीआई से कथित अनियमितताओं के पूरे मामले की व्यापक जांच करने का अनुरोध किया है, जिसमें षडयंत्र, धोखाधड़ी, प्रतिरूपण, विश्वासघात

और उम्मीदवारों, संस्थानों और बिचौलियों द्वारा सबूतों को नष्ट करना, अनियमितताओं का प्रयास करना शामिल है।

मंत्रालय ने सीबीआई से परीक्षा के आयोजन से जुड़े लोक सेवकों की भूमिका, यदि कोई हो, की जांच करने तथा घटनाओं के पूरे दायरे और बड़ी साजिश की जांच करने का अनुरोध किया है।

सीबीआई ने तदनुसार एक आपराधिक मामला दर्ज किया है और जांच शुरू की है। मामले की सर्वोच्च प्राथमिकता पर जांच करने के लिए सीबीआई द्वारा विशेष टीमों का गठन किया गया है एवं इन टीमों को पटना और गोधरा भेजा जा रहा है जहां स्थानीय पुलिस ने मामले दर्ज किए हैं।

तमिलनाडु जहरीली शराब मामले की सीबीआई जांच हो : सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता निर्मला सीतारमण ने तमिलनाडु जहरीली शराब मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग करते हुए कहा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इस पर बयान देना चाहिए।

श्रीमती सीतारमण ने यहां यूनीवार्ता से कहा कि 200 से ज्यादा लोग अब भी गंभीर अवस्था में अस्पताल में हैं। कुल 56 लोगों की मौत हो गई है और उनमें से ज्यादातर अनुसूचित जाति से हैं। वह इस घटना की निंदा करती है।

उन्होंने कहा, मैं हैरान हूं कि कांग्रेस ने इसके खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोला। ऐसे राज्य में जहां सरकार द्वारा संचालित तस्माक दुकानों से लाइसेंसी शराब मिलती है, उसके बावजूद कलाकुरची शहर के बीच में केमिकल आधारित अवैध शराब परोसी जाती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे

कहां हैं, राहुल गांधी कहां हैं। वह दक्षिण से सिर्फ इसलिए चुनाव लड़ते हैं क्योंकि उन्हें भरोसा है कि वह जीतेंगे। तमिलनाडु में द्रमुक के साथ मिलकर चुनाव लड़ते हैं और जब जहरीली शराब से दलित मर रहे हैं तो एक बयान नहीं आता। उन्होंने उस मामले में श्री गांधी और श्री खड़गे से बयान देने की मांग भी की। उन्होंने इस पूरे मामले की जांच सीबीआई को देने की मांग की।

ट्रैफिक पुलिस ने साढ़े पांच माह में लाखों लोगों को थमाया चालान

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने राजधानी की सड़कों पर स्टॉप लाइन उल्लंघन करने वालों के खिलाफ इस साल जबरदस्त कार्रवाई की है। रेड लाइट और चौक चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से ऐसे वाहनों का चालान किया है,जिन्होंने स्टॉप लाइन का खुलेआम उल्लंघन किया। साथ ही, जिन जगहों पर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे, वहां ट्रैफिक पुलिस ने मैनुअल तरीके से कार्रवाई की है। इसके चलते इस साल 1 जनवरी से 15 जून तक किए गए चालान में पिछले साल 2023 के मुकाबले 32 फ़ीसदी ज्यादा चालान रिकॉर्ड किए गए हैं।

देखा जाए तो दिल्ली की सड़कों पर मैन्युअल ट्रैफिक पुलिस के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरों के जरिए भी ट्रैफिक नियम उल्लंघन करने वालों पर पैनी नजर रखी जा रही है। इसके बावजूद लोगों में ट्रैफिक पुलिस का कोई खौफ नहीं दिख रहा है। वे इन सब के बाद भी नियमों का उल्लंघन करने में पीछे नहीं हैं।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की ओर से 1 जनवरी से 15 जून तक किए गए चालान के आंकड़े जारी किए हैं। ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों से साफ और स्पष्ट नजर आता है कि वाहन चालक शहर के तमाम चौराहों और रेड लाइट पर बनाई गई 'स्टॉप लाइन' का पालन नहीं कर रहे हैं, जिसके चलते उनके खिलाफ खूब चालान किए गए हैं जो 2023 के मुकाबले 2024 में 32 फ़ीसदी ज़्यादा हैं।

ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल 2024 के दौरान 1 जनवरी से 15 जून तक 'स्टॉप लाइन' उल्लंघनों के खिलाफ स्पेशल ड्राइव चलाया गया था। इस ड्राइव के चलते साढे पांच माह के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने 2,37,976 उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जबकि 2023 में इस अवधि के दौरान यह आंकड़ा 180538 रिकॉर्ड किया गया था। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की ओर से राजधानी के 10 टॉप ट्रेफिक सर्किल का भी विश्लेषण किया है, जहां पर इन नियमों का घोर उल्लंघन किया गया। इन साढ़े 5 माह के दौरान सबसे ज्यादा चालान इन 10 सर्कल में किए गए हैं। इन सर्कल में से सबसे ज्यादा चालान डिफेंस कॉलोनी सर्कल में 52,879 चालान किए गए हैं। इसके बाद मयूर विहार सर्कल में 33,077, सफदरजंग एंक्लेव में 22,671, लाजपत नगर में 19,343, द्वारका में 11,675, तिलक नगर सर्कल में 8,772, पंजाबी बाग सर्कल में 8,640, वसंत विहार सर्कल में 7,954, सिविल लाइन सर्कल में 7,329 और मॉडल टाउन सर्कल में 7,177 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। ट्रैफिक पुलिस ने इस तरह की कार्रवाई को करने के साथ-साथ लोगों से अपील भी की है कि वे सुरक्षा को लेकर सड़कों पर यातायात नियमों और कानून का पालन करें।

2 बदमाशों को मारी गोली, सूनार को गोली दागकर की थी लूटपाट

गाजियाबाद। गाजियाबाद के नंदग्राम थाना क्षेत्र में रविवार देर रात पुलिस ने मुठभेड़ के बाद 3 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान 2 बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस का दावा है कि पकड़े गए बदमाशों ने 11 जून को सर्राफा व्यापारी को गोली मारकर लूटने में शामिल थे। एसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि 11 जून को नंदग्राम इलाके के दो सर्राफा व्यापारी भाई दिल्ली से माल लेकर लौट रहे थे। रास्ते में दो बदमाशों ने तमंचे के बल पर उनसे कुछ पैसे और जेवरात लूट लिए। इस घटना के खुलासे के लिए कई टीमें गठित की गई। रविवार देर रात पुलिस को इस मामले में सफलता मिली। एसीपी ने बताया कि रविवार रात मुखबिर से सूचना मिली कि दो मोटरसाइकिलों पर 4 बदमाश नंदी पार्क की तरफ आ रहे हैं। इस पर हिंडन कट पर चेकिंग शुरू की गई। कुछ देर बाद हिंडन मेट्रो स्टेशन की तरफ से दो मोटरसाइकिलों पर 4 लोग आते दिखाई दिए। उन्हें घेरकर रोकने का प्रयास किया गया। मोटरसाइकिल सवार नहीं रुके और तेजी से नंदी पार्क की तरफ बढ़ गए। **पीछा करने पर पुलिस पर की फायरिंग** :पुलिस ने पीछा कर उन्हें घेर लिया तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने भी फायरिंग की। जिसमें दो बदमाश पैरों में गोली लगने से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े।

Name Change
I, Reena W/o-Ravinder rana R/O H.no-1088, Post office to Syndicate Bank, Bijwasan South West Delhi -110061 have changed my name from Reena to Reena Rana for all future purposes.

Name Change
I, Irish D/o-Ravinder rana R/O H.no-1088, Post office to Syndicate Bank, Bijwasan South West Delhi -110061 have changed my name from Irish to Irish Rana for all future purposes

Name Change
I sayeen Shaikh s/o md.moni R/o 966 pocket ,4 sector a 6 Punarwas colony Narela Delhi 110040 have changed my name from sayeen to sayeen Shaikh for all future purposes

Name Change
I, hitherto known as MUSKAN KATARIA D/O RAKESH KUMAR R/O F-121, MAIN GALI, KUA NO. 1, KATWARIA SARAI, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110016 have changed my name and shall hereafter be known as TINA KATARIA

Name Change
I Kamal Nayan S/o Kamleshwari Prasad Singh R/o Villa No. A-45 Omaxe Green valley, Sector-41-42, Faridabad Haryana-121010, have changed my name Kamal Nayan Kumar Singh for all purpose.

Name Change
It is for general information that I, VIVEK KUMAR SHUKLA S/o LAL CHAND SHUKLA, R/o Khasra No.-8/14, Ground Floor, D-Block, Gali No.16, Kamal Vihar, Kamal Pur, Burari, North Delhi, Delhi-110084, declare that name of mine and my father has been wrongly written as VIVEK KUMAR SHUKL and LAL CHAND SHUKL in my 10th and 12th Educational Documents. The actual name of mine and my Father are VIVEK KUMAR SHUKLA and LAL CHAND SHUKLA, which may be amended accordingly

Name Change
I, MUNGI DEVI mother of No. 15620366H Rank-HAV, Name-OMPRAKASH YOGI R VILLAGE, SINDUKI, POST, SALIMPUR, TEL, MAHWA, DIST, DAUSA, RAJ,321608, have changed my name from MUNGI DEVI to NANKI DEVI and date of birth from 01/07/1960 to 01/01/1943 for all future purposes. Vide affidavit No- IN-DL07096164258694W dated 22.06.2024 Public Notary Delhi.

Name Change
I, MAMTA spouse of No. 15620366H Rank-HAV, Name- OMPRAKASH YOGI R/ VILLAGE, SINDUKI, POST, SALIMPUR, TEL, MAHWA, DIST, DAUSA, RAJ, PIN 321608, have changed my name from MAMTA to MAMTA DEVI YOGI for all future purposes. Vide affidavit No IN-DL07099036776271W dated 22.06.2024 Public Notary Delhi.

Name Change
I, NEAM SINGH S/O MANGU RAM R/O 1-2-9/470B, SANGAM VIHAR, HAMDARD NAGAR, SOUTH WEST DELHI-110062 have changed the name of my minor Daughter RENU aged 11 years and she shall hereafter be known as KASHISH.

Name Change
I, hitherto known as YADAV HARISHCHANDRA S/o UDAYBHANU R/o Naseerenpur, Unchahar, Ishwar Daspur, Rai Bareli, Uttar Pradesh - 229401 have changed my name and shall hereafter be known as YADAV HARISHCHANDRA UDAYBHANU.

Name Change
I,LALIT DAGAR son of Shri Dharamvir resident of RZA-31B, INdra Park, Near Pali Ki factory, Prajapati, Colony, Bindapur, West Delhi-110059, have changed my name from LALIT DAGAR to LALIT KUMAR for all future purposes.

Name Change
I, hitherto known as TEJENDER SINGH BHARAJ alias TEJINDER SINGH S/O HARBHAJAN SINGH R/O 83 TF, RAJA GARDEN, RAMESH NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110015 have changed my name and shall hereafter be known as TEJINDER SINGH.

Name Change
It is for general information that I, RAJU S/o RAMJEET, R/o DDA Janta Flat No.448, Post Office Badarpur, Pul Prahlad Pur, South Delhi, Delhi-110044 declare that Name of my Daughter has been wrongly written as AKANSHA in my Service Record (Ex-PO ELP, NO.114609A) The actual name of my Daughter is AKANKSHA KURIAL, which may be amended accordingly.

Name Change
I Sanjana Kumari W/o Kamal Nayan Kumar Singh R/o Villa No. A-45 Omaxe Green valley, Sector-41-42, Faridabad Haryana-121010, have changed my name Sanjana Kumari Singh for all purpose.

Name Change
I, LOKPAL SINGH BISHT son of Late Sh. PREM SINGH R/O FLAT NO-8, JIY LAXMI APARTMENT, PLOT NO-59, I.P. EXTENSION, PATPARGANJ, EAST DELHI, DELHI-110092 have changed my name from LOK PAL SINGH to LOKPAL SINGH BISHT for all future purpose.

Name Change
I, hitherto known as SUNIL ALIAS SUNIL KUMAR S/O SH. SATYAWAN R/O A- 77/1, GR, F., LAXMI PARK, NANGLOI JAT, PO: NANGLOI, DIST: WEST DELHI, DELHI-110041 have changed my name and shall hereafter be known as SUNIL KUMAR.

Name Change
I, SHUBHANGI RAVINDRA DHAKNE spouse of No. 2811941F Rank HAV Name DHAKNE RAVINDRA SOMINATH, presently residing VILL-MIRKALA, TEH- GEORAL, DIST-BEED, MAHARASHTRA, PIN-431127 have changed my name from SHUBHANGI RAVINDRA DHAKNE to DHAKNE SHUBHANGI RAVINDRA for all future purposes. Vide affidavit No-IN-DL04231706364078W dated 15.06.2024 Public Notary Delhi.

Name Change
I, hitherto known as SHREE DEVI W/o VEER SINGH R/o 0, KALYANI, KALYANI, SIKEHARA, KASGANJ, UTTAR PRADESH - 207242 have changed my name and shall hereafter be known as SUNITA.

हरियाणा में 25 जून से होगा मतदाता सूचियों में संशोधन, बीएलओ घर-घर जाकर करेंगे सत्यापन कार्य

एजेंसी

चंडीगढ़। भारत निर्वाचन आयोग ने एक जुलाई को अर्हता तिथि मानते हुए 'फोटोयुक्त मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त संशोधन' का कार्यक्रम जारी किया है। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 25 जून को बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा मतदाता सूची का घर-घर जाकर सत्यापन शुरू किया जाएगा। हरियाणा स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव से अनुरोध किया गया है कि वे अपने फील्ड अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करें कि वे ऐसे सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को वापस बुलाएं, जिन्हें बीएलओ के रूप में नामित किया गया है। ऐसे कर्मचारी जो पहले से ग्रीष्मकालीन अवकाश पर हैं, वे घर-घर जाकर सत्यापन के संबंध में अगले आदेश के लिए 25 जून तक अपने संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) को बीएलओ ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करेंगे।

लोकसभा में भाजपा हुई हाफ, विधानसभा में होगी पूरी साफ : भूपेंद्र हुड्डा

यमुनानगर। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाजपा लोकसभा में हाफ और विधानसभा में होगी पूरी तरह से साफ। हमारी सरकार में प्रदेश प्रति व्यक्ति आय में, निवेश, खेलों में पदक, सबसे अधिक गन्ने के दाम में नंबर एक था। लेकिन भाजपा के इस 10 साल में हरियाणा प्रदेश बेरोजगारी और महंगाई में नंबर एक बनकर रह गया है। वे जगाधरी के गुप्ता पैलेस में आयोजित कार्यकर्ता धन्यवाद सम्मेलन में बोल रहे थे। इस मौके पर उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान, अंबाला सांसद वरुण चौधरी, पूर्व सांसद कैलाशो सैनी, पूर्व स्पीकर अशोक अरोड़ा, पूर्व स्पीकर अकरम खान, विधायक रेणु बाला, विधायक बीएल सैनी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नेता शामिल रहे। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि विधानसभा के चुनाव में सिर्फ 3 महीने का समय रह गया है। सभी कार्यकर्ता घर-घर जाकर भाजपा की जनविरोधी नीतियों के बारे में जिक्र करें, वहीं कांग्रेस के समय की जनहित नीतियों की भी चर्चा करें।

पानी की समस्या को लेकर रोका केंद्रीय मंत्री का काफिला

रोहतक। पीने के पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का काफिला रुकवा लिया। ग्रामीणों ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि गांव में पीने के पानी की समस्या कई सालों से बनी हुई है, लेकिन कोई भी सुनवाई नहीं कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह इस बारे में संबंधित अधिकारियों से बातचीत कर समस्या का हल कराएंगे। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पानी की समस्या को लेकर कई बार अधिकारियों के चक्कर काट चुके है। अब उन्हें उम्मीद है कि समस्या का समाधान हो जाएगा। दिल्ली से रोहतक अभिनंदन समारोह में शिरकत करने जा रहे केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के काफिले को गांव खरावड़ के पास ग्रामीणों ने रोक लिया। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने ग्रामीणों की समस्या को ध्यान से सुना और उन्हें जल्द से जल्द समस्या के निदान करवाने का आश्वासन दिया, इसके बाद ग्रामीण माने और उनके काफिले को जाने दिया।

टीबी मुक्त भारत अभियान में बेहतर काम करने वाली 19 ग्राम पंचायतें होंगी सम्मानित

जींद। केंद्र सरकार के टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत ग्रामीण अंचल में निर्धारित पैरामीटर पर खरा उतरने वाली 19 ग्राम पंचायतों को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा इन ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों को 24 जून को लघु सचिवालय कान्फ्रेंस हाल में स्मृति चिह्न और प्रशंसा पत्र भेंट कर सम्मानित करेंगे। उझाना ब्लॉक से गांव नारायणगढ़, दाता सिंह वाला, रेवर, नरवाना ब्लॉक से गांव खानपुर, उचाना ब्लॉक से गांव तारखा, उदयपुर और नचार खेड़ा, पिल्लूखेड़ा ब्लॉक से गांव खरक गादिया, मालसरीखेड़ा और लुदाना, सफीदो ब्लॉक से गांव जयपुर और रजानाखुर्द, जुलाना ब्लॉक से गांव बूढ़ाखेड़ा लाठर, भगता खेड़ा, बहबलपुर, किशनपुरा और पडाना तथा जींद ब्लॉक से गांव रामराये खेड़ा और लखमीरवाला शामिल हैं।

हरियाणा के सफाई कर्मियों ने पानीपत में किया रोष प्रदर्शन

पानीपत। हरियाणा सरकार की वादा खिलाफी के विरोध में प्रदेश भर के हजारों ग्रामीण सफाई कर्मियों ने अपनी मांगों को लेकर पानीपत में राज्यस्तरीय प्रदर्शन किया। गुस्साए कर्मचारियों ने पंचायत मंत्री महिपाल ढांडा के आवास की ओर कूच किया और उनके नाम अपना मांग पत्र दिया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगले 15 दिन में अगर मांगों का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन तेज होगा, जिसके लिए खुद सरकार जिम्मेदार होगी। 10 जुलाई को प्रदेश के तमाम जिलों में विशाल प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान देवीराम, महासचिव विनोद कुमार, कोषाध्यक्ष संदीप, सीटू राज्य प्रधान सुरेखा, महासचिव जयभगवान, सीटू उपाध्यक्ष सुखबीर सिंह, यूनियन वरिष्ठ उपाध्यक्ष बसाऊराम, उप महासचिव जोगिंदर सिंह, राज्य सचिव वीरभान के नेतृत्व में हजारों ग्रामीण सफाई कर्मियों ने बाबरपुर अनाज मंडी में सभा की।

विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

पूर्व विधायक नरेश कौशिक ने किया जोरदार स्वागत

एजेंसी

झज्जर। हरियाणा भाजपा के चुनाव प्रभारी व केन्द्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, चुनाव सह प्रभारी व त्रिपुरा के पूर्व सीएम बिप्लब कुमार देब ने बहादुरगढ़ में भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओ को आने वाले विधानसभा चुनाव में जीत के लिए एकजुट होकर काम करने का मंत्र दिया। दिल्ली से रोहतक जाते वक्त पंडित श्रीराम मेट्रो स्टेशन के पास भाजपा के केंद्रीय नेताओं का जोरदार स्वागत किया गया।

पूर्व विधायक नरेश कौशिक ने भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, चेयरमैन, पूर्व चेयरमैन, पार्षदों, पूर्व पार्षदों, पंच-सरपंचों, पूर्व सरपंचों के साथ मिलकर धर्मेंद्र प्रधान और बिप्लब कुमार देब का जोरदार अभिनंदन किया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं में पूरा जोश व उत्साह देखने को मिला। भाजपा के हरियाणा

चुनाव प्रभारी व केन्द्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान व सह प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने जमीनी स्तर पर काम करके कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया। भाजपा की ओर से विधानसभा चुनाव जीतने को लेकर बिगुल बजा दिया गया। उन्होंने अपने सम्बोधन से कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि वह जिले के सभी कार्यकर्ताओं से विधानसभा क्षेत्र अनुसार मिलेंगे और उनके सुझावों को लेकर रणनीति बनाते हुए चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि देश में एनडीए की तीसरी बार सरकार बनी है और नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनकर यह साबित कर दिया है कि राष्ट्र उत्थान के लिए वह कृतसंकल्प हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से लोकसभा चुनाव में भाजपा कार्यकर्ताओं ने खूब मेहनत की है इसी तरह आने वाला विधानसभा चुनाव भी भाजपा कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ लड़ेंगे और फिर से प्रदेश में कमल खिलाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने के लिए कहा। पूर्व विधायक नरेश कौशिक ने कहा कि विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा संगठन की ओर से पूरी रणनीति बनाई जा रही है।

शिक्षा निदेशालय ने वरिष्ठता सूची पर मांगी आपत्तियां, आठ जुलाई तक मुख्यालय को भेजेंगे रिपोर्ट

एजेंसी

चंडीगढ। शिक्षा विभाग ने 23 हजार पीजीटी की वरिष्ठता सूची पर आपत्तियां मांगी हैं। विभाग की ओर से वेबसाइट पर 23 हजार पीजीटी की सूची अपलोड कर दी है। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों के साथ प्राचार्यों को निर्देश दिए हैं कि 8 जुलाई तक सभी आपत्तियां व दावे मुख्यालय भेजे जाएं। विभाग की ओर से 8 जुलाई 2019 की स्थिति के अनुसार पीजीटी की वरिष्ठ सूची को संशोधन के तौर पर प्रकाशित किया है।

वरिष्ठता सूची में उनकी वरिष्ठता गलत निर्धारण व सुधार के संबंध में पीजीटी से आवेदन प्राप्त हुए थे, लेकिन उनमें से कुछ मामले अदालतों में लंबित थे। पीजीटी 2003 की नीति के तहत उनकी जन्मतिथि गलत तरीके से तय की गई थी। वर्ष 2003 और 2004 में विभाग द्वारा टीजीटी से पीजीटी पद पर पदोन्नत किए गए पीजीटी की वरिष्ठता भी गलत तरीके से यानी उनकी जन्म तिथि के आधार पर तय की गई है, जो सेवा के प्रावधानों का भी उल्लंघन है।

वर्ष 2003-2004 में टीजीटी के पद से पीजीटी में पदोन्नत किया गया था, उनके कैडर यानी टीजीटी की वरिष्ठता सूची के अनुसार या उनकी पदोन्नति की तारीख लंबित प्रतिनिधित्व के साथ ठीक कर दिया गया है। अब विभाग की ओर से अस्थायी संशोधित वरिष्ठता सूची को वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। पीजीटी से संबंधित आपत्तियां व दावे 5 जुलाई तक भेजी जा सकती हैं।

समयावधि समाप्त होने के बाद दावों पर विचार नहीं किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि संबंधित जिले के सभी पीजीटी की रिपोर्ट 8 जुलाई तक मुख्यालय में भिजवाएं।

भाजपा ने विधानसभा के लिए तय किए उम्मीदवार : मनोहर लाल

लोकसभा में जैसे पसीना बहाया है विधान सभा के लिए कमर कस लीजिए

एजेंसी

सोनीपत। पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय शहरी निकाय एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल का गोहाना में अभिनंदन किया गया।

उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि तीन महीने बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं ने पसीना बहाया है, उसे सूचने मत देना कमर कस लो विधान सभा में भी कड़ी मेहनत करनी है। पार्टी ने विधानसभा क्षेत्रों में उम्मीदवार पहले ही तय कर लिए हैं। कंद्रीय मंत्री मनोहर लाल रोहतक जाते हुए सोनीपत के गोहाना में रुके। भाजपा जिलाध्यक्ष जसवीर दोदवा, नगर परिषद की चेयरपर्सन रजनी इंद्रजीत विरमानी समेत तमाम लोगों ने उनका स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री ने यहां कहा कि लोकसभा चुनाव में एक रिजल्ट आता है, लेकिन विधानसभा चुनाव में 9 हलकों का अलग-अलग रिजल्ट निकलना है। उन्होंने कहा कि पार्टी के लोगों को रहता है कि जब कैंडिडेट घोषित होगा, तब तैयारी करेंगे। खट्टर ने दावा किया कि पार्टी ने सभी विधानसभा क्षेत्रों में कैंडिडेट पहले से तय कर दिए हैं। कार्यकर्ताओं को जिस कैंडिडेट के लिए काम करना है, वह

कैंडिडेट कमल का फूल है। पार्टी जिस कैंडिडेट के हाथ में कमल की कली देगी, उस कमल के फूल को खिलाने का काम कार्यकर्ताओं का है। कमल की कली को खिलाकर चंडीगढ़ भेजने का काम कर देना। हरियाणा में सरकार बनने से कोई रोक नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा के पांच सांसद चुने गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इनमें से 3 को मंत्री पद दे दिए गए हैं। मोदी का हरियाणा से बड़ा विशेष संबंध है। तीनों मंत्री हरियाणा के लिए ज्यादा से ज्यादा काम करेंगे। मेरे पास दोनों विभाग बहुत महत्वपूर्ण हैं। बिजली की आपूर्ति 24 घंटे सभी गांव में बनी रहे, इससे आगे और भी काम बढ़ाया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र में आम आदमी का रहन-सहन सुखी बन पाए, इसीलिए ग्रामीण विकास को लेकर भी काम किए जाएंगे।

हरियाणा राज्य परिवहन को मिलेंगे 650 नई बसें, सरकार ने पूरी की टेंडर प्रक्रिया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की सड़कों पर जल्द ही नई बसें दिखाई देंगी। प्रदेश सरकार ने राज्य में 650 नई बसों की खरीद को लेकर शुरू की गई टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है। नई बसों के बेड़े में 150 एसी बसें भी शामिल हैं। इन बसों को प्रदेश के सभी जिलों में मांग के अनुसार भेजा जाएगा। इसके लिए परिवहन निदेशालय द्वारा पहले ही सभी जिला डिपुओं से उनकी मांग पर रिपोर्ट ले ली गई है।

हरियाणा के परिवहन राज्य मंत्री असीम गोयल ने बताया कि इन बसों की खरीद के बाद विभाग जल्द 518 अन्य नई बसों की खरीद प्रक्रिया शुरू करेगा, जिनमें 500 एचवीएसी बसें लेने की योजना है। वर्तमान में परिवहन विभाग के पास 6 वोल्वो बसें, 12 मर्सिडीज, 153 एचवीएसी, तीन सीएनजी, 10 सेमी लो.फ्लोर बसें, 278 मिनी बसें, 3203 प्लेन बसें हैं। परिवहन विभाग के इस बेड़े में 1168 नई बसें शामिल हो जाएंगी। अभी परिवहन विभाग के बेड़े में कुल 4227 बसें हैं। इनमें 562 बसें किलोमीटर स्कीम के तहत शामिल हैं। सरकार द्वारा 1168 नई बसों

की खरीद करने के बाद परिवहन विभाग का बेड़ा 5,395 बसों वाला हो जाएगा। हरियाणा के यात्रियों की शिकायत पर अब परिवहन विभाग द्वारा बस अड्डों पर चल रहे शौचालयों की स्थिति में सुधार किया जाएगा। इसके तहत परिवहन विभाग सबसे पहले प्रदेश के 6 जिलों में सटे मुख्य बस स्टैंड के शौचालयों को सुधारेगा। उससे भी पहले इन बस स्टैंड के शौचालयों का निरीक्षण किया जाएगा, जिसके लिए मुख्यालय स्तर पर अधिकारियों की टीम का गठन किया गया है, जो जिला स्तर पर टीम के साथ मिलकर कमियों का पता लगाएगी। हरियाणा परिवहन विभाग की ओर से एक निजी कंपनी को अनुबंधित किया गया है,जो शौचालयों का रख-रखाव करेगी।

कार्यों की प्रगति का मापदंड है आकलन प्रपत्र : कपूर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस में कार्यरत प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी की कार्यक्षमता बढ़ाने व कार्यों के मापदंड को निर्धारित करने के लिए तैयार किए गए आकलन प्रपत्र के सार्थक परिणाम आने लगे हैं। पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के नेतृत्व में इस आकलन प्रपत्र के आधार पर हरियाणा पुलिस में कार्यरत प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी का रिपोर्ट कार्ड तैयार किया गया है। इससे अच्छा काम करने वाले पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ रहा है और अन्य पुलिसकर्मी अच्छा काम करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

इसी कड़ी में पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने नारनौल पुलिस जिला का दौरा किया और वहां वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में उप पुलिस अधीक्षकों, निरीक्षकों एवं प्रबंधक अफसरों की परफोरमेंस को लेकर ग्रेडिंग की। पुलिस महानिदेशक द्वारा स्वयं 14 जिलों का दौरा करते हुए पुलिस अधिकारियों की परफोरमेंस को रिव्यू किया गया हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक संजय कुमार द्वारा 9 जिलों (डबवाली पुलिस जिला मिलाकर) तथा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रोहतक रेंज केके राव द्वारा चरखी दादरी जिला को विजिट किया गया। फील्ड विजिट के दौरान कपूर के साथ संबंधित रेंज के पुलिस महानिरीक्षक, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस आयुक्त, पुलिस अधीक्षक भी उपस्थित रहे।

पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर द्वारा लगभग नौ महीने पहले पुलिस विभाग में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के आकलन को लेकर आंकलन प्रपत्र (एसेसमेंट प्रोफॉर्मा) तैयार करते हुए उन्हें वितरित किया गया था। उन्होंने बताया कि हरियाणा पुलिस की अलग-2 यूनिट जैसे-सीआईए, क्राइम यूनिट, साइबर यूनिट, अनुसंधान अधिकारियों, महिला पुलिस थानों, एसएचओ सहित अन्य यूनिट के कार्यों को परिभाषित करते हुए मुख्य निष्पादन संकेतक तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि आकलन प्रपत्र को तैयार करते समय प्रत्येक अधिकारी अथवा कर्मचारी के उत्तरदायित्वों का बारीकी से अध्ययन करते हुए इन्हें बिंदुवार परिभाषित किया गया है। प्रत्येक पुलिस अधिकारी अथवा कर्मचारी इस प्रपत्र में वर्णित बिंदु अनुसार काम करते हुए खुद को नंबर देते हैं। जो पुलिसकर्मी निर्धारित मापदंडो के अनुसार कार्य नहीं करते, उनके लिए आकलन प्रपत्र में नेगेटिव मार्किंग का भी प्रावधान किया गया है। आकलन प्रपत्र में पुलिसकर्मी को समग्र आकलन के आधार पर 10 नंबर संबंधित पुलिस प्रमुख द्वारा अलग से दिए जाने का प्रावधान भी किया गया है। नंबर पुलिसकर्मी की योग्यता, ईमानदारी तथा अनुशासन के आधार पर दिए जाते हैं।

पुलिस महानिदेशक द्वारा अब तक फरीदाबाद, झज्जर, पंचकूला, गुरूग्राम, सोनीपत, अंबाला, कुरूक्षेत्र, हिसार, जींद, हांसी, कैथल, पानीपत, रोहतक तथा नारनौल पुलिस जिला का दौरा करते हुए पुलिस अधिकारियों तथा कर्मचारियों के परफोरमेंस को रिव्यू किया जा चुका हैं।

भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को विश्व में फैला रही हैं ब्रह्माकुमारीजः भूपेंद्र यादव

वैश्विक संस्कृति प्रेम-शांति-सद्भावना अभियान का राज्य स्तरीय शुभारम्भ

एजेंसी

गुरुग्राम। केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्था विश्व में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को फैलाने का सराहनीय कार्य कर रही है। ब्रह्माकुमारी बहनें विश्व के हर कोने में प्रेम-शांति-सद्भावना की प्रेरणा दे रही हैं।

यह बात उन्होंने बोहड़ाकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में राज्य स्तरीय वैश्विक प्रेम-शांति-सद्भावना अभियान शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने कहा कि शांति वास्तव में मन को दुखों से निवृत करने का नाम है। शांति अंतर से आती है, बाहर से नहीं। नैतिक मूल्यों के अनुपालन से ही सच्ची शांति आती है। परनिंदा, हिंसा, लोभ एवं स्वार्थ के त्याग से ही शांति की अनुभूति होती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रेम-शांति-सद्भावना के भावों को कला एवं संस्कृति के माध्यम से सहजता से जगाया जा सकता है। ब्रह्माकुमारीज संस्था ये कार्य बखूबी कर रही है।निफा के अध्यक्ष प्रीतपाल

सिंह पन्नू ने कहा कि शांति की शुरुआत मन से होती है। उन्होंने कहा कि शांति का अनुभव करने के लिए अहंकार और व्यर्थ की इच्छाओं को समाप्त करने की जरूरत है। पन्नू ने कहा कि निफा के सदस्य ब्रह्माकुमारीज संस्था के साथ मिलकर सहयोग के लिए तैयार हैं। ताकि बेहतर ढंग से मूल्यों के प्रति समाज के हर व्यक्ति को जागृत किया जाए। संस्था के कला एवं संस्कृति प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी बीके चंद्रिका दीदी ने कहा कि अभियान की शुरुआत अलग-अलग राज्य स्तर पर हो रही है। इसका प्रमुख उद्देश्य मानव को उसकी मूल संस्कृति प्रेम, शांति और सद्भावना का अहसास कराना है। 18 फरवरी 2024 को सबसे पहले गुजरात से माननीय राज्यपाल आचार्य देवव्रत द्वारा अभियान की शुरुआत की गई।

ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने कहा कि प्रेम प्रकृति, आत्मा और परमात्मा की वो भाषा है, जो इनके बीच में बेहतर सामंजस्य स्थापित करती है। प्रेम का अर्थ है देना। जितना हम देने का लक्ष्य रखते हैं, उतना संबंधों में मधुरता बनी रहती है। एक-दूसरे को स्वीकार करने से ही सम्मान की भावना बनी रहती है। एक-दूसरे के प्रति शुभ भावना रखना ही सद्भावना है। बीके सुनैना ने राजयोग के अभ्यास द्वारा शांति की अनुभूति कराई। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज द्वारा एक गीत की भी लॉन्चिंग की गई। जिसे बीके चांद बजाज ने गाया। कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा नैतिक मूल्यों पर आधारित सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जिसमें गीत, नृत्य और नाटक के माध्यम से प्रेम-शांति-सद्भावना को प्रदर्शित किया गया।

प्रदेशभर में 26 हजार से ज्याद शिक्षकों के पद खाली, नूंह में शिक्षकों की भर्ती करेगी सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने नूंह जिले में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से शिक्षकों की भर्ती करने का फैसला किया है। प्रदेश में इस समय अध्यापकों के करीब 26 हजार पद रिक्त पड़े हुए हैं। नूंह में एचकेआरएन के जरिये प्राइमरी टीचरों की भर्तियां की जाएंगी। पिछले दिनों भी एचकेआरएन के जरिये शिक्षकों की भर्ती की गई थी,लोकसभा चुनावों के चलते आदर्श आचार संहिता लगने से शिक्षकों को नियुक्ति नहीं मिल पाई थी,अब शिक्षकों को नियुक्ति देने का काम जारी है।

शिक्षा निदेशालय की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार एचकेआरएन के जरिये 9 हजार शिक्षकों की भर्ती का लक्ष्य रखा गया है। जिसके चलते नूंह में प्राइमरी टीचर की भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई है। आगामी 28 जून तक आवेदन का मौका दिया गया है।

हरियाणा कौशल रोजगार निगम ने 10 कैटेगिरी में भर्ती प्रक्रिया शुरू की है। इनमें नूंह के लिए लिए प्राइमरी टीचर के अलावा अंबाला, चंडीगढ़, पंचकूला, रोहतक और गुरुग्राम के लिए अकाउंटेंट, भिवानी व फरीदाबाद के लिए असिस्टेंट अकाउंटेंट, पंचकूला के लिए

असिस्टेंट जनरल मैनेजर अकाउंटेंस, फरीदाबाद के लिए जूनियर प्रोजेक्ट असिस्टेंट, अंबाला, चंडीगढ़, फरीदाबाद, कैथल, पंचकूला व सोनीपत के लिए लीग असिस्टेंट, पलवल के लिए प्रोग्रामर, करनाल के लिए शिफ्ट अटडेंट, चंडीगढ़ व पंचकला के लिए सुपरवाइजर आईटी व टेक्नीकल असिस्टेंट के पदों पर 28 जून तक आवेदन का मौका है।

हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत कार्यरत कर्मी अब अपने गृह जिले में जा सकेंगे। कौशल रोजगार निगम की ओर से गृह जिले में जाने के लिए रविवार से एचकेआरएन की ओर से लिंक को खोल दिया है। कर्मी संबंधित लिंक पर गृह जिले में जाने की रिक्वेस्ट अपलोड कर सकते हैं। हालांकि एचकेआरएन की ओर से गृह जिले में रिक्त पद और डिमांड के आधार पर फैसला लिया जाएगा।

डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन प्रेरणादायकः निश्चल चौधरी

एजेंसी

यमुनानगर। एक निशान-एक विधान-एक प्रधान के प्रणेता, भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं राष्ट्रीय एकता अखंडता को अक्षुण रखने हेतु सर्वोच्च बलिदान देने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर सेक्टर-17 हुड्डा के शक्ति केंद्र पर सामुदायिक भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान भाजयुमो जिला अध्यक्ष निश्चल चौधरी और भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद किया और उनको श्रद्धांजलि अर्पित की।

Name Change

I, hitherto known as PURAN CHAND S/o AMICHAND residing at Biharipur(91), Dehlawas, Gulabpur, Rewari, Haryana – 123401 have changed my name and shall here-after be known as PARTH ADVAIT.

Name Change

I, SUNIL GOYAL S/o KISHOR KUMAR, R/o Halu Bazar Modan Gali, Near Nandram Katla, Bhiwani, Haryana-127021 have changed the name of my minor son RINKU KUMAR aged 17 years and he shall hereafter be known as MUDIT GOYAL.

राजस्व विभाग की लापरवाही से हजारों किसान मुआवजे से वंचितः जसवीर सिंह जस्सा

एजेंसी

सिरसा। राजस्व विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण जिले के हजारों किसानों को मुआवजा न मिलने की चपत लगी है, जिसके लिए दोषी अधिकारियों को दंडित किया जाना आवश्यक है। इंडियन नेशनल लोकदल की प्रदेश कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य जसवीर सिंह जस्सा ने बयान जारी कहा कि राज्य सरकार ने जिले के हजारों किसानों की वर्ष 2020 में खरीफ की फसल प्राकृतिक आपदा के चलते पूरी तरह खराब हो गई थी।

उसी के मुआवजा स्वरूप सरकार ने प्रभावित किसानों की मदद के लिए 65 करोड़, 9 लाख, 81 हजार 353 रुपए की आर्थिक सहायता भेजी थी मगर राजस्व विभाग के अधिकारियों ने चंद किसानों के खातों का मिलान न होने के चलते सभी किसानों को इस मुआवजा राशि से वंचित कर दिया। इनेलो नेता जस्सा ने कहा कि हजारों किसानों में से यदि चंद किसानों के खातों का मिलान नहीं हो रहा था तो अन्य किसानों को किस बात की सजा दी गई? उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों की लापरवाही इस कदर प्रभावित किसानों के लिए घातक साबित हुई कि मुआवजा राशि का प्रभावित किसानों के बीच आवंटन न होने के कारण राज्य सरकार ने यह राशि अपने खाते में वापिस मंगवा ली जिसके कारण पहले से आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे किसानों की कमर टूट गई। इनेलो नेता जसवीर सिंह जस्सा ने राज्य सरकार से मांग की कि वे इस मामले में राजस्व विभाग के दोषी अधिकारियों की पहचान कर उन्हें विभागीय स्तर पर दंडित करें और पुनः मुआवजा राशि जारी कर प्रभावित किसानों को लाभान्वित करे।

खाद्य तेल में मिलाजुला रुख; चना और चना दाल सस्ती

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों की गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल में मिलाजुला रुख रहा जबकि चना और दाल चना सस्ती हो गई वहीं अन्य

जिंसों के भाव स्थिर रहे। तेल-तिलहनः वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा सप्ताहांत पर 64 रिंगिट गिरकर 3927 रिंगिट प्रति टन हो गया। इसी तरह जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.11 सेंट की गिरावट के साथ 43.66 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

राज्यों को मुआवजा देने को लिए गए कर्ज को समय से पहले चुका सकता है केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार माल एवं सेवा कर (जीएसटी) क्षतिपूर्ति के तहत राज्यों को मुआवजा देने को लिए गए कर्ज का समय से पहले भुगतान कर सकती है। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र ने वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 में जीएसटी राजस्व क्षतिपूर्ति के लिए राज्यों को मुआवजा देने को 2.69 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। उन्होंने बताया कि कर्ज को तय समय से चार महीने पहले नवंबर, 2025 तक चुकाया जा सकता है। बाजार से लिए गए कर्ज का पूरा भुगतान मार्च, 2026 तक किया जाना था। अधिकारी ने कहा कि अगस्त में जीएसटी परिषद की अगली बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा होने की उम्मीद है। माल और सेवा कर लागू होने के बाद राज्यों के राजस्व की कमी को पूरा करने के लिए मुआवजा उपकर को शुरू में पांच साल के लिए लाया गया था। क्षतिपूर्ति उपकर जून, 2022 में खत्म हो गया, लेकिन लेवी के जरिये जमा की गई राशि का उपयोग केंद्र द्वारा कोविड-19 के दौरान उधार लिए गए 2.69 लाख करोड़ रुपये के ब्याज और मूलधन को चुकाने के लिए किया जा रहा है। जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक में शनिवार को कर्नाटक ने क्षतिपूर्ति उपकर लगाने, ऋण राशि के पुनर्भुगतान और आगे की व्यवस्था से जुड़ा मुद्दा उठाया था। अधिकारी ने कहा कि राज्यों को बता दिया गया है कि ऋण राशि का भुगतान जल्दी किया जा सकता है। मार्च, 2026 के बजाय नवंबर, 2025 तक ऐसा हो सकता है। इसलिए नवंबर, 2025 से आगे उपकर राशि का बंटवारा कैसे किया जाएगा, इस सब पर अगली परिषद की बैठक में चर्चा की जाएगी।

हिमाचल सरकार ने खरीफ फसल के लिए 9.70 लाख टन उत्पादन का लक्ष्य रखा

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के कृषि विभाग ने इस सत्र में खरीफ फसल उत्पादन का लक्ष्य लगभग 9.70 लाख टन रखा है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, 'कृषि विभाग ने खरीफ सत्र में 368 लाख हेक्टेयर खेती योग्य भूमि पर मक्का, धान, रागी, दलहन व अन्य खाद्यान्नों की बुवाई का लक्ष्य रखा है।' उन्होंने कहा कि खरीफ सत्र में मक्का की बुवाई का लक्ष्य सबसे ज्यादा 272 लाख हेक्टेयर रखा गया है। इसी तरह धान की बुवाई 73 हजार हेक्टेयर, दलहन की बुवाई 18 हजार हेक्टेयर और रागी जैसे खाद्यान्नों की बुवाई 12,700 हेक्टेयर में होनी है। इसके अलावा 87 हजार हेक्टेयर में सब्जियां और तीन हजार हेक्टेयर में अदरक की खेती का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन 19 जून तक समय पर बारिश नहीं होने से प्रदेश में बुवाई धीमी रही है। हिमाचल में अधिकांश खेती बारिश पर निर्भर है लेकिन हर साल खरीफ सत्र में कृषि विभाग द्वारा खाद्यान्न और सब्जियों के उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया जाता है। इस बार विभाग ने खरीफ सत्र में 9.70 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य रखा है।

भारत के समर्थन से श्रीलंका दो साल के आर्थिक संकट से निकल आया : राष्ट्रपति विक्रमसिंघे

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने शनिवार को कहा कि श्रीलंका आर्थिक संकट के दो कठिन वर्षों से उबर पाया है और यह भारत से मिले 3.5 अरब डॉलर के वित्तीय सहयोग के कारण संभव हो पाया है। विक्रमसिंघे ने भारत के साथ मजबूत साझेदारी बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। कोलंबो में 20-22 जून तक आयोजित 31वीं अखिल भारतीय साझेदार बैठक को संबोधित करते हुए विक्रमसिंघे ने कहा कि नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए अपनी पिछली भारत यात्रा के दौरान उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ साझेदारी के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा, 'दो मुश्किल वर्षों से गुजरने के बाद, मुझे यह स्वीकार करना होगा कि यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि भारत ने हमें 3.5 अरब डॉलर का ऋण दिया था। वह सब चुका दिया जाएगा।' विक्रमसिंघे ने कहा कि पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा उन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है जिस पर दोनों देश संयुक्त रूप से काम करेंगे।

कैट ने कहा, जीएसटी में राहत एक बड़ा सकारात्मक कदम, व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी

नई दिल्ली। कारोबारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में की गई महत्वपूर्ण घोषणाएं केंद्र सरकार और जीएसटी काउंसिल का व्यापार करने में आसानी प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा सकारात्मक कदम है। यानी आसानी प्रदान करने से व्यापार को और बढ़ावा मिलेगा।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री और भाजपा सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि जीएसटी काउंसिल में किए गए महत्वपूर्ण घोषणाएं केंद्र सरकार और जीएसटी काउंसिल का व्यापार करने में आसानी प्रदान करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि जीएसटी कराधान को और अधिक सरल और तर्कसंगत बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन राहतों से व्यापारियों को भारी वित्तीय बोझ से मुक्ति मिलेगी। खंडेलवाल ने कहा

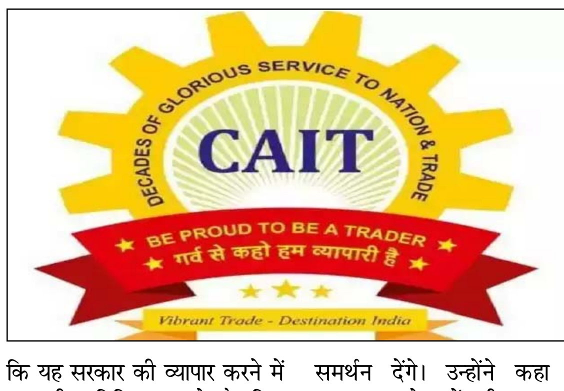

कि यह सरकार की व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करने के लिए अधिक से अधिक कदम उठाने की सोच को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ब्याज और पेनाल्टी में छूट, इनपुट टैक्स क्रेडिट की समय-सीमा का विस्तार और मुकदमेबाजी और पूर्व-डिपॉजिट आवश्यकताओं में कमी से करदाताओं को बहुत जरूरी राहत मिलेगी। ये उपाय अनुपालन को बढ़ावा देंगे और व्यापारिक समुदाय, विशेष रूप से एमएसएमई को समर्थन देंगे। उन्होंने कहा कि आवश्यक सेवाओं की लागत को कम करने और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त छूट और सिफारिशें आर्थिक वृद्धि और करदाता समर्थन के प्रति एक संतुलित और विचारशील दृष्टिकोण को दर्शाती हैं। कैट महामंत्री ने कहा कि देशभर के एमएसएमई और व्यापारी उच्च मांगों के मामलों में अपील के लिए नहीं जा सके, क्योंकि अपील दायर करने से पहले पूर्व-डिपॉजिट की अनिवार्य आवश्यकता थी। जीएसटी काउंसिल ने अब जीएसटी के तहत अपील दायर करने के लिए आवश्यक पूर्व-डिपॉजिट की मात्रा को कम करने की सिफारिश की है। यह करदाताओं को महत्वपूर्ण वित्तीय राहत प्रदान करेगा और किसी भी अनिश्चितता को समाप्त करेगा। उन्होंने कहा कि जीएसटी काउंसिल ने एक जुलाई, 2017 से अधिकृत संचालन के लिए एसईजेड इकाई/डेवलपर द्वारा आयात पर लगाए गए मुआवजा उपकर को छूट देने की सिफारिश की है। इससे एसईजेड उत्पाद लागत-प्रतिस्पर्धी बनेंगे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में 53वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में जीएसटी दरों में बदलाव एवं छूट देने के साथ ही कारोबारियों को भी कुछ राहत प्रदान की गई है।

एआई कुछ निश्चित भूमिकाओं को समाप्त कर देगी, लेकिन उससे अधिक नौकरियां पैदा होंगी : Deloitte

एजेंसी

नई दिल्ली। कृत्रिम मेधा (एआई) जहां कुछ निश्चित भूमिकाओं को खत्म कर देगी वहीं उससे ज्यादा नई नौकरियां पैदा कर देगी। डेलॉयट के एआई कार्यकारी रोहित टंडन ने कहा कि भविष्य एआई-मानव के सहयोग का है, ना कि एआई मानवों की जगह ले लेगी। टंडन ने कहा कि वह एक क्रांतिकारी युग की कल्पना करते हैं, जहां प्रौद्योगिकी कार्यबल को प्रतिस्थापित करने के बजाय उसे सशक्त बनाएगी। डेलॉयट एलएलपी के एआई खंड के प्रबंध निदेशक टंडन ने पीटीआई-से बातचीत में कहा कि एआई नौकरियां नहीं छीनेगी, बल्कि कुछ आसान नौकरियों को खत्म कर देगी, तथा नई भूमिकाएं सृजित करेगी।

उन्होंने कहा, 'एआई लोगों की जगह ले लेगी... ऐसा नहीं होगा। आपको अभी भी इंसानों की जरूरत है। टंडन ने कहा कि जब आईटी, प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर परिदृश्य में आए तो नौकरियों के खत्म हो जाने का ऐसा ही डर था। उन्होंने कहा, 'लेकिन जरा देखिए कि आईटी की वजह से दुनियाभर में कितनी नौकरियां पैदा हुई हैं। यही बात एआई के साथ भी होने जा रही है।

यह सर्वव्यापी होने जा रहा है, ठीक वैसे ही जैसे आज है, जैसे आपके पास आज के सबसे बड़े सुपरकंप्यूटर आपके फोन पर उपलब्ध हैं, कुछ सबसे शक्तिशाली एआई एल्गोरिदम आपके पर्स में, आपके बटुए में, आपकी जेब में होंगे।' टंडन ने कहा, 'यह ऐसी चीज होगी जिसके बारे में हम बात करें या न करें, यह हमारे जीवन का एक हिस्सा बन जाएगी।' उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब कोई नई तकनीक आई है और उससे नौकरियां जाने का खतरा पैदा हुआ है।

एनसीआर में अपना घर या व्यापारिक संस्थान बनाने का सपना जल्द होगा पूरा

एजेंसी

गाजियाबाद। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में अपना घर या व्यापारिक संस्थान बनाने का सपना देखने वालों के लिए अच्छी खबर है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) आगामी जुलाई महीने में अपनी विभिन्न आवासीय व व्यावसायिक योजनाओं में खाली संपत्तियों को नीलामी के जरिए बेचने की योजना बना रहा है। इसके लिए तैयारी पूरी हो चुकी है। जुलाई के दूसरे सप्ताह में नालामी शुरू हो जाएगी। नीलामी लोहिया नगर स्थित हिंदी भवन में आयोजित की जाएगी। इस नीलामी से गाजियाबाद में जहां लोगों का अपना घर बनाने का सपना पूरा हो सकेगा वहीं रियल एस्टेट सेक्टर को नए पंख लगने की उम्मीद है। यह क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह ने मीडियाकर्मियों से कहा कि नीलामी में डेढ़ सौ से अधिक आवासीय भवन अथवा भूखंड, एक सौ ज्यादा व्यावसायिक और कई औद्योगिक भूखंड सम्मिलित किए गए हैं। इसके अलावा 12 ग्रुप हाउसिंग प्लॉट, कन्वीनिएंट शॉपिंग भूखंड, सामुदायिक केंद्र, अस्पताल और

दुकानें को भी नीलामी के जरिए बेचा जाएगा। इसमें खास बात यह है कि इनमें 2 हजार वर्ग मीटर से बड़े प्लॉट भी सम्मिलित किए गए हैं जो बड़े निवेशकों और उद्योगपतियों के लिए आकर्षक हो सकते हैं। इसके पीछे जीडीए का उद्देश्य न केवल लोगों को घर बनाने के सपने को पूरा करना है बल्कि गाजियाबाद में व्यावसायिक और औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा देना है।

जीडीए अधिकारियों का कहना है कि नीलामी में शामिल प्लॉट गाजियाबाद की कई प्रमुख योजनाओं मधुबन बापूधाम, गोविंदपुरम, नंदग्राम, इंदिरापुरम, इंद्रप्रस्थ, तुलसी निकेतन, कौशांबी, कोयल एंक्लेव, वैशाली, कर्पूरीपुरम, स्वर्णजयंतीपुरम और प्रताप विहार शामिल हैं। सभी उपलब्ध प्लॉटों की विस्तृत जानकारी प्राधिकरण की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी। खरीदार वेबसाइट पर जाकर सम्पत्ति की विस्तृत जानकारी हासिल कर आवेदन कर फिर नीलामी प्रक्रिया में भाग लेकर अपनी मनपसंद सम्पत्ति खरीद सकते हैं।

पानीपत के हैंडलूम निर्यात में 50 फीसदी की गिरावट, 16 हजार करोड़ पर आया कारोबार

एजेंसी

पानीपत। विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक हैंडलूम नगरी पानीपत का हैंडलूम निर्यात उद्योग जहां चार वर्ष से मंदी की मार झेल रहा है, वहीं अब इस उद्योग को सरकारी प्रोत्साहन की दरकार है। यह उद्योग इस समय अंतिम सांसें ले रहा है। पानीपत से यूरोप के करीब 20 देशों में हैंडलूम के सामान का निर्यात होता है, जिसमें मुख्य रूप से होम टेक्सटाइल, होम डेकोर के अंतर्गत आने वाले सामान जैसे- कारपेट, दरी, बाथ मैट, कार्टन, कुशन, बेड कवर, किचन टेक्सटाइल, कंबल, थ्रीडी बेडशीट सहित अनेक समान यूके, यूएस, हंगरी, तुर्की, इटली, फ्रांस, रूस, यूक्रेन, स्विटजरलैंड, स्पेन, स्वीडन, पोलैंड, रोमानिया पुर्तगाल, यूनान, डेनमार्क, साइप्रस, बेल्जियम, बुलगारिया, फिनलैंड सहित अन्य देशों को भी निर्यात होता है। वर्ष 2020 में लॉकडाउन से पहले पानीपत का निर्यात करीब 32 हजार करोड़ रुपये था जो लॉकडाउन के बाद घटकर 20 हजार करोड़ पर आ गया। रही सही कसर रूस-यूक्रेन और इज़राइल- हमास की लड़ाई ने पूरी कर दी। वर्तमान में पानीपत का निर्यात घटकर सिर्फ 16 हजार करोड़ पर सिमट गया है, जो निर्यातकों की चिंता का विषय है। चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज पानीपत के अध्यक्ष विनोद धमीजा के मुताबिक पानीपत से सरकार को जीएसटी के द्वारा तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक टैक्स के रूप में जाता है। इनकम टैक्स अलग जाता है, बावजूद इसके पानीपत के उद्योग को सुविधा के नाम पर सिर्फ ठेंगा मिलता है। जब से पानीपत इंडस्ट्री को सरकार ने एनसीआर में लिया है तब से दिल्ली के कड़े कानून लागू कर दिए हैं। अब किसी भी फैक्टरी से निकलने वाले काले व पीले धुंए पर एक तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया और अब डीजल के उपयोग पर प्रतिबंध लगाकर छोटे उद्यमों की तो कमर ही तोड़ दी है, दिल्ली के कानून तो लागू कर दिए लेकिन राजधानी की सुविधाएं नहीं मिल रहीं हैं। क्योंकि बिजली जाने पर जनरेटर चलाना पड़ता और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सख्त निर्देश हैं कि कोई भी जनरेटर बिना ड्यूल फ्यूल किट लगाए नहीं चलना चाहिए, जबकि ड्यूल फ्यूल किट लगाने का खर्च जनरेटर की कुल लागत का 70त्न का खर्चा आता है। ऐसे में छोटा उद्यमी कहां से ड्यूल फ्यूल किट लगाएगा, क्योंकि बिजली के मुकाबले जनरेटर की बिजली महंगी पड़ती है। औद्योगिक क्षेत्र में सुविधा के नाम पर सड़कें टूटी, पानी की निकासी का कोई इंतजाम नहीं, बिजली पूरी नहीं मिलती जो छोटे उद्यमियों ने जो अन ऑथराइज्ड छेत्र में फैक्टरी लगाई हुई है जिसको सरकार ने पॉवर कनेक्शन, जीएसटी नंबर, पानी कनेक्शन, बिजली कनेक्शन दे रखा है और नगर निगम हाऊस टैक्स भी वसूलता है उसी फैक्टरी को नो ड्यूज सर्टिफिकेट नहीं मिलता। धमीजा ने सरकार से मांग की है कि अगर पानीपत उद्योग को बचाना है और ऐतिहासिक नगरी पानीपत को विश्व के मानचित्र पटल पर चमकाना है तो कुछ राहत देकर पानीपत उद्योग को राजधानी क्षेत्र दिल्ली से बाहर रखा जाए।

गिरिराज सिंह करेंगे अंतरराष्टीय परिधान मेले का मंगलवार को राजधानी में उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह 25 जून मंगलवार राजधानी के द्वारका में नवनिर्मित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में भारत अंतरराष्ट्रीय परिधान मेले के 71वें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। आयोजन तीन दिन चलेगा।

यह मेला अंतरराष्ट्रीय परिधान मेला संघ (आईजीएफए) द्वारा परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के सहयोग से भारत के तीन प्रमुख परिधान संघों अर्थात भारतीय वस्त्र निर्माता संघ (सीएमएआई), परिधान निर्यातक एवं विनिर्माण संघ (गेमा) और राजस्थान परिधान निर्यातक संघ (जेरा) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह दो दिन का मेला लगभग 18000 वर्ग मीटर क्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है। मेले के दौरान 350 से अधिक निर्यातक अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। पचास से अधिक देशों के विदेशी खरीदारों ने मेले के इस संस्करण के लिए अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। प्रतिभागी महिलाओं के वस्त्र, सहायक उपकरण, बच्चों के वस्त्र, निटवियर, मेन्सवियर और टिकाऊ/पुनर्नवीनीकृत वस्त्र प्रदर्शित करेंगे। ईआईजीएफ के 71वें संस्करण पर एईपीसी और आईजीएफए के अध्यक्ष सुधीर सेखरी ने कहा, 'भारत अंतरराष्ट्रीय परिधान मेले के 71वें संस्करण का आयोजन अपने आप में इस बात का प्रमाण है कि यह भारत से परिधान निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सबसे सफल रिवर्स बीएसएम (विदेशी खरीदारों को उल्टा विक्रेताओं के यहां बुलाने की रणनीति) में से एक है।'

उन्होंने कहा कि परिधान निर्यात में गिरावट रुक गई है और हमने मई 2024 के महीने में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। जैसा कि हम पिछले दो महीनों से दुनिया भर से मांग में उछाल देख रहे हैं, यह मेला हमें मांग में वृद्धि से उत्पन्न होने वाली क्षमता का दोहन करने का अवसर प्रदान करता है।

एईपीसी के महासचिव मिथिलेश्वर ठाकुर ने कहा, ' मेले का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम निर्यातकों को नवीनतम परिधान और फैशन सहायक उपकरण रुझानों तथा भारत की पेशकशों की रेंज और विविधता को दुनिया के बाकी हिस्सों में प्रदर्शित करने के लिए एक विपणन मंच प्रदान करना है।'

जयपुर रग्स का बाजार विविधीकरण ,जेआर फार्म्स प्लेटफार्म के माध्यम से जैविक कृषि उत्पाद बाजार में विस्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। वगलीचों का वैश्विक स्तर पर कारोबार करने वाली कंपनी जयपुर रग्स ने नयी पहल जेआर फार्म्स के जरिए कृषि व्यवसाय में कदम रखा है और आर्गैनिक फल सब्जियों के बाजार में विस्तार कर रही है। कंपनी के अनुसार उसकी यह पहल छोटे जोत वाले जैविक किसानों और उचित बाजारों के बीच की दूरी पाटने की पहल है। कंपनी के एक अधिकारी ने यूनीवार्ता से कहा, 'तीन साल में देश के शहरी बाजारों में हम जैविक खाद्य पदार्थों का एक विश्वसनीय स्रोत बनाना चाहते हैं और इस क्षेत्र में हम

प्रीमियम क्वालिटी और प्रमाणिकता का प्रतीक बनाना चाहते हैं।' अधिकारी ने कहा , 'जेआर फार्म्स जैविक अनाज, दलहनों और कोल्ड-प्रेस्ड- खाद्य तेल को भी अपने उत्पादों के पोर्टफोलिया में जोड़ रहा है।'

जीएसटी परिषद के नतीजों का बाजार पर रहेगा असर

एजेंसी

मुंबई। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर सरकार के खरीफ फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने से हुई लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह मजबूत रहे घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक के नतीजों का असर रहेगा।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 217.13 अंक अर्थात 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ सप्ताहांत पर 77209.90 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 35.5 अंक यानी 0.2 प्रतिशत चढ़कर 23501.10 अंक हो गया।

समीक्षाधीन सप्ताह में मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में मिलाजुला रूख रहा। बीएसई का मिडकैप जहां 91.69 अंक अर्थात 0.2 प्रतिशत गिरकर सप्ताहांत पर 45967.07 अंक रह गया। वहीं, स्मॉलकैप 736.54 अंक यानी 1.4 प्रतिशत आई छलांग लगाकर 51936.53 अंक पर पहुंच गया।

विश्लेषकों के अनुसार, चुनाव परिणामों को लेकर चिंता कम होने और वैश्विक धारणा में सुधार के कारण घरेलू बाजार में शुरुआत में तेजी का रुख जारी रहा। गठबंधन सरकार के अस्तित्व में आने के बाद आशा है कि आगामी बजट में विकास संबंधी पहलों और लोकलुभावन उपायों के बीच संतुलन स्थापित किया जाएगा।

इसके अलावा उपभोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा की जाने वाली कार्रवाई से भी काफी अपेक्षाएं हैं, जो कि ध्यान देने योग्य एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। केंद्र में सरकार गठन के बाद विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की नई रुचि सहित मजबूत संस्थागत प्रवाह ने बाजार की धारणा को और मजबूत किया है। हालांकि, मानसून की धीमी प्रगति की चिंता के कारण मुनाफावसूली शुरू हो गई। वहीं, उत्तर भारत में हीट वेव प्रमुख चिंता का विषय बनी हुई हैं।

वैश्विक मोर्चे पर इंगलैंड में महंगाई दर घटकर दो प्रतिशत पर आ जाने के बावजूद बैंक ऑफ इंगलैंड (बीओई) ने अपनी ब्याज दरें अपरिवर्तित रखने का विकल्प चुना, जिससे कुछ हद तक निराशा हुई। हालांकि, अब अगस्त में बीओई द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना बढ़ गई है। इसी तरह अमेरिका में बेरोजगारी दर में वृद्धि हुई है तथा कमजोर आवास आंकड़ों के कारण सितम्बर में ब्याज दरों में कटौती की संभावना 67 प्रतिशत बढ़ गई है। जीएसटी बैठक के परिणाम से अगले सप्ताह इससे संबंधित क्षेत्र में तेजी आ सकती है क्योंकि वस्त्र, उर्वरक और बैंकिंग सहित कुछ क्षेत्रों में जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने पर विचार किया जा सकता है। इसके अलावा पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में शामिल करने पर भी चर्चा की संभावना है। इस तरह अगले सप्ताह जीएसटी बैठक के नतीजों का बाजार पर असर रहेगा।

20 रुपये तक घट जाएंगी तेल की कीमतें; जीएसटी के दायरे में लाने पर विचार कर रही केंद्र सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा हुआ तो पेट्रोल और डीजल की कीमतों में करीब 20 रुपये तक की कमी आ सकती है। पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी में शामिल करने से न सिर्फ तेल कंपनियों को इनपुट पर चुकाए गए कर को कम करने में मदद मिलेगी, बल्कि देशभर में ईंधन पर टैक्स में एकरूपता आएगी। इसका मतलब है कि पूरे देश में पेट्रोल-डीजल लगभग एक ही कीमत पर उपलब्ध होंगे।

दरअसल, जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, केंद्र सरकार पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए तैयार है। अब राज्यों को इस बारे में फैसला लेना है और साथ मिलकर इसकी दरें तय करनी हैं। अगर जीएसटी दर पर सहमति बन जाती है और पेट्रोलियम

उत्पादों पर सर्वाधिक 28 फीसदी कर लगाया जाता है तो भी आम लोगों को पेट्रोल पर 19.71 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 12.83 रुपये प्रति लीटर की राहत मिलेगी। हालांकि, इससे सरकारों को कर के रूप में होने वाली कमाई पर असर पड़ सकता है।

दिल्ली में पेट्रोल 94.72 फीसदी प्रति लीटर बिक रहा है, जबकि डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है। इस आधार पर जीएसटी लगने के बाद दिल्ली में पेट्रोल की कीमत घटकर 75.01 रुपये और डीजल की 74.79 रुपये प्रति लीटर रह जाएगी।

एक लीटर पेट्रोल पर 35.29 रुपये का टैक्स

अगर आप दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल खरीदते हैं तो 94.72 रुपये चुकाते हैं। इसमें से कुल 35.29 रुपये कर लगता है, जिसमें 19.90 रुपये एक्साइज ड्यूटी और 15.39 रुपये वैट शामिल है। एक्साइज ड्यूटी केंद्र की झोली में जाता है, जबकि वैट राज्य सरकार वसूलती है। इसी प्रकार, 87.62 रुपये में एक लीटर डीजल खरीदने पर कुल 28.62 रुपये कर लगता है। इसमें एक्साइज ड्यूटी की हिस्सेदारी 15.80 रुपये और वैट की 12.82 रुपये है।

जीएसटी भुगतान से पहले जीएसटीआर-1 में संशोधन संभव : जीएसटी करदाताओं के पास अब मासिक या तिमाही करों के भुगतान से पहले बाहरी आपूर्ति या बिक्री रिटर्न फॉर्म जीएसटीआर-1 में संशोधन करने का विकल्प होगा। हालांकि, संबंधित कर अवधि के लिए जीएसटीआर-3बी में रिटर्न जमा करने से पहले जीएसटीआर-1ए दाखिल करना होगा। 53वीं बैठक में जीएसटी परिषद ने करदाताओं को कर अवधि के लिए फॉर्म जीएसटीआर-1 में विवरण संशोधित करने और अतिरिक्त जानकारी जोड़ने की सुविधा के लिए फॉर्म जीएसटीआर-1ए के जरिये एक नई वैकल्पिक सुविधा देने की सिफारिश की थी। इस कदम से कारोबार करने में आसानी होगी।

SBI की चालू वित्त वर्ष में 400 नई शाखाएं खोलने की योजना

नई दिल्ली। नेटवर्क विस्तार योजना के तहत भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) चालू वित्त वर्ष (2024-25) में देशभर में 400 नई शाखाएं खोलने की तैयारी कर रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने पिछले वित्त वर्ष में 137 शाखाएं खोली हैं। इनमें से 59 नई ग्रामीण शाखाएं हैं। एसबीआई के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा, ''किसी ने मुझसे पूछा कि 89 प्रतिशत डिजिटल और 98 प्रतिशत लेनदेन शाखा के बाहर हो रहे हैं, क्या अब शाखा की जरूरत है। मेरा जवाब हां है। यह अब भी जरूरी है क्योंकि नए

क्षेत्र उभर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि अधिकांश सलाहकार और संपदा सेवाएं केवल शाखाओं के जरिये दी जा सकती हैं। उन्होंने कहा, ''हम उन स्थानों की पहचान कर रहे हैं जहां संभावनाएं मौजूद हैं। उन स्थानों पर हमारी चालू वित्त वर्ष में 400 नई शाखाएं खोलने की योजना है।'' मार्च, 2024 तक एसबीआई की देशभर में 22,542 शाखाएं थीं। अनुषंगी कंपनियों के मौद्रीकरण के बारे में पूछे जाने पर खारा ने कहा कि एसबीआई उन्हें सूचीबद्ध करने से पहले उनके परिचालन को और बढ़ाएगा।

आम लोगों पर महंगाई की मार, Delhi NCR समेत इन शहरों में बढ़े सीएनजी के दाम

एजेंसी

पानीपत। घरेलू गैस आपूर्ति में कमी के कारण राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के शहरों में सीएनजी की कीमत में आज (22 जून) 1 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई। आईजीएल द्वारा अपनी वेबसाइट पर पोस्ट की गई जानकारी के अनुसार, सीएनजी की कीमत 74.09 रुपये से बढ़कर 75.09 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जबकि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में दर 78.70 रुपये से बढ़कर 79.70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। अन्य शहरी गैस आपूर्तिकर्ताओं ने अभी तक कीमतों में बदलाव नहीं किया है। इस महीने की शुरुआत में, भारतीय बायोगैस एसोसिएशन (आईबीए) ने पर्यावरणीय लाभों का हवाला देते हुए और क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार से तेल और गैस विपणन कंपनियों द्वारा बायोगैस की खरीद के लिए 90 रुपये प्रति किलोग्राम की निश्चित दर की मांग की थी। आईबीए जल्द ही इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए अन्य सिफारिशों के साथ बायोगैस की खरीद मूल्य तय करने के बारे में सुझाव नवनियुक्त केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी के समक्ष रखेगा।

बदलते मौसम में बढ़ जाता है सर्दी-जुकाम और बुखार का खतरा, इन 6 चीजों से बढ़ाए´ Immunity

मौसम बदलने के साथ ही सर्दी-जुकाम के मामले बढ़ने लगते हैं। बच्चों में तो फ्लू का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। इसलिए जब मॉनसून दस्तक देने की कगार पर है तो आपको अपनी और अपने परिवार की इम्युनिटी को मजबूत बनाने पर ध्यान देना चाहिए। डाइट में कुछ फूड्स (Foods for Immunity) को शामिल करके आप अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं। आइए जानें।

तेज गर्मी के बाद बारिश की फुहार से लोगों को राहत तो मिलती है, लेकिन यूं मौसम में अचानक बदलाव की वजह से सर्दी-जुकाम और बुखार का खतरा बढ़ जाता है। बदलते मौसम का यह प्रभाव मॉनसून में खूब देखने को मिलता है। कमजोर इम्युनिटी (Immunity) की वजह से यह समस्या और गंभीर हो सकती है।

इसलिए अगर आप अपने इम्यून सिस्टम (Immune System) को मजबूत बनाना चाहते हैं ,तो आपको अपनी डाइट में कुछ ऐसे फूड आइटम्स को शामिल करना चाहिए, जिनसे इम्युनिटी बढ़ाने में मदद मिले और सीजनल इन्फेक्शन से बचाव में मदद मिल सके। इस आर्टिकल में हम आपको ऐसे ही कुछ फूड्स (Foods to boost Immunity) के बारे में बताने वाले हैं। आइए जानें।

लहसुन

लहसुन में एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं, जो बीमारियों ले लड़ने में मदद करते हैं। क्लीवलैंड क्लीनिक के मुताबिक, लहसुन में एलिन भी पाया जाता है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। साथ ही, एंटीइंफ्लामेटरी गुणों की वजह से यह सूजन को कम करता है, जो इम्यून सिस्टम के लिए फायदेमंद होता है।

फैटी फिश

साल्मन, टूना, मैकरेल जैसी मछलियों में ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो दिल के लिए फायदेमंद होता है और साथ ही, इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है। ये ऑटो इम्यून डिजीज, जैसे रूमाटॉइड आर्थराइटिस के लक्षणों को कम करने में भी मदद करते हैं।

ब्रोकली

ब्रोकली में कई एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन सी पाए जाते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इनके अलावा, इसमें विटामिन ए और ई भी पाए जाते हैं, जो इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करते हैं। इसलिए अगर आप भी ब्रोकली को देखकर मुंह सिकोड़ते हैं, तो यह जान लें कि यह कैसे आपकी इम्युनिटी के लिए फायदेमंद हो सकता है।

दही

दही में प्रोबायोटिक्स पाए जाते हैं, जो हमारी गट हेल्थ के लिए फायदेमंद होते हैं। इनसे गट माइक्रोबायोम बेहतर बनता है और गुड बैक्टीरियाज की संख्या बढ़ती है। क्लीवलैंड क्लीनिक के मुताबिक, गट हेल्थ और इम्यून सिस्टम आपस में जुड़े होते हैं। इसलिए हेल्दी गट यानी हेल्दी इम्यून सिस्टम। इसलिए दही को अपनी डाइट में शामिल करें।

पालक

पालक में विटामिन ए, सी और ई पाए जाते हैं। ये इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। साथ ही, इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करते हैं, जिससे सेल डैमेज काफी कम मात्रा में होता है। इससे इम्युनिटी बढ़ाने में मदद मिलती है।

पूंजीवादी व्यवस्था में उत्पन्न होने वाले खतरों को डॉ हेडगेवार ने पहचान लिया था

पूंजीवाद के सिद्धांतों का अनुपालन करने वाले कुछ देशों, विशेष रूप से अमेरिका के विकसित देश हो जाने के पश्चात, ने भी बाद के समय में साम्राज्यवाद का चोला पहिन लिया था। इन पूंजीवादी देशों ने छोटे छोटे गरीब देशों के संसाधनों पर व्यापार के माध्यम से अपना हक जताना प्रारम्भ कर दिया था।

आज पूरे विश्व में पूंजीवाद की तूती बोल रही है। लगभग समस्त देश अपनी अर्थव्यवस्थाओं को पूंजीवाद के सिद्धांत के आधार पर चला रहे हैं। मुक्त बाजार अथवा मुक्त उद्यम प्रणाली पूंजीवाद का दूसरा नाम है, जो उत्पादक संसाधनों पर निजी स्वामित्व के हक को मानते हुए देश में आर्थिक विकास को गति देने की नीति को अपनाती है। पूंजीवादी सिद्धांत के जनक कहे जाने वाले एडम स्मिथ का कहना था कि अर्थव्यवस्था में अधिक से अधिक धनकुबेर पैदा होने चाहिए, इससे अंततः वह देश विकसित देश की श्रेणी में शामिल हो सकता है। अतः देश में धनकुबेर पैदा करने में शासन द्वारा आर्थिक नीतियों को उद्योगपतियों के हित में बनाया जाना चाहिए। इस सम्बंध में एडम स्मिथ ने ÷वेल्थ आफ नेशन÷ नामक सिद्धांत भी प्रतिपादित किया था, जिसमें यह कहा गया था कि बाजार को चलाने में किसी अदृश्य शक्ति की भूमिका होती है। इस अदृश्य शक्ति में शासन की नीतियों को भी शामिल किया जा सकता है। पूंजीवादी सिद्धांत पर आधारित आर्थिक नीतियों को अमेरिका में बहुत उत्साहपूर्वक लागू किया गया था। 1950 के दशक के बाद अमेरिका में इन सिद्धांतों के अनुपालन के पश्चात अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विकास दर बहुत तेजी से आगे बढ़ी और शीघ्र ही अमेरिका विकसित देशों की श्रेणी में शामिल हो गया था। हालांकि, इस आर्थिक विकास के परिणामस्वरूप देश में आर्थिक असमानता भी उतनी ही तेज गति से बढ़ती है क्योंकि देश में आर्थिक नीतियों को एक वर्ग विशेष को आगे बढ़ाने की दृष्टि से विकसित किया जाता है, इससे अमीर और अधिक अमीर होते चले जाते हैं एवं गरीब और अधिक गरीब होते चले जाते हैं ।

विश्व में साम्राज्यवाद का सिद्धांत सबसे पुराना माना जाता है। शक्ति एवं प्रभुत्व बढ़ाने की राज्य की नीति मानी जाती रही है और इसकी समय समय पर वकालत भी की जाती रही है। कुछ क्षेत्रों पर प्रत्यक्ष रूप से अधिग्रहण करके एवं कुछ क्षेत्रों पर राजनैतिक एवं आर्थिक नियंत्रण करके कुछ राज्य अपने वर्चस्व को बढ़ाते रहे हैं। ब्रिटिश शासन ने भी इसी सिद्धांत का अनुसरण करते हुए दुनिया के कई देशों पर अपना राज्य कायम कर लिया था। इस सिद्धांत के अनुपालन से भी जिन राज्यों पर सत्ता स्थापित की जाती है उन राज्यों के नागरिकों को दोयम दर्जे का नागरिक बना लिया जाता है और उनका शोषण किया जाता है। इस शासन प्रणाली में भी गरीब और अधिक गरीब हो जाते हैं और राज्य करने वाले देश के नागरिक शोषित राज्यों के संसाधनों का अति शोषण करते हुए इन्हें अपने हित में उपयोग करते हैं और वे स्वयं अमीर से और अधिक अमीर बनते चले जाते हैं। पूंजीवाद के सिद्धांतों का अनुपालन करने वाले कुछ देशों, विशेष रूप से अमेरिका के विकसित देश हो जाने के पश्चात, ने भी बाद के समय में साम्राज्यवाद का चोला पहिन लिया था। इन पूंजीवादी देशों ने छोटे छोटे गरीब देशों के संसाधनों पर व्यापार के माध्यम से अपना हक जताना प्रारम्भ कर दिया था। शोषण करने वालों के केवल नाम बदल गए थे, क्योंकि राज्यों के स्थान पर अब पूंजीपति इन देशों के नागरिकों एवं संसाधनों का शोषण करने लगे थे। एक तरह से पूंजीवाद स्वयं ही राजा बन बैठा। वैसे भी पूंजीवाद के सिद्धांतों के आधार पर चलने वाली अर्थव्यवस्था में येन केन प्रकारेण लाभ कमाना ही मुख्य लक्ष्य होता है, चाहे इसके लिए किसी वर्ग अथवा देश का शोषण ही क्यों न करना पड़े। एक आर्थिक प्रणाली के रूप में पूंजीवाद की उत्पत्ति 16वीं शताब्दी में मानी जा सकती है। इंग्लैंड में 16वीं से 18वीं शताब्दी तक, कपड़ा उद्योग जैसे बड़े उद्यमों के औद्योगिकीकरण ने एक ऐसी प्रणाली को जन्म दिया जिसमें उत्पादकता बढ़ाने के लिए संचित पूंजी का निवेश किया गया और उद्योगपतियों ने मजदूरों का शोषण प्रारम्भ कर अधिक लाभ अर्जित करना प्रारम्भ किया। इस प्रकार किसी एक व्यक्ति को पूंजीवाद का आविष्कार करने वाला नहीं कहा जा सकता है, क्योंकि पूर्ववर्ती पूंजीवादी प्रणालियां प्राचीन काल से ही अस्तित्व में थीं।चूंकि पूंजीवादी सिद्धांतों के अनुपालन में कुछ देश तेजी से विकास कर रहे थे एवं कुछ अन्य देशों का अति शोषण हो रहा था और पूंजीवाद एक तरह से विश्व के कई देशों में फैल रहा था अतः पूंजीवाद के साम्राज्यवाद के पद चिन्हों पर आगे बढ़ने के कारण डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने वर्ष 1920 में नागपुर में आहूत किए जाने वाले कांग्रेस के अधिवेशन में प्रस्ताव समिति के सामने एक प्रस्ताव रखने का प्रयास किया था। इस प्रस्ताव में दो विषयों का उल्लेख किया गया था। एक, कांग्रेस को यह वादा करना चाहिए कि वह अंग्रेजों से भारत की पूर्ण स्वतंत्रता के नीचे कुछ भी स्वीकार नहीं करेगी और दूसरे, पूरे विश्व को पूंजीवादी नीतियों से मुक्ति दिलायी जाएगी। परंतु, दुःख का विषय है कि उस समय के कांग्रेस के नेताओं ने डॉक्टर हेडगेवार के उक्त प्रस्ताव को प्रस्ताव समिति से आगे बढ़ने ही नहीं दिया एवं यह प्रस्ताव कांग्रेस अधिवेशन में भी प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इस प्रकार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूजनीय प्रथम संघचालक डॉक्टर हेडगेवार ने वर्ष 1920 के पूर्व ही पूंजीवाद से उत्पन्न होने वाले खतरों को पहचान लिया था तथा वे पूंजीवाद की आड़ में विश्व में फैल रहे साम्राज्यवादी नीतियों के भी घोर विरोधी थे। साम्राज्यवादी नीतियों के अंतर्गत कुछ पूंजीवादी देश, विश्व के अन्य गरीब देशों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे। ब्रिटेन ने भी भारत पर ईस्ट इंडिया कम्पनी के माध्यम से ही आधिपत्य स्थापित किया था। शुरुआती दौर में तो ब्रिटेन की ईस्ट इंडिया कम्पनी भी भारत में व्यापार करने के उद्देश्य से ही आई थी। परंतु, बाद का खंडकाल गवाह है कि किस प्रकार भारत के संसाधनों का ब्रिटेन के हित में उपयोग किया गया। अति तो तब हुई जब ब्रिटेन ने भारत के हथकरघा उद्योग को ही तबाह कर दिया। भारत में सस्ती दरों पर कपास खरीद कर वे ब्रिटेन ले जाने लगे एवं ब्रिटेन में कपड़ा मिलों की स्थापना की गई ताकि इस कच्चे माल (कपास) से कपड़ों का निर्माण किया जा सके एवं ब्रिटेन में रोजगार के अवसर निर्मित हो सकें। इस कपड़े को वापिस भारत में लाया जाकर भारतीय जनता को उच्च दरों पर बेचा जाने लगा। भारत से कच्चा माल (कपास) ले जाकर, भारत में ही ब्रिटेन में तैयार उत्पाद (कपड़ा) बेचा जाने लगा, अतः भारत को एक बाजार के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा था। पूंजीवाद के नाम पर इस प्रकार की व्यवस्था खड़ी की गई और ब्रिटेन ने स्पष्ट रूप से भारत को लूटा। एक अनुसंधान प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि अंग्रेजों ने भारत पर अपने शासनकाल के दौरान लगभग 45 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की खुली लूट की थी एवं यह धन वह ब्रिटेन में ले गए थे। उस खंडकाल में पूंजीवाद के नाम पर अपनी साम्राज्यवादी नीतियों को लागू कर विकसित देशों ने गरीब देशों पर न केवल अपना शासन स्थापित किया था बल्कि इन गरीब देशों को जमकर लूटा भी गया था। ब्रिटेन के बारे में तो यह भी कहा जाता है उन्होंने अपने साम्राज्य को विश्व के कई देशों में इस प्रकार फैला लिया था कि ब्रिटेन के साम्राज्य का 24 घंटे में कभी सूरज ही नहीं डूबता था।

संपादकीय

आदमयुगीन बर्बरता

यह अमानवीय कृत्य तार्किकता से परे है कि बेटियों को निर्ममता से इसलिये मार दिया जाए कि उन्होंने अपनी मर्जी के जीवनसाथी के साथ अपनी नई दुनिया बसाने का फैसला ले लिया है। निस्संदेह, मां-बाप बड़े अरमानों से जिगर के टुकड़े को पालते-पोसते हैं। उनके भविष्य व वैवाहिक जीवन को लेकर उनके भी सपने होते हैं। लेकिन जब 21वीं सदी में उम्मीदों के नये आकाश तलाशती बेटियों के कदम दैहिक आकर्षण व सुकोमल अहसासों के चलते मनमर्जी की दिशा में बढ़ने लगते हैं तो उसके लिये मरने-मिटने वाले परिजन क्रूरता से उसका जीवन खत्म कर देते हैं। निस्संदेह, सदियों पुरानी रूढ़ियों व जातीय ग्रंथियों वाला हमारे समाज का एक तबका पूर्वाग्रहों से मुक्त नहीं हो पा रहा है। उसके परिवारिक निर्णय आज भी समाज में लोकलाज और कथित शान के नजरिये से प्रभावित होते हैं। यह समझ से परे है कि जिस हरियाणा की बेटियां तमाम खेलों में सोने के तमगे बटोरने से लेकर एवरेस्ट की चोटियों की ऊंचाइयां बार-बार नाप रही हैं, उस समाज में बेटियों को लेकर ये दकियानूसी सोच क्यों है? क्यों बहन की रक्षा के लिये राखी बंधवाने वाला भाई आवेश में उसकी जान ले लेता है? वो कितना भयानक मंजर होगा जब बहन भाई को हत्यारे के रूप में आता देखती होगी? निश्चय ही इक्कीसवीं सदी में कथित ऑनर किलिंग की घटनाएं किसी भी सभ्य समाज के मुंह पर तमाचा ही है। देश-दुनिया में ऐसी क्रूरता का कोई अच्छा संदेश नहीं जाता। प्रगतिशील सोच की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से तीन तरफ से जुड़े हरियाणा में सोलहवीं सदी की सोच क्यों जीवित हो रही है यह समाज विज्ञानियों के लिये विचारणीय प्रश्न है। इसके बावजूद जीवन के तमाम क्षेत्रों में हरियाणा ने नये मानक स्थापित किये हैं। लेकिन सिरसा की सरबजीत कौर और कैथल की कोमल रानी की दिल दहला देने वाली हत्याएं हजार सवाल पूछती हैं। भले मां-बाप की दृष्टि में जीवन साथी चुनने में उन्होंने गलती की हो, लेकिन इस पर आदिम युगीन दंड उससे बड़ा अपराध है।बहरहाल, इस घटनाक्रम के आलोक में यह विरोधाभास भी सामने आता है कि जो राज्य अपनी महिला खिलाड़ियों, विशेषकर पहलवानों के लिये दुनियाभर में प्रसिद्ध है, उस समाज में कुछ बेटियों को लैंगिक अन्याय का दंश क्यों झेलना पड़ रहा है। वह भी उस हरियाणा में जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनवरी 2015 में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम की शुरुआत की थी। पूरे देश में इस मुहिम को सकारात्मक प्रतिसाद भी मिला। इस मुहिम का मकसद राज्य में शिशु लिंगानुपात में सुधार करना और नारी सशक्तीकरण को बढ़ावा देना था। निश्चित रूप से पिछले वर्षों में राज्य में जन्म के समय के लिंगानुपात के आंकड़ों में सुधार भी आया। जो हरियाणा लिंगभेद के लिए सवालों के घेरे में था, वहां यह अनुपात नौ सौ का आंकड़ा भी पार कर गया। लेकिन इसके बावजूद सामाजिक परिवर्तन के दीर्घकालीन लक्ष्य पाने में सफलता नहीं मिली, विशेष रूप से ग्रामीण हरियाणा में। दरअसल, राज्य में एक तबके में पितृसत्तात्मक मानसिकता की जड़ें खासी गहरी हैं। जो ग्रामीण समाज में लड़कियों के जीवन पर लगातार नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। ये वही हरियाणा है जिसके बीबीपुर गांव में नौ साल पहले तत्कालीन सरपंच सुनील जागलान ने 'सेल्फी विद डॉटर' अभियान की शुरुआत की थी। जिसकी शेष देश में ही नहीं विदेशों में भी खासी चर्चा हुई थी। तमाम माता-पिताओं ने बताने का प्रयास किया था कि उन्हें अपनी बेटियों पर गर्व है। निश्चित रूप से ऐसे प्रगतिशील कदम समाज की सोच में बदलाव के लिये उत्प्रेरक की भूमिका निभाते हैं। ऐसी एक नहीं तमाम प्रगतिशील पहलों के लिये प्रयास होने चाहिए। बहरहाल, जिस हरियाणा की बेटियां तमाम वैश्विक स्पर्धाओं में सफलता के नये आयाम स्थापित कर रही हैं, वहां से कोई नकारात्मक संदेश नहीं जाना चाहिए। हालांकि, किसी भी सभ्य समाज में ऑनर किलिंग जैसी अमानवीय प्रवृत्ति को तार्किक नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन बेटियों को भी बदलते परिवेश में कई मुद्दों पर गंभीरता से सोचना चाहिए। उन्हें अपने जीवन से जुड़ा निर्णय लेने का पूरा अधिकार है, लेकिन उससे पहले सामाजिक, शैक्षिक व आर्थिक दृष्टि से इतनी मजबूत बनना होगा,.

मोदी पर आरएसएस का छुपा वार

कई ऐसे लोग हैं जो इसमें आरएसएस का दोमुंहापन देखते है और जो मानते हैं कि संघ भाजपा का वैचारिक अभिभावक है एवं उसे उन सभी ज्यादतियों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए जो हमने मोदी-युग के दौरान देखी हैं। आखिरकार मोदी आरएसएस की विचारधारा के विद्यार्थी हैं और वे वही ढोल बजा रहे हैं जो संगठन ने उन्हें सिखाया है। बाकी सब जो हो रहा है वह आरएसएस की छत्रछाया में नूरा कुश्ती है और नियंत्रण का अस्थायी बदलाव है।इस बारे में बहुत कुछ लिखा गया है कि 2024 के चुनावों पर नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का भाषण सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर इशारा करता है। यह कहा जाता है कि भागवत ने उनकी निंदा किए या उनका नाम लिए बिना सब कुछ कह दिया है और अपने इच्छित लक्ष्य के बारे में कोई संदेह नहीं छोड़ा है। आरएसएस प्रमुख ने कहा है कि चुनाव युद्ध नहीं है, दोनों पक्षों को सुनने के लिए एक दृष्टिकोण है और सच यह है कि सेवक वह है जो मर्यादा में रहकर और अहंकार के बिना सेवा करता है। उन्होंने यह भी कहा कि मणिपुर में मुद्दों को एक साल से अधिक समय से उपेक्षित किया गया है। समझदारी का इशारा देने वाले इन शब्दों को और किसकी ओर निर्देशित किया जा सकता है? भागवत के बयान के बाद इसे व्यापक रूप से मोदी विरोधी वक्तव्य के रूप में देखे जाने के बाद अज्ञात स्रोतों के माध्यम से संघ ने यह स्पष्ट करना उचित समझा है कि वह उस व्यक्ति के बारे में ऐसा कोई इरादा नहीं रखता है जिसने अभी तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है।कई ऐसे लोग हैं जो इसमें आरएसएस का दोमुंहापन देखते है और जो मानते हैं कि संघ भाजपा का वैचारिक अभिभावक है एवं उसे उन सभी ज्यादतियों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए जो हमने मोदी-युग के दौरान देखी हैं। आखिरकार मोदी आरएसएस की विचारधारा के विद्यार्थी हैं और वे वही ढोल बजा रहे हैं जो संगठन ने उन्हें सिखाया है। बाकी सब जो हो रहा है वह आरएसएस की छत्रछाया में नूरा कुश्ती है और नियंत्रण का अस्थायी बदलाव है। फिर भी यह विचार है कि आरएसएस के हालिया बयानों में कुछ और भी है, खासकर जब वे भाजपा के चुनावी हार के मद्देनजर आते हैं। इसमें आंशिक रूप से निर्मित और जल्दबाजी में उद्घाटित राम मंदिर के निर्वाचन क्षेत्र में सीट खोना भी शामिल है।

यह देखते हुए कि चूंकि भारतीय जनता पार्टी एक व्यक्ति के हाथों में सिमट गई है और अपने दम पर सोच नहीं सकती है तो इन हालातों में यह चुनाव आरएसएस में कुछ वास्तविक पुनर्विचार के लिए ट्रिगर हो सकते हैं। आज यह आरएसएस की उस दुविधा को सामने ला रहा है कि इसके एजेंडा को नरेंद्र मोदी की सरकार ने पूरा किया है, संघ एक ऐसी सरकार से शक्ति और संसाधन प्राप्त कर सकता है जो अब एक दशक

से अधिक समय से पूर्ण नियंत्रण में है लेकिन ऐसा लगता है कि यह उस तौर तरीके को नापसंद कर रहा है जिसे इस प्रक्रिया में मोदी ने अपने चारों ओर बनाया है।दूसरे शब्दों में कहें तो आरएसएस के नजरिए से नीतियां %अच्छी% हैं लेकिन उन्हें व्यवहार में लाने वाला व्यक्ति सही नहीं है। संघ के द्वितीय सरसंघचालक एमएस गोलवलकर ने एक बार कहा था कि- आरएसएस कार्यकर्ता की %असाधारणता% ठीक ऐसी होनी चाहिए कि हर कार्यकर्ता खुद को %साधारण% माने। आज आरएसएस को भाजपा के एक ऐसे प्रधानमंत्री से जूझना होगा जो खुद को इश्वर का भेजा हुआ और गैर-जैविक अवतार बताते हुए स्वयं को प्रधान सेवक कहता है और जो यह कहते नहीं थकता कि वह कितना असाधारण है।आरएसएस के नजरिए से यह सरल सवाल है कि क्या आपके काम करने के भुगतान की यह बहुत अधिक कीमत है या क्या ऐसा नहीं है? क्या यह आरएसएस की वर्षों पुरानी इच्छाओं के सच होने का स्वर्णिम काल है जिसमें अयोध्या का राम मंदिर, जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाना, अधिकांश राज्यों में गोहत्या पर प्रतिबंध, नागरिक संशोधन अधिनियम (सीएए) का एजेंडा, समान नागरिक संहिता की ओर कदम, ट्रिपल तलाक पर प्रतिबंध आदि शामिल है या ये उस सड़ी हुई संस्कृति के %उपहार% हैं जो एक ऐसी पार्टी में अंतर्निहित हो गई है जिसने हमें चुनावी बांडों में देखा गया भ्रष्टाचार, लोकतांत्रिक संस्थानों पर कब्जा, भारत की प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में गिरावट, गैर-भाजपा सरकारों को तोड़ने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग और यह सब कुछ अगर बढ़ती संपत्ति और आय असमानता को लेकर है जो राष्ट्र की गर्म बहस बनने और बने रहने का वादा करता है? यह आरएसएस को खुश करने के लिए साध्य हैं लेकिन इस साध्य के साधनों के बारे में क्या कहा जाए? आखिरकार अपने स्वयंसेवकों के बीच चरित्र निर्माण करना संघ का घोषित लक्ष्य है। यह लक्ष्य धनबल, ग्लैमर मार्केटिंग और घृणा की भाषा के युग में कैसे साध्य है जिसमें चुनाव अभियान में जहर घोलने के लिए प्रधानमंत्री मटन, मंगलसूत्र और मुजरा जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं?

गांधी ने हमें बताया कि साध्य की प्राप्ति के लिए साधन भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। वास्तव में वे केवल साधनों के बारे में चिंतित थे, उसके अंत के बारे में नहीं। वे कहते हैं कि, साधन सभी चीजों से ऊपर हैं। मैं कहूंगा कि साधन सब कुछ के बाद हैं। साधन जैसा है, अंत वैसा ही होगा। मुझे लगता है कि लक्ष्य की दिशा में हमारी प्रगति हमारे साधनों की शुद्धता के सटीक अनुपात में होगी।प्रबंधन गुरु स्वर्गीय जैक वेल्च ने प्रबंधकों की उपलब्धियों (परिणाम) और उनके मूल्यों (साधन) को एक सांचे में फिट किया था- कुछ नतीजे देते हैं और मूल्यों का सम्मान करते हैं (उन्होंने कहा कि उन्हें बढ़ावा दें), अन्य न तो परिणाम लाते हैं और न ही मूल्यों का सम्मान करते हैं (उन्हें खारिज कर दीजिये), कुछ अन्य के पास मूल्य हैं लेकिन परिणाम कम हैं (उन्हें समर्थन दें) और अंतिम किस्म, जो किसी भी प्रणाली के लिए सबसे खतरनाक है- वे प्रबंधक जिसके पास कोई मूल्य नहीं है लेकिन तिमाही दर तिमाही आंकड़े पर आंकड़े देते रहते हैं। ये सबसे नुकसानदेह है और सुझाव यह है कि अगर संगठन को जीवित रखना है, उसे पनपने देना है तो यही वे लोग हैं जिसे पहले और तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए। फिर भी, यदि सब कुछ अच्छा चल रहा हो तो यह सबसे कठिन निर्णय हो सकता है। यह ढांचा तब लागू होता है जब अंतिम परिणाम वैध, न्यायसंगत और विवेकसम्मत होते हैं।एक पल के लिए भूल जाइए कि आरएसएस अपने आप में समाप्त हो जाता है। फिर भी, इन संकरे सिरों के साथ उसने अपने घोषित साधनों के साथ रास्ते पार कर लिए हैं। इसलिए अपने स्वयं के विश्व के भीतर और अपनी संरचनात्मक अखंडता के लिए साधन-साध्य वे प्रश्न हैं जिसका जवाब आरएसएस को देना होगा। इस आलोक में मोहन भागवत के शब्द बेचैनी का संकेत देते हैं, पर मोदी का नाम लेने और उन्हें बाहर निकालने में उनकी हिचकिचाहट इस बात की ओर इशारा करती है कि वह अपने ही बनाए जाल में फंस गया है।संघ को लाभ भी मिला है। नए और आलीशान दफ्तरों, सरकारी पदों की तो बात ही छोड़िए, अधिकारियों में सम्मानजनक स्वागत, मोहन भागवत के साथ चलने वाले एसपीजी जैसे गार्डों के समूह की भी बात को छोड़िए- यह सब संगठन के ग्लैमर और सत्ता के स्वाद का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। आप कह सकते हैं कि मोदी सत्ता के नशे में चूर हैं परन्तु भाजपा भी पलट सकती है और कह सकती है कि आज आरएसएस भी उसी गिलास से सत्ता का नशा पी रहा है!

नजरंदाज न करें हल्का बुखार

मामूली बुखार, हड्डी तोड़ बुखार, ऐसा तेज बुखार कि जैसा कभी हमें जिंदगी में हुआ ही नहीं, हल्का बुखार, मियादी बुखार आदि कई तरह से आप इसे अपने चिकित्स से बताते हैं। बुखार को लेकर इतनी तरह की गलतफहमियां हैं और चिकित्सा विज्ञान की सीमाएं हैं कि इस मामूली-सी प्रतीत होती बीमारी के इन पक्षों को जानना जरूरी हो जाता है।

पहली बात तो यह कि कोई भी, कितना भी कम बुखार हो वह कभी भी मामूली नहीं होता। हर बुखार इस बात की घोषणा है कि शरीर में कुछ ऐसा गलत हो रहा है जिससे लड़ने के लिए शरीर के अपने हथियारों को चलाना शुरू कर देता है जिसका कारण यह गर्मी पैदा हो रही होती है। बल्कि हल्के बुखार कई मायनों में ज्यादा खतरनाक होते हैं।

कोल्ड स्पॉन्जिंग की प्रक्रिया

तेज बुखार हो तो डॉक्टर कहते हैं कि मरीज की कोल्ड स्पोन्जिंग कीजिए। कहते हैं पर बताते नहीं कि कैसे कीजिए? प्राय: वे नर्स को कह देते हैं और नर्स आपसे कह देती है कि ठंडे पानी की पट्टियां रखिए। बस कहां रखिए, कैसे रखिए यह बताने का समय किसी के भी पास नहीं। आप दिन भर लगे रहते हैं और बुखार नहीं उतरता। कारण यह कि कोल्ड स्पोंजिंग के कुछ सामान्य सिद्धांत हैं। एक तो यह कि इसे बर्फ के पानी से न करें। बर्फीला ठंडा पानी चमड़ी की खून की नलियों को उल्टा सिकोड़ ही देता है जिससे शरीर और ठंडे कपड़े के बीच तापमान का आदान-प्रदान नहीं हो पाता और बुखार उतनी तेजी से नहीं उतर पाता।

पट्टी रखने की प्रक्रिया

नल में आ रहे सामान्य ताप वाले पानी या घड़े में भरे पानी को लें, दूसरी बड़ी बात यह करें कि गीले कपड़े को बढ़िया निचोड़कर और गले पर, कांखों में, पेट पर तथा जांघ के संधि स्थल (हिप ज्वायंट के पास) रखते जाएं और हर बीस-पच्चीस सेकंड में बदलकर नया गीला कपड़ा लगाएं। गर्दन, कांख, जंघा तथा पेट से खून की बहुत बड़ी नलियां एकदम चमड़ी के पास से गुजर रही होती हैं। इनमें बुखार से तपता हुआ गर्म खून बह रहा है जिसे ठंडक मिलेगी तो बुखार फटाफट कम होगा।

अन्य बीमारियों का भी लक्षण

हल्का बुखार गठिया से लेकर साइकोलोसिक फीवर तक कुछ भी हो सकता है। हो सकता है कि आप किसी पक्ष की जांच न कराएं और दो माह बाद पता चले कि हड्डी में टीबी थी या आंतों में कैंसर था, जो आपने तब सोचा या देखा ही नहीं। कहना यह है कि हल्के बुखार को कभी भी हल्के में न लें। हमेशा किसी अच्छे डॉक्टर से इसकी सलाह लें क्योंकि मामूली बुखारों की डायग्नोसिस के लिए गैरमामूली डॉक्टर ही चाहिए जो इस जटिल चीज को समझता हो।

तापमान का बनाएं चार्ट

होने वाले बुखार को गंभीरता से लें क्योंकि बुखार यदि गंभीर हो गया तो लेने के देने पड़ सकते हैं। इससे भी पूर्व बेहतर सलाह होगी कि बुखार लगे तो थर्मामीटर से नापकर कागज पर रिकार्ड बनाते रहें। डॉक्टर को इससे बड़ी मदद मिलेगी। अलग-अलग समय पर तापमान अंकित करें। बहुत से मरीज कहते हैं कि हमारा हड्डी का बुखार है, या अंदरूनी बुखार है जो रहता तो है पर किसी भी थर्मामीटर में नहीं आ पाता। ऐसा कोई बुखार नहीं होता जो थर्मामीटर के पारे को नहीं चढ़ाता।

शाम को बढ़ सकता है शरीर का तापमान

जान पहचान के एक व्यक्ति को टायफायड तो ठीक हो गया परंतु रोज शाम होते-होते 99.8 डिग्री चढ़ जाता था। आस पास जो देखने जाता वह कहता अरे आपका टायफायड फिर बिगड़ गया है। मैंने सलाह दी कि यह नार्मल वेरिएशन है, समझदार थे मान गए तो सामान्यत: शाम को हमारा तापमान 99.9 तक भी हो जाए तो इसे बुखार न मानें। बस एक बार चिकित्सक को तय करने का मौका दें। शेष शरीर पर रखी पट्टियां इतनी जल्दी न बदलें क्योंकि हाथ-पांव की चमड़ी की पतली रक्त नलियों में खून ठंडा होने में समय लेगा। हां, माथे तथा सिर पर बर्फ की थैली (आइस कैप) रखना चाहिए क्योंकि खोपड़ी की हड्डियों का तापमान इतनी आसानी से कम न होगा।

खुद न बनें डॉक्टर

एक और आखिरी बात स्वयं इलाज न लें। बुखार एक ऐसी बीमारी है जिसका सबसे ज्यादा सेल्फ ट्रीटमेंट होता है। याद रखें कि हर ठंड के साथ कंपकंपी देने वाला बुखार मलेरिया नहीं होता, न ही वही एंटीबायटिक इस बार भी काम करेगी जो कभी पिछले बुखार में आपको दी गई थी। बुखार [illegible] पर डॉक्टर की बताई दवाएं ही लें और उतने [illegible] तक लें जितने दिनों तक बताया जाए।

कई अन्य कारण

बुखार जैसा लगने के पचासों और भी कारण हो सकते हैं। उनका इलाज भी कुछ अलग ही होगा। आप बुखार कहते हो और लापरवाह चिकित्सक बुखार की कोई दवाई आपको दे देता है। तो पहले यह तय कर लें कि बुखार है भी या नहीं? नापें जब लगे तब नापें आपको यह सलाह नहीं दी जा रही कि जेब में थर्मामीटर लेकर घूमें और जब-तब मुंह में रखते फिरें, पर रिकॉर्ड जरूर करें। बुखार रिकॉर्ड न हो तो डॉक्टर को यही कहें कि मुझे बुखार सा लगता है पर होता नहीं इस तरह की स्थिति एनीमिया, थकान, तनाव से लेकर अन्य बहुत सी गंभीर बीमारियों में भी हो सकती हैं। और नापने में भी याद रखें कि आदमी के नार्मल टेंपरेचर में भी बहुत-से नार्मल उतार-चढ़ाव हो सकते हैं।

विशेषज्ञ की सलाह ही सही

थोड़ा-थोड़ा बुखार हो रहा हो तो कई बार आदमी लंबे समय तक इसकी परवाह ही नहीं करता और बाद में बीमारी बढ़ाकर डॉक्टर के पास पहुंचता है। दूसरा यह कि वे हल्के-हल्के निन्यानवे-सौ वाले, कभी-कभी आने वाले बुखारों की जड़ में बेहद खतरनाक, जानलेवा होने की हद तक खतरनाक कारण भी हो सकते हैं। टीबी, एड्स, कई तरह के कैंसर, आंतों की बीमारियां, यहां-वहां पनपती पस (मवाद) आदि किसी के कारण भी ऐसा हो सकता है। प्राय: यह हल्का बुखार विभिन्न तरह की जांचों में आपके खासे पैसे लगवा सकता है। हो सकता है कि तब भी डॉक्टर किसी ठीक नतीजे पर न पहुंच पाए और आप डॉक्टरों की जमात को ही बेकार कहते फिरें कि यहां-वहां से कट लेने के लिए ऐसा करते रहते हैं।

सिरदर्द को न करें नजरंदाज

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में सभी लोगों को सिर-दर्द की परेशानी होती है, मगर ज्यादातर लोग इस पर ध्यान ही नहीं देते हैं या फिर इसका उचित इलाज नहीं करवाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक रिपोर्ट के मुताबिक, सिर-दर्द की परेशानी सभी को होती है, यह बहुत आम है और इसका उचित इलाज भी है। रिपोर्ट के अनुसार, इसके बावजूद पूरी दुनिया में इसकी कम पहचान हो पाती है और इसका इलाज भी बहुत कम होता है। इसके अनुसार, अपने तरह के इस पहले अंतरराष्ट्रीय सर्वे में यह बात सामने आई है कि लोग इस बड़ी परेशानी को नजरअंदाज कर देते हैं। रिपोर्ट का कहना है कि दुनिया में आधे से ज्यादा वयस्कों ने हाल ही में एक या ज्यादा बार सिरदर्द की परेशानी महसूस की होगी।

काम होते हैं प्रभावित

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि सिरदर्द के कारण उद्यम प्रभावित होने से होने वाला वितीय नुकसान बहुत बड़ा है। किशोरों से लेकर 50 साल की उम्र तक के लोगों में सिरदर्द एक आम समस्या है। इससे काम के घंटे प्रभावित होते हैं और उद्यम प्रभावित होता है। अकेले ब्रिटेन में रोज 2.5 करोड़ लोग हर साल सिरदर्द (माइग्रेन) के कारण स्कूल या दफ्तर नहीं जा पाते हैं।

क्या है अस्थि संक्रमण?

ऑस्टियोमाइलाइटिस हड्डी या अस्थि मज्जा का एक संक्रमण है, जो आमतौर पर पायोजेनिक बैक्टीरिया या माइकोबैक्टिरियम के कारण होता है। यह कारणात्मक जीव, इसके मार्ग, अवधि और संक्रमण के शारीरिक स्थान के आधार पर उपवर्गीकृत किया जा सकता है।

लक्षण

- अस्थि दर्द
- अस्थि सूजन
- बुखार
- मांसपेशियों में ऐंठन
- स्थानीय लालिमा
- स्थानीय गर्मी
- दर्द बढ़कर पास के जोड़ तक फैल जाता है।

प्रभावित हड्डी के आधार पर विशिष्ट लक्षण निर्भर करते हैं

- शाखा की हड्डी में दर्द
- टांग की हड्डी में दर्द
- श्रोणि की हड्डी में दर्द

स्पाइनल ऑस्टियोमाइलाइटिस के लक्षण

- हल्का बुखार
- रीढ़ की हड्डी में दर्द
- पीठ के दर्द का बिगड़ना
- पीठ के में दर्द आराम से राहत न होना
- सामान्य दर्द द्वारा पीठ दर्द में राहत न होना।
- पीठ का दर्द संचालन से बद्तर होना

चिरकालीन माइलाइटिस के लक्षण

- आवर्तक माइलाइटिस
- हड्डी का आवर्तक दर्द
- त्वचा से पूर्व का स्राव
- विद्रधि की पुनरावृत्ति
- रक्त के थक्के
- अस्थि ऊतक का परिगलन
- प्रभावित क्षेत्र में मवाद
- अस्थि सूजन

कारण

बच्चों में यह जीवाणु नाक या आंत के माध्यम से रक्त में प्रवेश करता है और हड्डी के भागों में बस जाता है, जो पहले से टूटी होती हैं या हड्डी के कुछ क्षतिग्रस्त हिस्सों में, जहां अच्छी रक्त की आपूर्ति हो। यह जीवाणु संवर्धन करता है और शरीर की प्रतिरक्षा के कारण मवाद बनता है। यह हड्डी को निगल लेता है, विद्रधि का रूप ले लेता है और जो हड्डी के माध्यम से फैलता है और अंतत: सतह तक आ जाता है। एक फ्रेक्चर के बाद, जीवाणु सीधे घाव में प्रवेश करते हैं और नंगे सिरों पर बस जाते हैं। वे फिर द्विगुणित होकर और मवाद बनता है और घाव के माध्यम से जो अंतत: स्राव बन कर निकलता है। कुछ लोगों में यह संक्रमण दूसरे अंग में शुरू हो सकता है, जैसे फेफड़े। यहां से यह रोगाणु रक्त के माध्यम से हड्डी में फैल सकता है। मधुमेह के रोगी को विशेष रूप से संक्रमण होने का खतरा रहता है। यदि एक अल्सर पैर की अंगुली या पैर पर विकसित होता है, यह कीटाणु का जल्दी ही अंतर्निहित हड्डी के माध्यम से घुसना असामान्य नहीं है। इस मामले में यह लक्षण बहुत साधारण सा हो सकता है, केवल कुछ सूजन देखी जा सकती है। कुछ बच्चों में विशेष रूप से नवजात में रक्त परीक्षण या एक अंत: शिरा ड्रिप फीड के बाद बैक्टीरिया खून में प्रवेश कर सकते हैं। अन्य बच्चों में जो रक्त के सिकल सेल जैसे रोग से ग्रसित होते हैं, इस बीमारी के परिणामस्वरूप हड्डी की क्षति होने से और अधिक संक्रमण हो जाता है। मधुमेह के साथ वयस्कों में संक्रमण का प्रतिरोध कमी, अल्प रक्त परिसंचरण और दर्द के अहसास की कमी अक्सर चिरकालीन घातक रोग विशेष रूप ऑस्टियोमाइलाइटिस का कारक होती है।

निदान

रोगी का इतिहास, शारीरिक परीक्षा और रक्त परीक्षण ऑस्टियोमाइलाइटिस की पुष्टि करने के लिए मदद मिलती है।

- श्वेत रक्त कोशिकाओं की गिनती ल्यूकॉसाइटोसिस दर्शाती है।
- एरिथ्रोसाइट सेडिमेंटेशन दर या सी-प्रतिक्रियाशील प्रोटीन आमतौर पर बढ़ा होता है, लेकिन अवशिष्ट गंभीर मामलों में भी बढ़ा हो सकता है।
- घाव के कल्चर से जीवाणु के स्रोत का संकेत मिलता है। रक्त कल्चर से कारणात्मक जीवाणु को पहचानने में मदद हो सकती है।
- मेगनेटिक अनुनाद इमेजिंग रीढ़ के संक्रमण का पता लगाने के लिए सबसे अच्छा उपाय है।

उपचार

ऑस्टियोमाइलाइटिस में अक्सर लंबे समय तक, एक सप्ताह या महीने एंटीबायोटिक चिकित्सा की आवश्यकता है। एक पीआईसीसी लाइन या सेंट्रल अन्त: शिरा कैथिटर अक्सर इस प्रयोजन के लिए लगाया जाता है। ऑस्टियोमाइलाइटिस में सर्जिकल डेब्रीडमेंट (क्षतिग्रस्त मृत या संक्रमित ऊतक के हटाने) की भी जरूरत हो सकती है, ताकि शेष स्वस्थ ऊतक की चिकित्सा की क्षमता में सुधार हो सके। गंभीर मामलों में एक अंग के हानि का कारण बन सकता है। प्रारंभिक पहली पंक्ति एंटीबायोटिक पसंद रोगी के इतिहास और क्षेत्रीय अंतर से सामान्य संक्रामक जीवाणु के आधार पर निर्धारित होता है। रिफ्रेक्टॉरी ऑस्टियोमाइलाइटिस के उपचार के लिए हॉपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी उपयोगी सहायक होती है।

हड्डी के मृत द्वीपों को देखने के लिए कम्प्युटेड टॉमाग्राफी सबसे अच्छा साधन है। जब तक यह रोग हड्डी को प्रभावित करने तक, आम तौर पर 2 से 3 सप्ताह सक्रिय रहने तक हड्डी के एक्स-रे में नहीं देखा जा सकता है। स्कैन अस्थि संक्रमण का जल्दी पता लगा सकते हैं। निदान द्वारा पोलियोमाइलिटिस, आमवात का बुखार, मॉयोसाइटिस, और अस्थि भंग का सही निदान हो जाता है। ऑस्टियोमाइलाइटिस निदान के लिए हिस्टोपैथॉलॉजी और अन्वीक्षण परीक्षा स्वर्ण मानक है।

अकेलापन पुरुषों के लिए खतरनाक हो सकता है। एक अध्ययन से पता चला है कि जो पुरुष अकेले होते हैं, उन्हें दिल का रोग होने का खतरा ज्यादा होता है। इसलिए शोधकर्ताओं की सलाह है कि समाज में अन्य लोगों से मेल-जोल दिल के लिए अच्छा है।

अकेलेपन से दिल के रोग का खतरा

अध्ययन से पता चला कि जिन पुरुषों के दोस्त नहीं होते और परिवार से करीबी संबंध नहीं होते, उनके खून में एक विशेष अणु की मात्रा ज्यादा होती है।

ब्रिटेन में दिल के रोग के विशेषज्ञों का कहना है कि जो रोग सामाजिक तौर पर कटे हुए होते हैं, उनकी खेल-कूद में दिलचस्पी कम और सिगरेट पीने की संभावना ज्यादा होती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ये दोनों ही कारण दिल के रोग के खतरे को बढ़ाते हैं।

यह शोध पूरे अमेरिका में 1998 से 2001 के बीच 62 वर्ष की औसत उम्र के 3267 पुरुषों और महिलाओं पर किया गया। जिसमें इनकी शादी, रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ-साथ धार्मिक बैठकों इत्यादि में भाग लेने की जानकारी भी ली गई।

शोध में महिलाओं के दिल पर इस तरह का असर नहीं दिखा।

बात बात पर गुस्सा ठीक नहीं

गुस्सा आने के बाद के दो घंटे हो सकते हैं खतरनाक

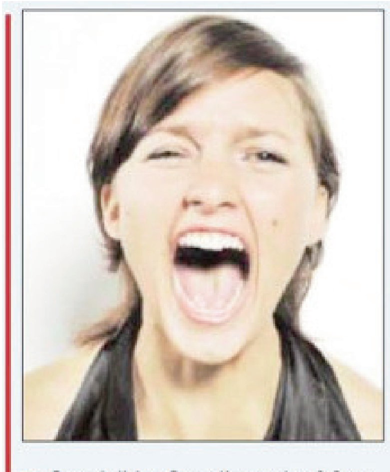

■ जिन लोगों के परिवार में हृदय रोग पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है, उनमें पहले से ही दिल का दौरा पड़ने के खतरे ज्यादा होते हैं

कहीं आप गरम मिजाज के तो नहीं? यदि हां, तो आपको दिल का दौरा पड़ने का खतरा ज्यादा है। यह जानकारी एक शोध के जरिए सामने आई है।

शोध में शामिल एक अमेरिकी शोधकर्ता का कहना है कि दिल का दौरा आने के पहले अक्सर यह देखा गया है कि इंसान बेहद गुस्से में होता है। इसलिए गुस्सा दिल के दौरे का कारण हो सकता है। शोधकर्ता ने पता लगाया है कि गुस्सा आने के बाद के अगले दो घंटे खतरनाक होते हैं क्योंकि इस समय दिल का दौरा आने का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

साथ ही शोधकर्ता का यह भी मानना है कि गुस्से और दिल के दौरे के बीच की कड़ी को समझने और इन जटिलताओं से बचने का रास्ता निकालने की दिशा में अभी काफी काम किया जाना बाकी है। शोधकर्ताओं ने यूरोपीय पत्रिका 'हार्ट' को बताया कि जिन लोगों के परिवार में हृदय रोग पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है, उनमें पहले से ही दिल का दौरा पड़ने के खतरे ज्यादा होते हैं।

बात-बात पर गुस्सा !

संबंधित शोध में हजारों लोगों पर किए गए नौ अध्ययन शामिल हैं। इस शोध के आंकड़े बताते हैं कि जिस वक्त व्यक्ति को गुस्सा आता है उसके बाद के दो घंटे दौरा पड़ने के लिहाज से करीब पांच गुना ज्यादा और स्ट्रोक के लिहाज से तीन गुना से ज्यादा खतरनाक होते हैं।

'हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ' के शोधकर्ताओं का मानना हैं कि एक बार गुस्से का आना अपेक्षाकृत कम खतरनाक होता है। जिन लोगों को महीने में केवल एक बार गुस्सा आता है उन्हें दिल के दौरे का खतरा कम होता है और जिन्हें महीने में पांच बार गुस्सा आता है उनमें हार्ट अटैक का खतरा ज्यादा होता है। उनका यह भी कहना है कि यह खतरा उन लोगों में और गंभीर होता है जिन्हें बात- बात पर गुस्सा आता हो।

मनोवैज्ञानिक बदलाव: डॉक्टर एलिजाबेथ मोसेतोफ्स्की और उनके सहयोगी बताते हैं कि एक दिन में पांच बार गुस्सा आने की स्थिति में प्रति 10,000 लोगों में करीब 158 बार ज्यादा दिल का दौरा पड़ सकता है। यह ऐसे लोगों का आंकड़ा है जिनमें प्रति वर्ष कार्डियोवस्कुलर का ख़तरा कम होता है।

वहीं जिन लोगों में कार्डियोवस्कुलर का खतरा ज्यादा होता है उनमें प्रति 10,000 लोगों में दिल का दौरा करीब 657 बार ज्यादा पड़ सकता है। डॉक्टर मोसेतोफ्स्की ने कहा, हालांकि एक बार के गुस्से में गंभीर दिल का दौरा पड़ने के खतरे कम होते हैं, लेकिन वैसे लोगों में यह खतरा बढ़ जाता है जिन्हें बार बार गुस्सा आता है।

वैसे यह स्पष्ट नहीं है कि गुस्सा खतरनाक कैसे हो सकता है। शोधकर्ताओं ने यह साफ किया है कि उनका शोध अनिवार्य रूप से इस बात की ओर संकेत नहीं करता कि गुस्सा दिल की बीमारियों और रक्त संचरण की समस्याओं को जन्म देता है।

धूम्रपान और शराब: विशेषज्ञ जानते हैं कि पुराना तनाव और दबाव दिल के रोगों को बढ़ा सकता है, खासकर इसलिए क्योंकि इससे रक्त दाब बढ़ जाता है। मगर साथ ही इसलिए भी कि लोग तनाव को गलत तरीके से दूर करने की कोशिश करते हैं। जैसे कि तनाव कम करने के लिए वे बहुत ज्यादा धूम्रपान और शराब का सहारा लेने लगते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि इससे छुटकारा पाने के लिए योग जैसे तरीके अपनाए जा सकते हैं। ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन की हृदय रोग से जुड़ी एक नर्स डोरियन मर्डॉक ने कहा, यह स्पष्ट नहीं है कि इसका क्या कारण है? हो सकता है इसके पीछे मनोवैज्ञानिक बदलाव हों जिससे हमें गुस्सा आता है। मगर इसके पीछे छिपी बॉयलॉजी जानने के लिए ज्यादा शोध की जरूरत है।

लैंगिक भेदभाव के कारण नौकरी छोड़ना चाहती हैं महिलाएं

■ एसोचैम का सर्वे देश के 10 शहरों में किया गया

■ महिलाएं बच्चों की देखभाल, असुविधाजनक शिफ्ट, कार्यस्थल पर लैंगिक भेदभाव एवं शोषण, सुरक्षा की कमी, परिवार, उच्च शिक्षा कारणों से नौकरी छोड़ना चाहती हैं

नई दिल्ली। देश की एक चौथाई कामकाजी महिलाएं कार्यस्थल पर लैंगिक भेदभाव समेत कई अन्य कारणों से अपनी नौकरी छोड़ना चाहती हैं।उद्योग एवं वाणिज्य संगठन ''एसोचैम' की ''सोशल डेवलपमेंट फाउंडेशन' द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर किए गए एक सर्वक्षण में यह बात सामने आई है। इसके अनुसार बच्चों की देखभाल, असुविधाजनक शिफ्ट, कार्यस्थल पर लैंगिक भेदभाव एवं शोषण, सुरक्षा की कमी, परिवार, उच्च शिक्षा आदि कारकों से नौकरी छोड़ना चाहती हैं। ''एसोचैम' ने बताया कि यह सर्वे देश के 10 शहरों अहमदाबाद, बेंगलुरु, चंड़ीगढ़, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, जयपुर, लखनऊ, मुंबई एवं पुणे में किया गया। इसमें 200 कामकाजी माताओं के अलावा 500 से अधिक कामकाजी महिलाओं को शामिल किया गया है। संगठन ने कहा कि इनमें से करीब 40 फीसद महिलाएं बच्चों की देखभाल के लिए नौकरी छोड़ना चाहती हैं। वहीं करीब 25 फीसद महिलाओं का कहना है कि वह काम करने के अधिक घंटे, वेतनमान में भेदभाव, पारिवारिक समस्याओं समेत अन्य कारणों से नौकरी छोड़ना चाहती हैं।उसने कहा, ''लैंगिक भेदभाव, कार्यस्थल पर शोषण एवं काम करने की असुविधाजनक अवधि महिलाओं के नौकरी छोड़ने की मुख्य वजह हैं।' सर्वे में शामिल सभी 200 कामकाजी माताओं में से 80 ने मातृत्व एवं परिजनों को समय न दे पाने के कारण नौकरी छोड़ने की बात कही। वहीं, करीब 30 फीसद महिलाओं ने नौकरी छोड़ने का कारण कार्यस्थल पर होने वाले शोषण को बताया। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर उन्हें इस कारण असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है और कई बार उनका प्रमोशन इसी वजह से रोक लिया जाता है। सर्वेक्षण में शामिल अधिकांश महिलाओं का कहना था कि उनके संगठन में इन मामलों से संबंधित तंत्र भी नहीं है।

तकनीक का इस्तेमाल कर बुजुगरे को पुस्तकालय भेजा जाए

कोलकाता। एक ब्रितानी पुस्कालय सलाहकार ने सलाह दी है कि पढ़ने में रुचि रखने वाले बुजुगरे को उपयुक्त तकनीक के माध्यम से पुस्तकालयों में जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।ऑक्सफोर्डशायर में सांस्कृतिक सेवाओं के पूर्व निदेशक टॉम फोरेस्ट ने नई दिल्ली में देश के पुस्कालय विशेषज्ञों के साथ अपनी बातचीत में कहा, ''आपके और मेरे देश में बुजुर्ग लोग अब भी पुस्तकालय जाना पसंद करते हैं, हालांकि उनकी संख्या कम हो रही है। मुझे लगता है कि उन्हें प्रोत्साहित कर हम उन्हें यह एहसास कराने का मौका देंगे कि वे समाज में अनावश्यक नहीं हैं।' उन्होंने कहा, ''पुस्तकालयों का मोबाइल एप होना चाहिए। आप ई-बुक पढ़ सकते हैं और पुस्तक सूची के बारे में ऑनलाइन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। पुस्तकें और उनके डिजिटल संस्करण एक-दूसरे के पूरक होने चाहिए और उन्हें दोनों पीढ़ियों के बीच के अंतर को पाटना चाहिए।' फोरेस्ट ने सेवाओं और विषयवस्तु तक पहुंच में सुधार के लिए तकनीक का इस्तेमाल करने के संबंध में जागरूकता फैलाने के लिए 20 से अधिक देशों में काम किया है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-3-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। दान-पुण्य का कार्य करें। यात्रा शुभ रहेगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-6

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-6-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-6-8

मीन (दी दू थ ज्ञ ज दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति होगी। शभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

राकेश ने मुकेश से पूछा तुमने वाकई उस लड़की से शादी करने का पक्का फैसला कर लिया है?

मुकेश - हां यार, अब मजबूरी है.

राकेश - कैसी मजबूरी है?

मुकेश -वह लड़की इतनी मोटी हो गई है कि मंगनी में जो अगूठी मैंने उसे दी थी, वह उतरती ही नहीं है.

☺ ☺ ☺

ड्राइंग रूम में सजे शेर को देखाकर मेहमान ने मेजबान से पूछा, 'बडा सुन्दर शेर है. इसे कहां से लाये हो?'

मेजबान बोला, 'श्रीलंका से, जब वहां मै और चाचा शिकार खेलने गए थे.'

मेहमान - 'इसके पेट में क्या भरा है?'

'मेरे चाचा.' मेजबान बोला.

☺ ☺ ☺

एक सेठ जी अपने बेटे को स्कूल में दाखिल कराने गए तो प्रिंसीपल ने कहा, 'सेठ जी, आपने देर कर दी, अब तो कोई भी सीट खाली नहीं है.'

'आप चिंता मत करे लड़के को दाखिल कर लें, बैठने के लिए कुर्सी मैं घर से भेज दूंगा.'

☺ ☺ ☺

सेठ (खाने की थाली देखकर) - 'इतनी महंगाई में रोटी पर इतना घी?'

नौकर - 'मालिक, माफ करें. शायद गलती से मेरी रोटी आपके पास आ गई.'

काकुरो पहेली - 4094

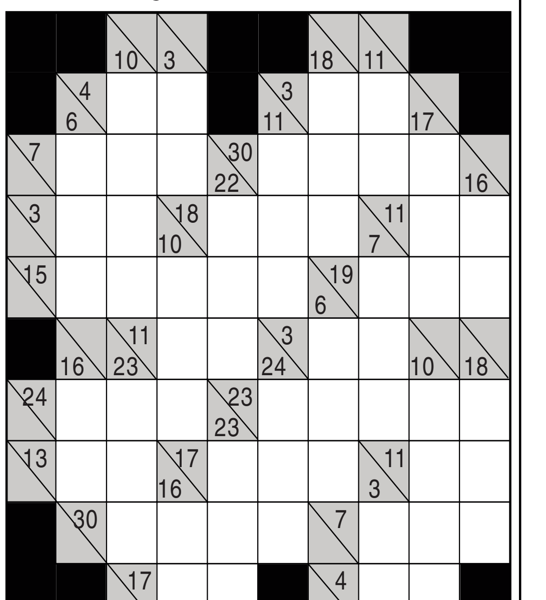

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

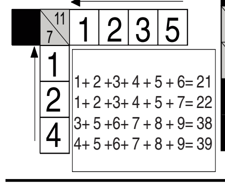

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 4093 हल

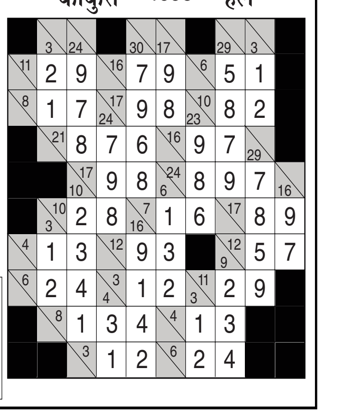

फिल्म वर्ग पहेली-4094

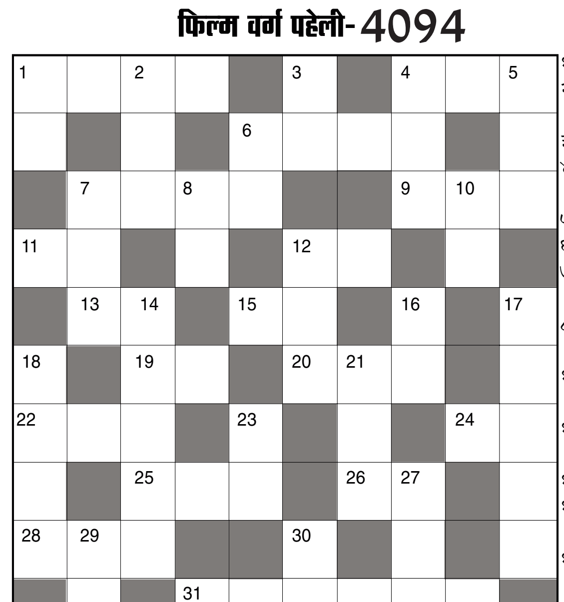

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली-4093

ह	ल	च	ल		जी	व	न	मृ	त्यु
व		मे		भू	त			त्यु	
स	हे	ली		मि		खा	न	दा	न
	रा		शि	का	र		सी	ता	
धू	म		वा		क्ष		ब		बे
प		खे		ता	क	त			ता
	गो	ल	मा	ल		ला	ट	सा	ब
पा	पी		शू		जो	श		या	
की		शं	क	रा			घा		स्व
जा	नू			ज	मा	न	त		र्ग

सूडोकु -4094

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है

सूडोकु -4093 हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5

शब्द पहेली -4094

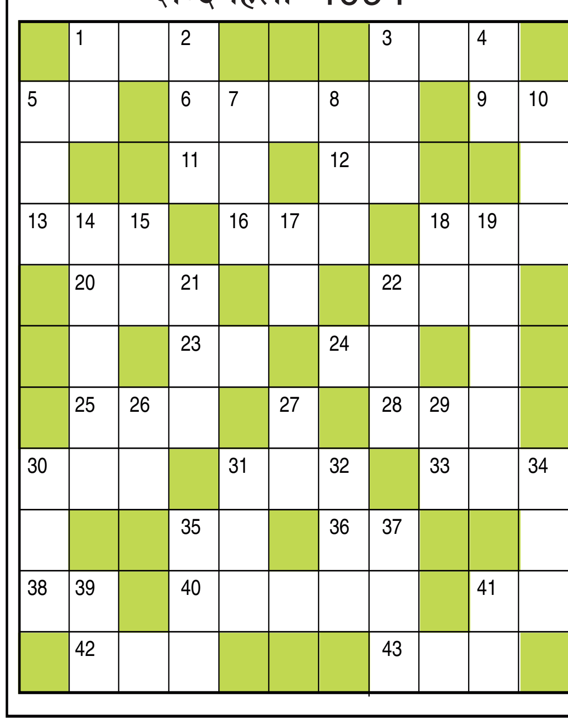

बाएँ से दाएँ

1. ईश्वर, करतार-3
3. मुस्कुराहट-3
5. ईख-2
6. रजनीगंधा -2,1,2
9. समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11. ताकत, दम-2
12. अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13. वेतन, पगार-3
16. मनोनीत, नामकृत-3
18. बंधक, गिरवी वस्तु-3
20. निशा, रात्री-3
22. वचन, प्रतिज्ञा-3
23. श्रीनगर की झील-2
24. मूल्य, कीमत-2
25. असावधान-3
28. धिक्कार, फटकार-3
30. हवा, पवन-3
31. झाझर, कुंभ-3
33. चिंतन-3
35. संस्कृत में मेरा-2
36. मादा का विलोम-2
38. कुबेर, भूत-2
40. परोपकारी, जितेंद्र की एक फिल्म-5
41. फलों का राजा-2
42. फूल चुननेवाली-3
43. घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1. तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2. बेकार-3
3. दीवान, खजांची-3
4. पैगंबर, रसूल-2
5. झूठ, मिथ्या -3
7. तेल में पकाना-3
8. आराम, मदद-3
10. गुलिस्ता-3
14. नरकभोगी-5
15. खुजली-2
17. सखा, दोस्त-2
18. मजा, आनंद-2
19. स्वदेशवासी-5
21. सुई (अंग्रेजी-3)
22. विष्णुप्रिया-3
26. पुनः, वापस-2
27. मर्करी, पारद-2
29. भीगा हुआ-2
30. वक्त, टाईम-3
31. अच्छी बुद्धि-3
32. निम्नता-3
34. मुलायम-3
35. बड़ा, विशाल-3
37. धनवान-3
39. माफी-2
41. उम्मीद-2

शब्द पहेली -4093 हल

का		बु	आ		द		स	ख्त		मु
र	क्त		कु	क	र	मु	त्ता		जा	ला
तू		म	ल		मि		धी	र		य
स	क्रि	य	ता		या		श	ब	न	म
	या				न				या	
रा	शी	क	र	ण		भा	र	ही	न	ता
	ल				टी				वे	
री	ता	प	न		ना		न	ह	ला	ना
इं		स	जा		मु		का	म		का
ब	लि		क	हा	नी	का	र		छ	बि
र्स		गी	त		म		ना	नी		ल

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगी मोदी सरकार: केशव प्रसाद मौर्य

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नरेंद्र मोदी को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एव शुभकामनाएं दी है। केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में मोदी सरकार देश व प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करेगी। इसके अलावा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी नरेंद्र मोदी को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एव शुभकामनाएं दी हैं।

नीट मामले के तार महाराष्ट्र से भी जुड़े, दो शिक्षक गिरफ्तार

मुंबई। नीट पेपर लीक मामले में बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के बाद अब महाराष्ट्र का कनेक्शन भी सामने आया है। नांदेड़ की एटीएस टीम ने संदेह के आधार पर लातूर से दो शिक्षकों को गिरफ्तार किया है। ये दोनों शिक्षक संजय तुकाराम जाधव और जलील उमर खां पठान जिला स्कूल परिषद के शिक्षक हैं, जिन्हें पूछताछ के बाद रविवार को नोटिस देकर छोड़ दिया गया। इनको शनिवार को गिरफ्तार किया गया था। लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पूछताछ के लिए उन्हें दोबारा अरेस्ट कर लिया गया है। दरअसल एटीएस की टीम को इन दोनों शिक्षकों के मोबाइल फोन में नीट से जुड़े कई छात्रों के हाल टिकट मिले हैं। साथ ही कुछ ऐसे सबूत भी हाथ लगे हैं जिनसे पैसों का लेनदेन हुआ है। इन तथ्यों के चलते एटीएस की टीम ने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में दोनों संदिग्ध शिक्षकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। पूछताछ के बाद दोनों शिक्षकों को छोड़ दिया गया था, लेकिन सबूत मिलने के बाद इन्हें फिर से गिरफ्तार कर लिया गया।

उमर अब्दुल्ला ने इंजीनियर राशिद को रिहा करने की मांग की

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को लोकसभा के लिए चुने गये सांसद इंजीनियर राशिद को रिहा करने की मांग की है। वह आतंकवाद के लिए पैसे उपलब्ध कराने के एक मामले में 2019 से दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद हैं।इंजीनियर राशिद ने पिछले दिनों हुए लोकसभा चुनाव में उत्तरी कश्मीर की बारामूला सीट से उमर अब्दुल्ला को दो लाख से ज्यादा वोटों से हराया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकवाद के वित्त पोषण के एक मामले में उन्हें गिरफ्तार किया था। उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा, मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले तथा अन्य सांसदों को बधाई देता हूं जो आज शपथ ले रहे हैं। यह हमारे लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने लिखा कि इस बात को स्वीकार करना जरूरी है कि उत्तरी कश्मीर के लोगों ने इंजीनियर राशिद को चुना है और उन्हें लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेने तथा अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलना चाहिए।

मौसमी बीमारियों के उपचार के लिए पूर्व से रखे तैयारी, फॉगिंग कराने के निर्देश

डूंगरपुर। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने मानसून को देखते हुए बारिश के मौसम में होने वाली मौसमी बीमारियों के उपचार के लिए पूर्व से तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह निर्देश सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए। उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में होने वाली मौसमी बीमारियों के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उन्होंने नगर परिषद डूंगरपुर को फागिंग करवाने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होने नगर परिषद डूंगरपुर से नालों की साफ सफाई करवाने, अतिक्रमण हटवाने, लक्ष्मण मैदान और स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में साफ-सफाई, रख रखाव तथा मरम्मत के लिए पूर्व में दिए गए निर्देशों पर की जा रही कार्यवाही की जानकारी ली। संयुक्त निदेशक पशु चिकित्सा विभाग डॉ. दिनेश बामनिया ने बताया कि वर्तमान में ऊंट संरक्षण अभियान चल रहा हैं, जिसमें टैगिंग की जा रही हैं। साथ ही मौसमी बीमारी के बचाव के लिए पशुओं का वैक्सीनेशन भी किया जा रहा हैं। बैठक में पीएचईडी विभाग की समीक्षा करते हुए पेयजल वितरण, हैंडपंप मरम्मत, जल जीवन मिशन के तहत चल रहें कार्यों की प्रगति रिपोर्ट की जानकारी ली। जल जीवन मिशन अधिकारी को योजना के तहत आंगनवाड़ी एवं विद्यालयों में होने वाले कनेक्शन के लिए विकास अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए फॉलोअप करने के निर्देश दिए। बैठक में कृषि विभाग संयुक्त निदेशक परेश पंड्या ने बताया कि प्राप्त मिनी किट्स का वितरण किया जा रहा है तथा और अधिक आवश्यकता के अनुरूप डिमांड भेज दी गई हैं।

सीएम नायब सैनी ने अपने कैबिनेट मंत्रियों संग रामलला के किए दर्शन

एजेंसी

अयोध्या। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी सोमवार को अपने पूरे कैबिनेट मंत्रियों और विधायकों के साथ रामनगरी अयोध्या पहुंचे। जहां सभी ने भगवान रामलला के दर्शन करके उनका आशीर्वाद लिया। रामलला के दर्शन के बाद सीएम नायब सैनी ने मीडिया से बातचीत की।

उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह गौरव का क्षण है। हमारी संस्कृति, हमारी आस्था के प्रतीक प्रभु श्रीराम के भव्य और दिव्य मंदिर का निर्माण हमें 500 वर्षों के बाद आज देखने को मिला है। एक अलग ऊर्जा भगवान श्रीराम के दर्शन करने से मिलती है। हमारी आस्था के केंद्र अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शन करके उस अनुभूति का अनुभव आनंद आया है। लंबे वर्षों से जो प्रतीक्षा कर रहे थे, हम सौभाग्यशाली हैं, साक्षात आज हमें उस भव्य मंदिर

का दर्शन करने का अवसर मिला है।

सीएम सैनी ने कहा कि जब करोड़ों लोगों ने स्वयं अपनी आंखों से प्रभु श्रीराम के भव्य और दिव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को देखा। ये सब हमारे लिए गौरव का क्षण है। मैं यूपी सरकार का भी शुक्रिया अदा करता हूं। पीएम मोदी ने इस भव्य और दिव्य मंदिर का भूमि पूजन और प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम भी किया है। ये हमारी संस्कृति और आस्था का केंद्र बिंदु है। आज मुझे बहुत गर्व की अनुभूति महसूस हुई है। आज इस पवित्र धरती पर भगवान श्रीराम के दर्शन करने का अवसर मिला है।

भगवान रामलला के दर्शन के बाद सीएम नायब सैनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, रामलला के अप्रतिम सौंदर्य और उनके व्यक्तित्व की विशालता का दर्शन श्री अयोध्या जी धाम, राम जन्मभूमि पहुंचकर किया। भगवान राम मर्यादा और नैतिकता के हमारे मापदंड हैं। उनके आदर्शों, मर्यादाओं और राम राज्य के सदुणों के साथ हरियाणावासियों की सेवा में जुटा रहूंगा। ये संकल्प और आशीर्वाद हमें रामलला की कृपा से ही प्राप्त हुआ है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने छत्तीसगढ़ के पुराने साथियों से की मुलाकात

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री मोहन यादव की सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के पुराने साथियों और छत्तीसगढ़ के नेताओं से मुलाकात क्या हुई, उनकी पुरानी यादें ताजा हो गई। मुख्यमंत्री निवास में छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने सीएम मोहन यादव से भेंट की और छात्र जीवन की पुरानी यादों को ताजा किया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरूण साव के समत्व भवन पहुंचने पर अंगवस्त्रम, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ से भोपाल पहुंचे अभाविप के 70 सदस्यीय दलों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को उनके छात्र जीवन से संबंधित छायाचित्र भेंट किया।सीएम मोहन यादव और छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरूण साव अभाविप के साथी हैं, दोनों ने कई वर्षों तक अनेक दायित्वों का निर्वहन किया है। उन्होंने मुलाकात के दौरान अपने छात्र जीवन के पुराने संस्मरणों को याद किया और समसमायिक विषयों पर चर्चा भी की। अभाविप के संस्थापक शालिग्राम तोमर के स्मृति समारोह में भाग लेने के लिए परिषद के लगभग 70 सदस्यीय दल छत्तीसगढ़ से भोपाल आया है।

सुनियोजित विकास के लिए गठित होगा शाहजहांपुर विकास प्राधिकरण

मुख्यमंत्री का निर्देश, खाली पड़े अथवा अधूरे सरकारी निर्माण कार्यों को चिन्हित कर पूरा कराएं, उन्हें उपयोगी बनाएं

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शाहजहांपुर के दीर्घकालिक सुनियोजित विकास के लिए शाहजहांपुर विकास प्राधिकरण के गठन की आवश्यकता जताई है। सोमवार को आवास विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हालिया वर्षों में शाहजहांपुर व आस-पास के क्षेत्र में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की अनेक परियोजनाओं से यहां एक ओर जहां औद्योगिक विकास तेज हुआ है, वहीं, आबादी में भी बढ़ोतरी देखी गई है। वर्तमान सरकार के पहले कार्यकाल में ही शाहजहांपुर को नगर निगम बनाया गया है। यहां पूर्व से ही विनियमित क्षेत्र है। हाल ही में यहां का मास्टर प्लान-2031 भी तैयार कराया गया है और अब आवश्यकता है कि शाहजहांपुर विकास प्राधिकरण का गठन किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विकास प्राधिकरण के गठन करते समय यह ध्यान रखा जाए कि प्राधिकरण के अंतर्गत आ रहे गांवों में आबादी की भूमि को ग्रीन लैंड कतई न घोषित किया जाए। आम

आदमी को किसी प्रकार की समस्या न हो।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में अनेक सरकारी भवन या तो उपयोग में नहीं है अथवा निर्माण कार्य अधूरा है। इन्हें चिन्हित कर पूरा करायें और सदुपयोग किया जाए, साथ ही कहा कि पीएम जनविकास कार्यक्रम के कार्यों के तेजी लाई जाए। होटल इंडस्ट्री के विकास पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के टूरिज्म पोटेंशियल को प्रोत्साहित करने के प्रयासों का ही परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश पर्यटकों की पहली पसंद बनकर उभरा है। देश से सबसे ज्यादा पर्यटक उत्तर प्रदेश में आते हैं। इन सकारात्मक परिस्थितियों ने होटल इंडस्ट्री के लिए अपार संभावनाओं को जन्म दिया है। बड़ी संख्या में होटलों की आवश्यकता का अनुभव किया जा रहा है। होटल इंडस्ट्री को प्रोत्साहित करने के लिए हमें अपने बिल्डिंग बाइलॉज में परिवर्तन करने की आवश्यकता है। आवासीय क्षेत्र में 06 कमरों से 20 कमरों तक के होटल निर्माण के लिए न्यूनतम भूमि और होटल तक पहुंच मार्ग की चौड़ाई की न्यूनतम सीमा में बदलाव किया जाना चाहिए। साथ ही, पार्किंग, सिक्योरिटी और फ़ायर सेफ़्टी जैसे अतिमहत्वपूर्ण विषयों में मानक का सख्ती से अनुपालन कराया जाए।

दिल्ली सरकार के सभी मंत्रियों ने पीएम मोदी को लिखा खत, जल संकट पर हस्तक्षेप की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के सभी मंत्रियों ने सोमवार को अपनी एक मीटिंग की। यह मीटिंग आतिशी के अनशन स्थल पर की गई। सभी की मांग है कि दिल्ली को उनके हक का पानी दिया जाए। सभी मंत्रियों ने अपने हस्ताक्षर किए हुए पत्र को प्रधानमंत्री को भी भेजने का फैसला किया है ताकि प्रधानमंत्री भी इस मामले में हस्तक्षेप कर जल संकट को दूर कर सकें।इसके साथ ही बैठक में प्रस्ताव लाया गया कि दिल्ली सरकार के सभी मंत्री एलजी के साथ एक जॉइंट विजिट वजीराबाद बैराज पर करेंगे ताकि सभी के सामने स्थिति साफ हो जाए

आम आदमी पार्टी के नेता और मंत्री गोपाल राय ने बताया कि सोमवार को यह अहम बैठक जल मंत्री आतिशी के अनशन स्थल पर ही की गई और इस दौरान इस बात पर चर्चा हुई कि 30 साल पहले दिल्ली को जो पानी मिल रहा था, वही 30 साल बाद भी मिल रहा है, जबकि आबादी 3 गुना से ज्यादा हो गई है। गोपाल राय के मुताबिक, 30 साल पहले 1000 एमजीडी पानी जो तय हुआ था, लगभग वही पानी अभी भी मिल रहा है और अब जब मांग

गर्मियों में बढ़ जाती है तो उसमें भी कटौती कर दी जाती है। 100 एमजीडी रोजाना पानी कम मिलने के चलते करीब 46 करोड़ लीटर पानी दिल्ली वालों को कम मिल रहा है, जिससे लगभग 28 लाख दिल्ली की जनता पानी के लिए तरस रही है।

गोपाल राय ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री भी दिल्ली के जल संकट पर पूरी तरीके से मौन हैं और वह किसी प्रकार का कोई हस्तक्षेप नहीं कर रहे हैं, जबकि हरियाणा और केंद्र दोनों जगह डबल इंजन की सरकार है। गोपाल राय ने बताया कि इससे पहले भी आम आदमी पार्टी सरकार के मंत्री केंद्रीय जल मंत्री, एलजी समेत सभी लोगों से मुलाकात और बातचीत कर चुके हैं। लेकिन अभी तक जल संकट का कोई भी समाधान निकलता दिखाई नहीं दे रहा है। गोपाल राय ने कहा कि आज की मीटिंग में दो महत्वपूर्ण एजेंडा रखा गया, जिन पर चर्चा हुई और उनके मुताबिक दिल्ली के मंत्रियों का हस्ताक्षर किया हुआ एक पत्र प्रधानमंत्री के नाम लिखा गया है जो उन्हें भेजा जा रहा है, ताकि वह इस जल संकट को दूर करने में दिल्ली सरकार की मदद करें।

आरएमएससी की प्रबंध निदेशक ने किया सांगानेर सीएचसी का निरीक्षण

एजेंसी

जयपुर। प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण को लेकर निरीक्षण का दौर लगातार जारी है। इसी क्रम में सोमवार को राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की प्रबंध निदेशक श्रीमती नेहा गिरि ने सांगानेर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर वहां मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा एवं जांच योजना के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया।

गिरि ने निरीक्षण के दौरान दवाओं के कार्टन खुले में रखे होने पर ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एसएस दायमा को वस्तुस्थिति से अवगत कराने तथा संबंधित अधिकारी या कार्मिक की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार संकल्पि भाव के साथ मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना का संचालन कर रही है। ऐसे में दवाओं का भण्डारण एवं दवाओं की उपलब्धता में किसी तरह की लापरवाही नहीं हो। प्रबंध निदेशक ने फार्मासिस्ट एवं अन्य कार्मिकों से दवाओं की उपलब्धता, मांग एवं आपूर्ति की स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि

अस्पताल में दवाओं की शत-प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित हो। दवाओं की मांग के लिए रियल टाइम इंडेंट जारी किया जाए। मांग और आपूर्ति में किसी तरह का अंतर नहीं रहे। औषधि भण्डार में नियमानुसार दवाओं का बफर स्टॉक रखा जाए।

गिरि ने कहा कि भण्डार कक्ष में दवाओं का भण्डारण निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार किया जाए। भण्डार कक्ष का तापमान नियामनुसार हो, ताकि दवाओं की गुणवत्ता प्रभावित नहीं हो। उन्होंने कहा कि एक्सपायर हो चुकी दवाओं तथा बायोमेडिकल वेस्ट का निस्तारण पूरी प्रक्रिया अपनाते हुए किया जाए। साथ ही, दवाओं का उपयोग इस तरह सुनिश्चित किया जाए कि उनके एक्सापयर होने की स्थिति नहीं आए। उन्होंने सभी दवा वितरण काउंटरों का निरीक्षण करने के दौरान सॉफ्टवेयर के माध्यम से दवाओं की उपलब्धता, इंडेंट जारी करने की स्थिति एवं आपूर्ति के बारे में जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। प्रबंध निदेशक ने स्वास्थ्य केंद्र में आपूर्तित जांच मशीनों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सोनोग्राफी मशीन, डायलिसिस मशीन तथा अन्य जांच मशीनों का समुचित उपयोग किए जाने के निर्देश दिए।

टॉय ट्रेन पलटने से 11 साल के बच्चे की मौत

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में एलांते मॉल में एक दर्दनाक हादसे में एक बच्चे की मौत हो गई। 11 साल का बच्चा टॉय ट्रेन में बैठा था। अचानक टॉय ट्रेन पलटने से उसका सिर नीचे जमीन से टकराया। अस्पताल में उसकी मौत हो गई।जानकारी के अनुसार चंडीगढ़ में टॉय ट्रेन के पलटने से 11 साल के बच्चे की मौत हो गई। बच्चा अपने परिवार के साथ एलांते मॉल में घूमने आया था। तभी यह हादसा हो गया। परिवार ने आरोप लगाया है कि ड्राइवर की लापरवाही से यह हादसा हुआ। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है।

हिसार में लव मैरिज करने वाले कपल की हत्या से सनसनी, पार्क में गोलियों से भूना

एजेंसी

हिसार। हरियाणा में हिसार के हांसी में लव मैरिज करने वाले एक कपल की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार यह कपल हांसी के लाला हुकुम चंद जैन पार्क में बैठा था। इसी बीच सोमवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे बाइक पर आए दो बदमाशों ने सात राउंड फायरिंग कर उनकी हत्या कर दी।

फायरिंग के बाद कपल की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर पूरे इलाके को सील कर दिया और हमलावरों की तलाश में जुट गई। इस वारदात के बाद पार्क में घूमने आए लोगों में दहशत का माहौल है। हांसी एसपी मकसूद अहमद ने बताया कि हमें सूचना मिली थी की पार्क में गोली चली है। इसके बाद पुलिस जब पार्क में पहुंची तो कपल के शव वहां पड़े हुए थे। मौके से गोलियों के खोखे भी बरामद किए गए हैं। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद यह साफ हो जाएगा कि मृतक लड़के के परिजन भी मौके पर पहुंच गए हैं और लड़की के परिजनों से जानकारी लेने के लिए टीम लड़की के गांव गई है। कपल ने दो महीने पहले ही शादी की थी। तेजवीर नोएडा की एक कंपनी में

कि दोनों को कितनी गोलियां लगी हैं। मृतकों की पहचान नारनौंद के बड़ाला गांव के रहने वाले तेजवीर और हांसी के सुल्तानपुर गांव की रहने वाली मीना के रूप में हुई है।उन्होंने बताया नौकरी करता था। दोनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हांसी अस्पताल में भिजवाया गया। इस पूरे मामले में पुलिस गहनता से जांच कर रही है।

तमिलनाडु में अवैध शराब से हुई मौतों को लेकर जेपी नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को लिखा पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु में अवैध शराब से हुई मौतों को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखा। उन्होंने पत्र में लिखा कि कांग्रेस ने इस मुद्दे पर चुप्पी क्यों साध रखी है। इस मामले में इंडी गठबंधन को डीएमके की सरकार को सीबीआई जांच की मांग करते हुए संबंधित मंत्री से इस्तीफे की मांग करनी चाहिए। नड्डा ने पत्र में लिखा, मैं हैरान हूं कि जब इतनी बड़ी आपदा हुई है, तो आपके नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी ने इस पर चुप्पी साध रखी है। इस समय, भाजपा और पूरा देश मांग करता है कि कांग्रेस द्रमुक-इंडी

गठबंधन सीबीआई जांच कराने के लिए तमिलनाडु सरकार पर दवाब डालें। तमिलनाडु के मंत्री मुथुस्वामी को मंत्री पद से तुरंत हटाया जाना चाहिए। पत्र में उन्होंने यह भी कहा कि अवैध शराब घटना के पीड़ित परिवारजनों से राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा मिलने जाएं और उनकी आवाज उठाएं। उन्होंने कहा कि कम से कम इस मुद्दे पर अपनी आवाज उठाने का साहस जुटाएं न कि अपमानजनक चयनात्मक, पाखंडी चुप्पी बनाए रखें। इस मुद्दे पर हमारे नेताओं ने संसद परिसर में प्रेरणा स्थल के अंदर महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने इस राज्य प्रायोजित आपदा के खिलाफ काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में इंडी गठबंधन के सदस्यों को भी शामिल होना चाहिए।

राज्यपाल कलराज मिश्र की अध्यक्षता में रेडक्रॉस सोसाइटी की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

एजेंसी

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राज्य में विद्यार्थियों को निशुल्क एक दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण की पहल होगी। चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग और रेडक्रॉस सोसायटी के समन्वय से प्रदेश में इसे क्रियान्वित किया जाएगा।

राज्यपाल मिश्र ने सोमवार को राजभवन में रेडक्रॉस सोसायटी की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक मे संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि इस संबंध में शीघ्र कार्य प्रारंभ होगा। इसके लिए हर जिले से चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से 10 मास्टर ट्रेनर्स की व्यवस्था की जाएगी।

राज्यपाल ने बैठक में राज्य के 33 जिलों के अलावा नए 17 जिलों में रेडक्रॉस सोसायटी गठन के लिए प्रभावी कार्य किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में 31 जुलाई तक आवश्यक रूप से कार्यवाही कर ली जाए। उन्होंने जिलों में वृक्षारोपण के लिए भी रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा सक्रिय भूमिका निभाने और लगाए जाने वाले पौधों के संरक्षण के लिए भी कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने रेडक्रॉस के जरिए अंगदान और देहदान के लिए लोगों को प्रेरित करने, चिकित्सा उपकरणों में सहयोग के लिए जन सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अंगदान के लिए आम जन को जागरूक करने के लिए विद्यालय स्तर पर कार्यवाही हो। इस पर बताया गया कि विद्यालयी पाठ्यक्रम में इसे शामिल करने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा जल्द विद्यार्थियों के लिए इसे लागू किया जाएगा। राज्यपाल मिश्र ने बैठक में टीबी मुक्त राजस्थान

के लिए किए जाने वाले कार्यों में रेडक्रॉस की भागीदारी की भी समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि इस संबंध में अधिकाधिक निक्षय मित्र बनाने और आम जन की भागीदारी से कार्य किया जा रहा है। बैठक में राज्यपाल ने राजस्थान को एनीमिया मुक्त किए जाने के लिए भी प्रभावी कार्य किए जाने के निर्देश दिए। इस पर बताया गया कि राजस्थान और विशेष रूप से जनजातीय क्षेत्रों में एनीमिया बीमारी से मुक्त करने की पहल की जा रही है। राज्यपाल ने जनजातीय क्षेत्रों में एनीमिया रोगियों के बारे में नियमित जानकारी लेकर उनके लिए विशेष रूप से कार्य किए जाने पर जोर दिया। बैठक में राज्यपाल ने सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता और स्क्रीनिंग के लिए किए जाने वाले कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मानव कल्याणकारी कार्यों के साथ चिकित्सा और सेवा कार्यों में जनभागीदारी बढ़ाइ जाए। रेडक्रॉस सदस्यों की संख्या में वृद्धि कर इससे जुड़ी गतिविधियों का विस्तार किया जाए। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि राज्य सरकार सार्वजनिक सहभागिता से राज्य में मानव कल्याण के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के सुधारने के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा स्वच्छता अभियान के साथ पौधा रोपण, रक्तदान, अंगदान और देहदान के लिए रेडक्रॉस के साथ मिलकर अधिकाधिक कार्य किए जाएंगे। इससे पहले इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी राजस्थान शाखा के चेयरमैन राजेश कृष्ण बिरला ने रेडक्रॉस सोसायटी की राज्य शाखा द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। सचिव विजय खत्री ने प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण के लिए किए जाने वाले कार्यों के बारे में जानकारी दी। परिवहन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रेया गुहा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निदेशक जितेन्द्र सोनी, माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक बृजमोहन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के रवि प्रकाश ने भी विचार रखे।

आज का इतिहास

- 1153: मेलकॉलम चतुर्थ स्कॉटलैंड के राजा बने।
- 1199 : हेनरी II के पुत्र जॉन की इंग्लैंड के राजा के रूप में ताजपोशी।
- 1332 : प्रसिद्ध इतिहासकार इब्ने खलदून का जन्म।
- 1805 : नेपोलियन बोनापार्ट इटली के सम्राट बने।
- 1894 : प्रख्यात आलोचक और निबंधकार पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी का जन्म।
- 1919 : तेलुगू के प्रसिद्ध विद्वान कंदुकूरी वीरेशलिंगम का निधन।
- 1926 : लेबनान ने संविधान को अंगीकार किया।
- 1928: प्रसिद्ध इतिहासकार बिपिन चन्द्र का जन्म।
- 1935 : डॉ. भीमराव अम्बेडकर की पत्नी रमाबाई अम्बेडकर का निधन ।
- 1957 : भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी का जन्म।
- 1962 : प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी एवं कमेंटेटर रवि शास्त्री का जन्म।

फुटवियर्स के साथ सजाएं अपना वॉर्डरोब

ब्लैक पंप्स

ये हिल्स आपके पास होना बेहद जरूरी है, ये आपको क्लासी और सेक्सी लुक देती हैं। इसकी खासियत है कि ये कभी आउट ऑफ फैशन नही होती और पहनने में आरामदायक होते हैं। इसलिए आप इसे पार्टी में आसानी से कैरी कर सकती हैं, ये कैजुअल और फॉर्मल दोनों लुक देती हैं।

ज्यादातर महिलाओं के अच्छे दोस्त उनके गहने होते हैं, लेकिन फुटवियर्स भी उनके अच्छे दोस्तों में से एक होते हैं। उन्हें अपने फुटवियर्स से इतना प्यार होता है कि उनकी महीने की आधी सैलेरी जूतों पर चली जाती है। घर से बाहर निकलने से पहले वो जब भी नए फुटवियर्स पहनती हैं तो, वो शीशे के सामने आधा घंटे खड़ी होती हैं। यहां बड़ा सवाल ये उठता हैं क्या महिलाओं के लिए फुटवियर्स इतने जरूरी हैं ? खैर ये सवाल आप उनसे पूछ मत बैठिएगा..! हमने कई महिलाओं को देखा है जो हमेशा फुटवियर्स को लेकर असमंजस में रहती हैं। उनका चिंता का विषय ये होता हैं कि वो ऐसे कौन से फुटवियर्स खरीद लें, ताकि उनकी वॉर्डरोब कम्प्लीट हो जाए।

ये 5 फुटवियर है ट्रेंडी और कम्फर्टेबल

फैशन की दुनिया में कितने भी ट्रेंड बदले, लेकिन आपको अपने आराम से समझौता नहीं करना चाहिए। कहा जाता है कि आपके पैरों में पहने फुटवियर के आधार पर आपका टेस्ट परखा जाता है। जो कामकाजी लोग होते हैं, उनके लिए आरामदायक फुटवियर बेहद जरूरी होते हैं, क्योंकि वो भाग दौड़ कर बस या टैक्सी करके ऑफिस जाते हैं। ऐसे में आप ट्रेंड के आधार पर फुटवियर नहीं खरीद सकते हैं। इस बात में भी कोई दोराय नहीं है कि आपकी शू रैक कई सारे फुटवियर से भरी रहती है, जिसमें से आप ज्यादातर फुटवियर छुते तक नहीं है और ऐसा इसलिए होता है क्योंकि ज्यादातर फुटवियर में आप कम्फर्टेबल महसूस नहीं करते हैं। कोई फुटवियर आपके पैरों को काटते हैं या तो किसी फुटवियर को पहनने से आपके पैर दर्द करते हैं। इसलिए आपको फुटवियर खरीदते समय कुछ टिप्स का ध्यान रखना चाहिए, साथ ही साथ ट्रेंड का भी। आप सोच रहे होंगे कि ट्रेंड और आराम एक साथ कैसे फुटवियर में मिल सकता है, लेकिन आज हम आपको ऐसे फुटवियर के बारे में बताएंगे जो ट्रेंडी और कम्फर्टेबल दोनों हैं-

फुटवियर की चौड़ाई पर ध्यान दें

कुछ भी हो फुटवियर की चौड़ाई मायने रखती है। अगर उनकी चौड़ाई कम हुई तो आपकी उंगलियां दब जाएंगी, जिसकी वजह से आप कम्फर्टेबल नहीं रहेंगे। अगर आप कम चौड़ाई में जबरदस्ती अपना पैर डालकर चलने की कोशिश करेंगी तो आपको हैमरटोज जैसी समस्या हो सकती है तो अगली बार फुटविवर शॉपिंग करते वक्त हमेशा चौड़ाई का ध्यान रखें।

लिखा हुआ साइज हमेशा सही नहीं होता

फुटवियर पर लिखा हुआ साइज जरूरी नहीं कि आपको आ जाए। हर डिजाइनर शूज बनाते वक्त अलग मॉडल का इस्तेमाल करता है। इसलिए जो साइज आपको आता है, वो शूज पर लिखा है तो बिना ट्राय करे खरीदना नहीं चाहिए। उसी साइज का फुटवियर पहने जो आपको फिट आता हो, बिना नंबर की परवाह करते हुए।

दिन के आखिर में आपको फुटवियर खरीदना चाहिए

विशेषज्ञों की मानें तो जब आप चल चुके हो तब ही फुटवियर की शॉपिंग करें। तब आपके पैर थोड़े सूज चुके होते हैं और पसीने से लथ-पथ होते हैं। तब सबसे अच्छा समय होता है, ये जानने के लिए कि वो फुटवियर आपको कम्फर्टेबल है या नहीं.. इसलिए स्टोर में शूज को ट्राय करें, चल के देखें और फिर फुटवियर खरीदें।

हील्स पर जरूर ध्यान दें

कई विशेषज्ञों का कहना है कि अगर आप कम्फर्टेबल रहना चाहते हैं तो बिना हील्स वाली फुटवियर लें, लेकिन ऐसी कई महिलाएं हैं जो हील्स में भी आराम महसूस करती हैं, लेकिन इसके लिए ये जानना बेहद जरूरी है कि आपको पता होना चाहिए कि कौन सी हील्स आपके लिए बेहतर रहेगी। अगर आपको दिनभर में ज्यादा चलना होता है तो आपको मीडियम हाइट की वेजिस लेनी चाहिए। अगर आपको कम चलना होता है तो आप स्टेलेटोज ले सकती हैं।

ज्यादा फ्लैट फुटवियर से बचें

स्नीकर्स और बैलेट फ्लैट्स महिलाएं ज्यादा पसंद करती हैं, लेकिन आपको इतनी फ्लैट्स वाली फुटवियर से बचना चाहिए। ऐसी फुटवियर में दिन के अंत में आपकी एड़िया दर्द करती है। आपको फ्लैट्स में ऐसी फुटविवर लेनी चाहिए, जिसमें अंदर सोल लगा हुआ हो, जो आपकी एड़ियों को सहारा दे। इसके अलावा भी ले सकते हैं वो थोड़े महंगे होते हैं लेकिन वो काफी समय तक चलते है।

तो आपको कभी भी ट्रेंड के लिए अपने आराम का त्याग करने की जरूरत नहीं है। इसलिए अगर आप इस टिप्स को ध्यान में रखेंगे तो आप स्टाइलिश के साथ कम्फर्टेबल महसूस करेंगे।

बूट्स

आप कलर्ड बूट्स पहनकर कैजुअल लुक को फलॉन्ट कर सकती हैं। इनमें हर साइज की हील्स होती है, आप अपने हिसाब से खरीद सकती है। ये बूट्स आपको स्टाइल स्टेटमेंट देने में मदद करता हैं।

बैलिट फलैट्स

इसे आप स्किन टाइट जींस के साथ पहन सकती है और ये चलने में भी आरामदायक होती हैं। सिर्फ यही नहीं ये वर्किंग महिलाओं के लिए सबसे अच्छा साथी होता हैं।

ग्लेडियेटर्स

ये भी उन हील्स में से एक हैं जो कभी आउट ऑफ फैशन नहीं होती हैं। अगर आपको अपने ऊपर प्रयोग करना पसंद हैं तो आप इसे ट्राय कर सकती हैं। इसे आप किसी शॉर्ट और डेनिम के साथ पहन सकती हैं।

स्नीकर्स

आजकल इनका बहुत चलन है और ये हर महिला की वॉर्डरोब में शामिल भी होती हैं। ये हल्की और आरामदायक होती हैं, इसे पहनकर आप ट्रिप पर या शॉपिंग करने जा सकती हैं

वैजिस

ये फुटवियर्स सबसे ज्यादा क्लासी और आरामदायक होती हैं। अन्य हील्स बेशक आपके पैरों या कमर में दर्द कर सकती हैं, लेकिन ये उनमें से नहीं हैं।

किटन हील्स

अगर आपके वॉर्डरोब में ये फुटवियर्स नहीं हैं तो आपको अपने कलेक्शन को बढ़ाने की जरूरत हैं। ये आमतौर पर चमड़े की बनी होती हैं, जिसकी वजह से ये क्लासी और लंबे समय तक चलती हैं।

मेटलिक हील्स

आप अपने ग्लिटरी लुक को हाइलाइट करने के लिए इसे पहन सकते हैं। ये पहनने में कम्फर्टेबल होती हैं और ये आपके पार्टी लुक को बढ़ाती हैं।

ऐनीमल प्रिंट वाले जूते

कौन कहता हैं आपको अपनी बॉडी पर एनिमल लुक के लिए एनिमल को मारना पड़ेगा। आप हील्स पर एनीमल प्रिंट का आनंद ले सकते हैं।

फ्लैट

आजकल हर किसी को हर समय हील्स पहनना पसंद नहीं होता हैं। कभी-कभी आप हिल्स से ब्रेक लेकर फ्लैट भी ट्राय कर सकती हैं। फ्लैट्स कितनी कम्फर्टबल होती हैं ये हमें पता हैं, इसलिए आप इसे किसी कैजुअल कपड़ों के साथ पहन सकते हैं।

फ्लिप-फ्लॉप

आप इस कैजुअल पीस को पहनकर भी स्मार्ट लग सकती हैं और ये कितनी आरामदायक होती हैं ये तो आपको पता ही होगा।

अपने पुराने फुटवियर को दें नया लुक

हर कोई अपने लुक में निखार लाने के लिए स्टाइलिश आऊटफिट के साथ फुटविवर्स का चुनाव भी फैशन के हिसाब से ही करता है और उसकी यही चाहत होती है कि उसके द्वारा पसंद किए गए फुटवियर काफी लंबे समय तक सही चलें और उनकी चमक भी बनी रहे, लेकिन समय के साथ फुटवियर की चमक जल्द ही साथ देना छोड़ देती है। जिससे दोबारा हमें नए जूते खरीदने पड़ते है। पर यदि आप थोड़ी सी मेहनत करेंगे तो आप अपने पुराने फुटवियर में नई जान ला सकती है। आज हम आपको फुटवियर में नई चमक लाने के ऐसे उपाय बताएंगे, जिससे आप घर पर ही रहकर कम कीमत के साथ पुराने फुटवियर को नया लुक प्रदान कर सकती हैं और वह भी अपनी पसंद के अनुसार उन्हें और ज्यादा स्टाइलिश भी बना सकती हैं। हमारे द्वारा बताए जाने वाले ट्रिक्स सामान्य चप्पलों से लेकर हील वाली सेंडिल्स तक पर आजमाकर आप उन्हें नया स्टाइलिश लुक प्रदान कर सकती हैं।

सामान्य फुटवियर

यदि आपके फुटवियर सामान्य हैं तो इसे खूबसूरत बनाने के लिए आप घर पर रखी मोतियों या बाजार में मिलने वाले फैब्रिक कपड़े से इनको काफी अच्छा लुक प्रदान कर सकती हैं। इसके लिए आपको ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं है, बस अपनी पसंद के मोतियों और बने बनाए फ्लावर को फुटवियर में चिपकाते जाएं, बस फिर देखिए कितना अच्छा लुक देखने को मिलेगा। चप्पल चाहे वो प्लास्टिक की हो या लेदर की या फिर कपड़ों से बनी हुई सभी को आप घर रखें फालतू सामान से सजा कर नई डिजाइन में तैयार कर खूबसूरत बना सकती है।

हील्स को बनाएं ग्लैमरस

हील्स सेंडिल्स का लुक तो अपने आप में ही सुंदर लगता है पर लगातार पहनते रहने से ये काफी घिस जाती हैं, जिससे इनकी चमक खो जाती है, इन हिल्स में फिर नई चमक लाने आपको घबराने की आवश्यकता नहीं है, बाजार में आपको हील कंडोम्स नई-नई डिजाइनों के साथ मिलेंगे। यह दिखने में काफी खूबसूरत होते हैं। इनकी मदद से आप सेंडिल्स की खूबसूरती को निखार सकती हैं। सेंडिल्स के लुक को आप अपने कपड़ो के अनुसार भी चयनित कर सकती हैं। ये हील कंडोम्स जितने ज्यादा दिखने में खूबसूरत लगते हैं उतने ही अच्छे यह आपकी सेंडिल्स में लगने के बाद लगते है।

पुरानी सैंडल्स को यूं बनाए स्टाइलिश

अक्सर देखा जाता है कि जूते हो या चप्पल जब हम लगातार इसका उपयोग करते रहते हैं तो इसका लेदर झड़कर गिरने लगता है और इसकी लास्टिक भी कमजोर पड़ जाती है। इस परेशानी को दूर करने के लिए आप घर बैठे ही इसका इलाज कर चप्पलों की खूबसूरती बढ़ाने के साथ उनमें एक नई जान डाल सकती हैं। इसके लिए आप चमकदार कलरदार धागों की मदद इसे सिलते जाए। नए-नए फेब्रिक कपड़ों की मदद से लास्टिक की जगह पर इनका उपयोग करके इन्हें और अधिक खूबसूरत बना सकती है।

बैलेरिनास को कुछ ऐसे बनाएं मजेदार

आप अपनी बैलेरिनास को कई कलर्स की मदद से काफी अच्छा लुक प्रदान कर सकती है। इसके लिए कलरदार ऊन को एकत्रित करके उसे आपसे में जोड़कर काट लें और छोटे-छोटे गुच्छेदार बनाकर उसको मोती के साथ मिलाकर सिल कर रखते जाए, फिर इन्हें एक-एक कर अपनी वेली या चप्पलों में चिपका लें, फिर देखिए इसकी खूबसूरती कितनी अधिक बढ़ जाती है। इसे आप अपने पंसद के अनुसार अलग-अलग रंगों के धागों या मोती की मदद से कई तरह की सुंदर लुक प्रदान करके सेंडिल्स या चप्पलों को स्टाइलिश बनाकर इनमें नई जान प्रदान कर सकती है।

स्नीकर्स में दें ट्विस्ट

अपने पुराने और बोरिंग स्नीकर्स में कुछ नया लुक देना चाहती हैं तो इसके लिए आप मटैलिक स्टड्स की सहायता से बड़ी ही आसानी के साथ अपने स्नीकर्स को बना सकती हैं स्टाइलिश और फैशनेबल। इसके लिए आप सुंदर डिजाइन की लेस को लेकर या मल्टी कलर्स के रिबन के साथ इन्हें काटकर आप अपनी सेंडिल्स में अच्छी तरह से चिपका लें। इसके बाद इसमें और अधिक खूबसूरती लाने के लिए रिबन के बीच में कोई बड़ा सा स्टोन लगा लें फिर देखिए आपकी पुरानी सेंडिल्स में एक नई जान आ जाएगी।

महिलाओं के पास होने चाहिए ये 3 फुटवियर्स

हर महिला खूबसूरत दिखना चाहती है। इसके लिए वह जितना ध्यान अपनी ड्रेस पर देती है, उतना ही ध्यान अपने शूज पर भी देती है। आपके पास चाहे जितने भी तरह के फुटवियर्स हो, लेकिन हम यहां आपको 3 ऐसे स्टाइलिश फुटवियर्स के बारे में बता रहे हैं, जो हर महिला के पास होने चाहिए। अगर यह 3 अलग स्टाइल के फुटवियर्स आपके पास होंगे, तो आप हर मौके पर काफी स्टाइलिश और आकर्षक नजर आएंगी

ट्रेंडी और फंकी स्टेलेटोज

भले ही स्टेलेटोज पहनने में आपको कभी-कभी काफी दिक्कत आती है और हाई हील्स के कारण पैरों में दर्द भी होता होगा, लेकिन अगर आपको सेक्सी और स्टाइलिश दिखना है तो आपके पास स्टेलेटोज शूज जरूर होने चाहिए। हील्स में न सिर्फ लंबी लड़कियां बल्कि छोटे कद की लड़कियां भी काफी आकर्षक लगती हैं। लड़कों को हाई हील्स में लड़कियां काफी अच्छी लगती हैं, आप इतनी खूबसूरत लगेंगी कि लड़के आपकी तरफ खींचे चले आएंगे। इतना ही नहीं किसी पार्टी के लिए स्टेलेटोज बिलकुल परफेक्ट हैं। इन्हें पहनने से आपकी टांगें काफी खूबसूरत दिखेंगी, साथ ही आपका पूरा बॉडी शेप काफी सुडौल लगेगा। इन्हें पहनकर आप पार्टी में काफी हॉट लगेंगी। आप चाहें तो इन्हें एक एलिगेंट पार्टी ड्रेस और खूबसूरत ज्वेलरी के साथ पहन सकती हैं।

स्टाइलिश पम्प शूज

आप चाहें छोटी या बड़ी हील्स के पंप शूज पहनें। इनमें आप काफी अच्छी लगेंगी। साथ यह आपको एक नया और आकर्षक लुक भी देगा। आप चाहें तो ओपन टोज या स्लिंग बैक्स पंप भी पहन सकती हैं। इतना ही नहीं इन्हें आप अपने ऑफिस में भी पहन सकती हैं। अगर आपके दोस्त अचानक ही कहीं बाहर जाने की प्लैनिंग करते हैं तो आप इन्हें पहन सकती हैं। आप चाहें तो इस स्मार्ट और स्टाइलिश लुक में नाइट आउट पर भी जा सकती हैं। इसलिए अपने लिए पंप शूज चुनते वक्त अपने कम्फर्ट का भी पूरा ध्यान रखें।

कंफर्टेबल स्मार्ट शूज

भले ही आप हील्स में कितनी भी स्टाइलिश और सेक्सी लगें, लेकिन आप इनमें कम्फर्टेबल महसूस नहीं करती। इसलिए अगर आपको ज्यादा चलना हो तो कम्फर्टेबल शूज को चुनें। आप चाहें को आरामदायक स्नीकर्स या फ्लिप फ्लॉप सैंडल्स को भी अपने लिए चुन सकती हैं। इस तरह की कम्फर्टेबल फुट वियर्स में भी आप स्टाइलिश और सेक्सी लग सकती हैं।

भारतीय रिकर्व तीरंदाजों ने जीते दो कांस्य पदक

एजेंसी

पेरिस। भारतीय तीरंदाजों ने पेरिस ओलंपिक से पहले शानदार प्रदर्शन करते हुए तीरंदाजी विश्व कप के तीसरे चरण में दो कांस्य पदक और जीते। भारत के लिए धीरव बोम्मादेवरा और भजन कौर की मिक्स्ड रिकर्व टीम ने मैक्सिको को हराकर कांस्य पदक जीता। भारत ने इस तरह इस टूर्नामेंट में अपने अभियान का समापन चार पदक के साथ किया। भारत के लिए इससे पहले शनिवार को ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की महिला कंपाउंड टीम ने स्वर्ण पदक जबकि प्रियांश ने रजत पदक जीता था।

मिक्स्ड डबल्स में तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी पहला सेट हारने के बाद 0-2 से पिछड़ रही थी, लेकिन उसके बाद उसने बेहतरीन वापसी करके मैक्सिको के एलेजांद्रा वालेंसिया और मटियास ग्रांडे को 5-3 (35-38, 40-39, 38-37, 38-38) से हराया। धीरज ने इसके बाद व्यक्तिगत वर्ग के क्वालीफिकेशन में तीसरे स्थान पर रहने के बाद देश को एक और पदक दिलाया। उन्होंने इटली के नौवें वरीय मार्को नेस्पोली को 7-3 (28-27, 29-28, 27-28, 28-28, 30-29) से हराया। यह विश्व कप में उनका दूसरा कांस्य पदक है। उन्होंने पिछले साल इसी स्थान पर प्रतियोगिता के शुरुआती चरण में अपना पहला पदक जीता था। धीरज इससे पहले सेमीफाइनल में दुनिया के तीसरे नंबर के पूर्व ओलंपिक टीम पदक विजेता दक्षिण कोरिया के किम वूजिन से हार गए थे। सेना के इस जवान को अंतिम चार मैच में 2-6 (29-29, 27-30, 29-29, 27-29) से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

आईओए ने पूर्व ओलंपियनों के लिए चिकित्सा बीमा, पेंशन शुरू करने का प्रस्ताव रखा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि देश का यह शीर्ष खेल निकाय सभी पूर्व ओलंपियनों के लिए चिकित्सा स्वास्थ्य बीमा और पेंशन योजना लाने योजना तैयारी की है। उषा ने आईओए की कार्यकारी समिति को सिफारिशें प्रस्तावित की हैं जिन पर जल्द ही चर्चा होगी। उषा को यह विचार भारतीय तीरंदाज लिंबा राम की दुर्दशा को देखने के बाद आया। प्रस्ताव के मुताबिक आईओए इन सभी खर्चों को पूरी तरह से अपने खजाने से वहन करेगा। उषा ने यहां अपने आवास पर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के मौके पर महान भारतीय खिलाड़ी गुरबचन सिंह रंधावा को सम्मानित करते हुए कहा, आईओए कई एथलीट-केंद्रित कदम उठा रहा है और इनमें से हमारे सभी पूर्व-ओलंपियनों के लिए चिकित्सा बीमा और पेंशन शामिल है। उषा ने कहा,हमने सभी पूर्व ओलंपियनों के लिए कार्यकारी समिति सदस्यों को प्रस्ताव सौंप दिया है। यह पूर्व ओलंपियनों के लिए आईओए की ओर से एक छोटी सी मदद है। हमें अपने सभी पूर्व ओलंपियनों के योगदान की सराहना करना चाहते हैं। उषा ने कहा कि उन्हें यह विचार तब आया जब वह बीमार ओलंपियन लिंबा राम से मिलीं थी। तीरंदाजी के इस दिग्गज खिलाडी को मस्तिष्क आघात हुआ था और उन्होंने वित्तीय सहायता के लिए व्हीलचेयर पर आईओए से संपर्क किया था।

भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर किया क्लीन स्वीप, शतक की हैट्रिक लगाने से चूकीं मंधाना

नई दिल्ली। उपकप्तान स्मृति मंधाना की शानदार पारी के दम पर भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को तीसरे वनडे मुकाबले में छह विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम की। दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान लॉरा वोलवार्ट के अर्धशतक की मदद से 50 ओवर में आठ विकेट पर 215 रन बनाए। जवाब में मंधाना ने 83 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से 90 रन की पारी खेली जिसके दम पर भारत ने 40.4 ओवर में चार विकेट पर 220 रन बनाकर मैच जीता।

पहले दो मैचों में शतक लगाने वाली मंधाना महज 10 रन से लगातार तीसरा शतक लगाने से चूक गईं। पिछले दो मैचों में 117 और 136 रन की पारियां खेलने वाली मंधाना ने इस मैच में तीन शानदार साझेदारी कर टीम की जीत में योगदान दिया। उन्होंने पहले विकेट के लिए शेफाली वर्मा (25) के साथ 71 गेंद में 61 रन, जबकि दूसरे विकेट के लिए प्रिया पूनिया (28) के साथ 66 गेंद में 62 रन की साझेदारी की। उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत कौर (42) के साथ तीसरे विकेट के लिए 47 गेंद में 48 रन की साझेदारी की। मंधाना ने 18वें ओवर में नोनदुमिसो शेनगेस के खिलाफ चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। मंधाना कुछ शानदार चौके लगाकर तेजी से लगातार तीसरे शतक की ओर बढ़ रही थीं, लेकिन नॉनकुलुलेको म्लाबा के खिलाफ स्वीप शॉट को फाइन लेग पर खड़ी पर खाका के हाथों में खेल गईं। हरमनप्रीत और जेमिमा रोड्रिग्स (नाबाद 19) जीत की औपचारिकता पूरी करने वाली थीं तभी भारतीय कप्तान रन आउट हो गईं। ऋचा घोष ने हालांकि छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी।

टी-20 विश्व कप: दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में, वेस्टइंडीज को दी 3 विकेट से शिकस्त

एजेंसी

एंटिगुआ। दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार की सुबह (भारतीय समयानुसार) यहां आईसीसी टी-20 विश्व कप के सुपर 8 के एक रोमांचक मुकाबले में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। बारिश से बाधित इस मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 135 रन बनाए।

जवाब में जब दक्षिण अफ्रीका की टीम बल्लेबाजी करने उतरी तो पहले ओवर में क्विंटन डी कॉक ने 12 रन जोड़े। हालांकि आंद्रे रसेल ने दूसरे ओवर में रीजा हैंड्रिक्स (00) और डी कॉक (12) को आउट कर अफ्रीकी टीम की शुरुआत बिगाड़ दी। बारिश ने डाला खेल में खलल, दक्षिण अफ्रीका को 17 ओवर में मिला 123 रनों का लक्ष्य हालांकि इसके बाद बारिश शुरु हो गई। बारिश रूकने के बाद दक्षिण अफ्रीका को डकवर्थ लुइस नियम के आधार पर 17 ओवर में 123 रनों का संशोधित लक्ष्य मिला।

दक्षिण अफ्रीका को कप्तान एडन मार्करम और ट्रिस्टन स्टब्स ने सधी शुरुआत दिलाई। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 27 रन जोड़े, इस साझेदारी को अल्जारी जोसेफ ने

मार्करम को आउट कर तोड़ा। मार्करम ने 15 गेंदों पर 2 चौकों की बदौलत 18 रन बनाए।

मार्करम के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए हेनरिक क्लासेन ने तेजी से बल्लेबाजी करनी शुरु की और केवल 10 गेंदों पर 3 चौके और 1 छक्के की बदौलत 22 रन बनाए। 77 के कुल स्कोर पर अल्जारी जोसेफ ने क्लासेन को विकेटकीपर पूरन के हाथों कैच आउट कराया। डेविड मिलर कुछ खास नहीं कर सके और 93 के कुल स्कोर पर रोस्टन चेज ने उन्हें बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका पांचवां झटका दिया।

इसके बाद संभलकर खेल रहे ट्रिस्टन स्टब्स ने चेज को छक्का मारने के चक्कर में मिडऑन पर काइल मेयर्स को कैच थमा दिया। स्टब्स ने 27 गेंदों पर 4 चौकों की बदौलत 29 रन बनाए। 16वें ओवर में 110 के कुल स्कोर पर केशव महाराज (02) को रोस्टन चेज ने आउट कर दक्षिण अफ्रीका को सातवां झटका दिया, यहां से लगा कि अफ्रीकी टीम एक बार फिर अपने उपर लगी चोकर्स के ठप्पे को सही साबित कर देगी, लेकिन मार्को यान्सन और कागिसो रबाडा ने टीम को 5 गेंद रहते जीत दिला दी। यान्सन ने 17वें ओवर की पहली गेंद पर छक्का लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। यान्सन 14 गेंदों पर 1 चौके और 1 छक्के की बदौलत 21 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं. रबाडा 3 गेंदों पर 5 रन बनाकर अविजित लौटे।वेस्टइंडीज की तरफ से रोस्टन चेज ने 3 और आंद्रे रसेल और अल्जारी जोसेफ ने 2-2 विकेट लिया।

वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 8 विकेट पर बनाए 135 रन

इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट पर 135 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए रोस्टन चेज ने बेहतरीन अर्धशतक लगाते हुए 52 रन बनाए, वहीं काइल मेयर्स ने 35 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। इन दोनों के अलावा आंद्रे रसेल ने 15 और अल्जारी जोसेफ ने 11 रन बनाए।

डब्ल्यूटीटी कंटेंडर एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं श्रीजा अकुला

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीजा अकुला डब्ल्यूटीटी कंटेंडर एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय पैडलर बन गईं हैं। उन्होंने नाइजीरिया के लागोस में फाइनल में चीन की विश्व नंबर 504 डिंग यिजी को 4-1 (10-12, 11-9, 11-6, 11-8, 11-6) से हराया।

भारत की दूसरे नंबर की पैडलर ने अर्चना कामथ के साथ मिलकर हमवतन दीया चितले और यशस्विनी घोरपड़े को 3-0 (11-9, 11-6, 12-10) से हराकर महिला युगल का खिताब भी जीता। श्रीजा और अर्चना ने सेमीफाइनल में एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता अयहिका मुखर्जी और सुतीर्थ मुखर्जी के खिलाफ 3-0 (11-7, 11-5, 12-10) से जीत हासिल की थी। दूसरी ओर, दीया और यशस्विनी ने अपने अंतिम-चार मुकाबले में चीन के सुन सिनान और डिंग पर 3-1 (14-12, 6-11, 11-6, 11-7) से जीत दर्ज की थी। हरमीत देसाई और मानव ठक्कर इस स्तर पर जीत हासिल करने वाले पहले भारतीय पुरुष युगल बन गए, उन्होंने पुरुष युगल फाइनल में स्थानीय पसंदीदा अजीज सोलंके और ओलाजिदे ओमोटायो को 3-0 (11-8, 11-9, 11-8) से हराया। श्रीजा, अर्चना, हरमीत और मानव पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय टेबल टेनिस टीम का हिस्सा हैं, जिसका नेतृत्व शरत कमल और मनिका बत्रा करेंगे।

इटली ने जापान को हराकर महिला वॉलीबॉल नेशंस लीग का खिताब जीता

एजेंसी

बैंकॉक। इटली ने फाइनल में जापान को 25-17, 25-17, 21-25, 25-20 से हराकर एफआईवीबी महिला वॉलीबॉल नेशंस लीग (वीएनएल) का खिताब जीत लिया है।

इटली की स्टार खिलाड़ी पाओला एगोनू ने गेम में सर्वाधिक 27 अंक बनाए। 25 वर्षीय खिलाड़ी, जिसने अपनी टीम के 12 किल ब्लॉक में से चार रिकॉर्ड किए और इटली के 66 सफल हमलों में से 23 को अंजाम दिया, को महिलाओं की वीएनएल 2024 की सबसे मूल्यवान खिलाड़ी नामित किया गया। मैच में पहले दो सेट हारने के बाद, जापान ने तीसरा सेट जीतकर मैच में वापसी की, लेकिन

वे इससे ज़्यादा नहीं कर पाए और चौथे सेट में हार के साथ ही उन्हें जापान को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जो कि वीएनएल में टीम का अब तक का सर्वश्रेष्ठ परिणाम है। पोलैंड ने पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में ब्राजील को हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय हाकी टीम का मुख्य चयनकर्ता होंगे डॉ. आर.पी. सिंह

एजेंसी

लखनऊ। टोक्यो ओलंपिक की ऐतिहासिक कांस्य पदक विजेता भारतीय पुरुष हॉकी टीम इस बार पेरिस ओलंपिक में पदक के लिए मजबूत दावेदारी करेगी। इस दिशा में सोमवार से बेंगलुरु के साई सेंटर में शुरू होने वाले दो दिवसीय ट्रायल के माध्यम से आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम का चयन किया जाएगा। इस टीम का चयन हॉकी इंडिया के मुख्य चयनकर्ता डॉ. आरपी सिंह की मौजूदगी में होगा। पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी व यूपी हॉकी के सचिव डॉ.आरपी सिंह उत्तर प्रदेश के खेल निदेशक भी हैं। इस बारे में डॉ.आरपी सिंह ने कहा कि भारतीय हॉकी में वर्तमान में बहुत सारे प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और हम पेरिस ओलंपिक में पोडियम पर पहुंचने के हकदार हैं । मेरा प्रयास होगा कि निष्पक्ष ट्रायल के माध्यम से समुचित टीम का चयन किया जाये पेरिस ओलंपिक खेलों में मुख्य चयनकर्ता डॉ. आरपी सिंह हॉकी इंडिया का भी प्रतिनिधित्व करेंगे जिनके कार्यकाल में भारतीय हॉकी टीम का प्रदर्शन निरंतर सुधार के पथ पर अग्रसर है। पिछले एक साल में पुरुष और महिला दोनों भारतीय टीमों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन किया है। इसमें पुरुष टीम ने एशियाई खेल व एशियाई हॉकी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता, वहीं महिला टीम एशियाई हॉकी चैंपियनशिप में शीर्ष पर रही। इसके साथ ही जूनियर एशिया कप में लड़कों और लड़कियों की टीमों ने अच्छा प्रदर्शन किया। बताते चलें कि एशियाई खेल-2023 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक-2024 का टिकट हासिल किया है। भारत की पुरुष टीम ने टोक्यो ओलंपिक-2020 में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था जो 41 साल के अंतराल के बाद हॉकी में भारत का पहला ओलंपिक पदक था। दूसरी ओर इस जनवरी में रांची में क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में कोटा न पाने के चलते भारतीय महिला हॉकी टीम पेरिस 2024 ओलंपिक में भाग नहीं लेगी।

यूरो 2024: ग्रुप ए विजेता के रूप में जर्मनी ने अंतिम 16 में किया प्रवेश

एजेंसी

बर्लिन। निकोलस फुलक्रग के अंतिम क्षणों में किए गए गोल की मदद से मेजबान जर्मनी ने स्विटजरलैंड के साथ 1-1 से ड्रा खेला और ग्रुप ए विजेता के रूप में यूरो 2024 के अंतिम 16 दौर में प्रवेश किया।

जर्मनी पहले ही दो गेम में दो जीत हासिल कर चुका था और उसे ग्रुप में जीत हासिल करने के लिए सिर्फ़ एक अंक की ज़रूरत थी।मैच में स्विटजरलैंड ने अच्छी शुरुआत की और मैच के 28वें मिनट में रेमो फ्र्यूलर ने गेंद को डैन एनडोये के पास पहुंचाया, जिन्होंने गेंद को गोल पोस्ट में डालकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

एनडोये को कुछ ही क्षणों बाद स्विटजरलैंड की बढ़त दोगुनी करने का मौका मिला, लेकिन वह 16

मीटर की दूरी से गोल करने से चूक गए। स्विटजरलैंड की टीम मध्यांतर तक 1-0 से आगे रही मध्यांतर के बाद जर्मनी ने गेंद पर कब्जा कर लिया और मैच में वापसी करने का प्रयास किया। 84वें मिनट में स्विट्जरलैंड को एक और गोल करने का मौका मिला, लेकिन रुबेन वर्गास के गोल को ऑफ़साइड करार दिया गया। जर्मनी ने लगातार प्रयास जारी रखा और मैच के अंतिम क्षणों में उन्हें इसका इनाम मिला जब फुलक्रग ने डेविड राउम के क्रॉस को गोल में बदलकर मैच 1-1 से बराबरी पर पहुंचा दिया। इस ड्रा के साथ ही जर्मनी ने ग्रुप ए विजेता के रूप में यूरो 2024 के अंतिम 16 दौर में प्रवेश किया।

ग्रुप ए में जर्मनी 7 अंकों के साथ शीर्ष पर रहा, उसके बाद स्विट्जरलैंड (5 अंक), हंगरी (3 अंक) और स्कॉटलैंड (1 अंक) रहे।यूरो 2024: ग्रुप ए विजेता के रूप में जर्मनी ने अंतिम 16 में किया प्रवेश ।

एशियन चैंपियनशिप में रोहतक की मुस्कान व दिपांशी ने अंडर-17 मुकाबलों में जीता स्वर्ण, परिवार में जश्न

एजेंसी

रोहतक। रोहतक के सर छोटू राम स्टेडियम अखाड़े की दो महिला पहलवान दीपांशी व मुस्कान ने जार्डन में आयोजित अंडर-17 एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लिया है। ये चैंपियनशिप जार्डन में 22 से 30 जून तक हो रही है। कोच

मंदीप ने बताया कि जार्डन में आयोजित कुश्ती एशियन चैंपियनशिप में गांव रिठाल निवासी दीपांशी 46 किलोग्राम भार वर्ग व गांव अस्थल बोहर निवासी मुस्कान 53 किलोग्राम भार वर्ग में दोनों पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दोनों पहलवानों के शानदार प्रदर्शन से अखाड़े की सभी पहलवानों को प्रेरणा मिलती है। स्वर्ण पदक जीतने पर पहलवानों के परिवार व अखाड़े में खुशी का माहौल है। मंगलवार को घर लौटने पर दोनों पहलवानों का जोरदार स्वागत किया जाएगा। एशियन चैंपियनशिप में पहले अंडर-17 व बाद में अंडर-19 के मुकाबले होंगे।

एशिया कप के लिए बांग्लादेशी टीम में रूमाना अहमद, जहांआरा आलम की वापसी

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आगामी महिला एशिया कप के लिए रूमाना अहमद और जहांआरा आलम की अनुभवी जोड़ी को अपनी राष्ट्रीय टीम में वापस बुलाया है। एशिया कप का आयोजन 19 से 28 जुलाई तक श्रीलंका में किया जाएगा।

रुमाना ने आखिरी बार फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के दौरान बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया था, जबकि जहाँआरा ने आखिरी बार मई 2023 में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला के दौरान बांग्लादेश के लिए खेला था। टीम की घोषणा के बाद बीसीबी की महिला विंग के मुख्य चयनकर्ता सज्जाद अहमद ने कहा, यह विश्व कप से पहले हमारा आखिरी प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट होगा। इसलिए हम इस टूर्नामेंट के लिए कुछ बदलाव करने का विकल्प चुनते हैं।

उन्होंने कहा, रुमाना और जहाँआरा लगभग एक साल से राष्ट्रीय टीम से बाहर थीं। प्रीमियर लीग में उनका प्रदर्शन काफी शानदार रहा... हम अनुभवी, प्रतिभाशाली

और युवा क्रिकेटरों के साथ एक संतुलित टीम बनाना चाहते थे। प्रीमियर लीग में उनके प्रदर्शन ने भी हमें टीम बनाने में मदद की।

हाल ही में संपन्न ढाका प्रीमियर डिवीजन महिला क्रिकेट लीग 2023-24 के दौरान शानदार प्रदर्शन करने के बाद दोनों वरिष्ठ क्रिकेटरों को चुना गया।

रुमाना ने चैंपियन मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब के लिए 241 रन बनाए और 17 विकेट भी लिए, जबकि अबाहानी लिमिटेड का प्रतिनिधित्व करने वाली जहाँआरा ने टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट (25) लिए। इन दो क्रिकेटरों के अलावा, बीसीबी ने टूर्नामेंट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम में अनकैप्ड ओपनिंग बल्लेबाज इश्मा तंजीम और बाएं हाथ की स्पिनर सबिकुन नाहर जेसमिन को भी शामिल किया।

बांग्लादेश, जो श्रीलंका, मलेशिया और थाईलैंड के साथ ग्रुप बी में है, 20 जुलाई को मेजबान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, उसके बाद वे 22 और 24 जुलाई को दांबुला में होने वाले अपने शेष ग्रुप मैचों में क्रमशः थाईलैंड और मलेशिया का सामना करेंगे।

भारत, पाकिस्तान, नेपाल और यूएई के साथ ग्रुप ए में है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें 26 जुलाई को होने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी, जबकि फाइनल 28 जुलाई को होगा।

बांग्लादेश की टीम इस प्रकार है: निगार सुल्ताना जोटी (कप्तान), नाहिदा अख्तर (उपकप्तान), मुर्शिदा खातुन, दिलारा अख्तर, रूमाना अहमद, रितु मोनी, मारुफा अख्तर, जहांआरा आलम, रबेया खान, सुल्ताना खातुन, रुबिया हैदर झेलिक, शोरना अख्तर, इश्मा तंजीम, सबिकुन नाहर जेस्मिन और शोरिफा खातुन।

टी20 विश्वकप: जॉर्डन की हैट्रिक और बटलर के तूफान में उड़ा यूएसए, 10 विकेट से जीता इंग्लैंड

एजेंसी

बारबाडोस। टी20 विश्वकप के सुपर-8 मुकाबले में इंग्लैंड ने यूएसए को 10 विकेट से हरा दिया है। 62 गेंद शेष रहते इंग्लैंड की इस जीत से उनके रन रेट में भी काफी सुधार हुआ और वो सेमीफाइनल में क्वालीफाई कर गई। इंग्लैंड की जीत में जहां तेज गेंदबाज क्रिस जॉर्डन की हैट्रीक की भूमिका रही, वहीं बल्लेबाजी में कप्तान जोस बटलर ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर अमेरिकी गेंदबाजों की लाइन लेंथ ही बिगाड़ दी। इस बीच बटलर ने हरमीत सिंह के एक ही ओवर में 5 छक्के लगाए। हरमीत के ओवर में कुल 32 रन आए।

यूएसए की ओर से मिले 116 रन के लक्ष्य को जोस बटलर और फिलिप सॉल्ट ने 9.4 ओवर में प्राप्त कर लिया। बटलर की 38 गेंदों में 83 रन की तेज तर्रार पारी और फिलिप सॉल्ट की 25 रन की बल्लेबाजी ने इंग्लैंड को बिना किसी क्षति के मैच जीतने में मदद की। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए यूएसए ने 115 रन बनाए।

यूएसए की टीम पूरे ओवर भी नहीं खेल सकी और 19वें ओवर में ही ऑलआउट हो गई। यूएसए के लिए नितीश कुमार ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। उनके अलावा, कोरी एंडरसन ने 29 रन, हरमीत सिंह ने 21 रन और स्टीवन टेलर ने 12 रन बनाए। जबकि एरोन जेम्स ने 10 रन का योगदान दिया। इंग्लैंड के लिए सबसे सफर गेंदबाज क्रिस जॉर्डन रहे, जिन्होंने हैट्रीक के साथ एक ही ओवर में चार विकेट चटकाए। जॉर्डन टी20 वर्ल्ड कप 2024 में हैट्रिक लेने वाले दूसरे गेंदबाज भी बनें। उनसे पहले ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस इसी वर्ल्ड कप में 2 बार हैट्रिक ले चुके हैं।

ओलंपिक डे रन के बाद पचास उदीयमान खिलाड़ियों को दिया गया विजयपथ सम्मान

एजेंसी

लखनऊ। पेरिस ओलंपिक में भाग ले रहे भारतीय खिलाड़ियों की हौसला अफजाई के लिए लखनऊ में ओलंपिक डे रन का आयोजन किया गया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के नेतृत्व में लखनऊ ओलंपिक संघ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक दिवस-2024 पर हुई ओलंपिक डे रन के बाद आयोजित ओलंपिक दिवस समारोह में 50 उदीयमान खिलाड़ियों को विजयपथ सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक (चेयरमैन, उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ) ने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण कर सभी का उत्साहवर्द्धन किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि डबल इंजन की सरकार ने खेलों को गति देने का काम किया है और अब खेल नई ऊंचाईयों को छू रहे हैं।

उन्होंने ओलंपिक दिवस के आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से लखनऊ में खेलों को नए आयाम मिलेंगे, इसके लिए लखनऊ ओलंपिक संघ के महासचिव डा.सैयद रफत जुबैर रिजवी के नेतृत्व में उनकी पूरी टीम बधाई की पात्र हैं। इससे पहले आज आयोजित ओलंपिक डे रन को उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव डॉ.आनन्देश्वर पाण्डेय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ओलंपिक दिवस समारोह की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने कहा कि लखनऊ ओलंपिक संघ द्वारा हुआ यह आयोजन लखनऊ के खिलाड़ियों के हौसले का प्रतीक है और आज इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ी यहां इकट्ठे हुए, उसकी जितनी भी सराहना की जाये, वह कम है।

रोनाल्डो के साथ 'सेल्फी' लेने की घटना के बाद एक्शन में यूएफा

एजेंसी

ढाका। यूरोपीय चैम्पियनशिप में खेल प्रेमियों को खिलाड़ियों तक पहुंचने से रोकने के लिए मैदान के बाहर किनारे पर सुरक्षा बढ़ायी जाएगी क्योंकि कम से कम छह प्रशंसकों ने स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ सेल्फी लेने की कोशिश की थी। यूएफा ने कहा कि जर्मनी के 10 स्टेडियमों में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए जायेंगे। हालांकि इस योजना के संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। यूएफा ने कहा, 'पिच पर किसी भी तरह घुसने की कोशिश करना स्टेडियम के नियमों का उल्लंघन होगा जिसके कारण उसे स्टेडियम से बाहर कर दिया जाएगा। साथ ही उसे टूर्नामेंट के सभी मैचों से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और मैदान में घुसने के लिए आपराधिक शिकायत दर्ज की जाएगी।' पुर्तगाल की तुर्की पर मिली 3-0 की जीत के दौरान चार प्रशंसक सेल्फी लेने के लिए रोनाल्डो का पीछा करते हुए मैदान पर आ गए थे। मैच खत्म होने के बाद और भी खेल प्रेमियों ने सेल्फी लेने की कोशिश की। हालांकि, वे सिर्फ सेल्फी लेना चाहते थे लेकिन टूर्नामेंट सुरक्षा योजना के अंतर्गत खिलाड़ियों को किसी भी नुकसान से बचाना भी शामिल है।

अमीषा पटेल

सिर्फ इस शर्त पर करेंगी Gadar 3, सनी देओल की गदर 2 को लेकर कह दी इतनी बड़ी बात

गदर 2) की सक्सेस के बाद चर्चा गदर 3 की है। पिछले साल गदर के सीक्वल को सफलता मिलने के बाद ही निर्देशक अनिल शर्मा ने इसकी अगली किस्त की घोषणा कर दी थी लेकिन सवाल उठ रहा था कि सकीना यानी अमीषा पटेल फर से नजर आएंगी या नहीं ।2023 में गदर 2 की रिलीज के दौरान अमीषा पटेल ने मेकर्स पर आरोप लगाया था कि उन्होंने अभिनेत्री का पूरा भुगतान नहीं किया है। हालांकि, बाद में दोनों के बीच सब कुछ ठीक हो गया। अब अमीषा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि वह गदर 2 की स्क्रिप्ट से कुछ खास खुश नहीं थीं और तीसरी किस्त में शामिल सिर्फ एक शर्त पर होंगी।

फैन ने सकीना से पूछा ये सवाल

दरअसल, अमीषा पटेल ने एक्स (ट्विटर) पर आस्क मी एनिथिंग सेशन किया। एक फैन ने उनसे पूछा, क्या गदर 3 में आपका स्क्रीन टाइम बढ़ाया जा सकता है? मैं सच में उन सीन में (गदर 2) सो गया जहां आप नहीं थे। मैं अपनी मेहनत की कमाई से आपको देखने के लिए थिएटर जाता हूं।

अमीषा पटेल ने गदर 3 पर दिया अपडेट

फैन के इस सवाल का जवाब देते हुए अमीषा पटेल ने कहा, पहली बात कि गदर 2 एक बेहतरीन फिल्म थी और स्क्रीनप्ले को स्क्रिप्ट के मुताबिक ही रखा गया था। अगर आप चाहते हैं कि आपकी फिल्म को प्यार मिले तो इसे प्रायोरिटी देना बहुत जरूरी है। एक अभिनेता के रूप में कोई स्वार्थी नहीं हो सकता है और उसे अपनी जरूरतों से पहले फिल्म को रखना चाहिए ।अमीषा पटेल ने आगे लिखा, मुझे सकीना से प्यार है और मैं सकीना के प्रति आप सभी के प्यार की कद्र करती हूं लेकिन हां, अगर गदर 3 की पेशकश की जाती है तो मैं निश्चित रूप से इसे तभी करूंगी जब मुझे स्क्रिप्ट पसंद आएगी जैसा कि मैं गदर 1 में थी ।ज

कंगना रनौत

के थप्पड़ कांड पर कमेंट करने के बाद अन्नू कपूर ने सरेआम मांगी माफी, कहा- आदरणीय बहन मैं आपको...

एक्टर अन्नू कपूर की हमारे बारह पर विवाद के बादल छंट गए हैं। फिल्म की रिलीज पर कई दिनों से रोक लगी थी, जिसके हटने के बाद अब यह मूवी सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस बीच अन्नू कपूर ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी, जिसमें उनसे कंगना रनौत को पड़े थप्पड़ को लेकर सवाल किया गया। अन्नू कपूर ने जो जवाब दिया, उस पर कंगना ने रिएक्ट किया, जिसके बाद अन्नू कपूर ने एक्ट्रेस से माफी मांगी है।

मैं अपनी बातों के लिए जिम्मेदारज

अन्नू कपूर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर कंगना रनौत से माफी मांगी है। उन्होंने लिखा, मैं जो बोलता हूं, मैं उसके लिए जिम्मेदार हूं। उसके लिए नहीं, जो दूसरे समझते हैं। इसी के साथ उन्होंने कुछ प्वाइंटर्स में कंगना को समझाया कि उन्होंने उन्हें लेकर जो कहा था, वह क्यों कहा था।

नहीं पढ़ता न्यूज पेपरज

अन्नू कपूर ने अपनी पोस्ट में लिखा कि वह टीवी, न्यूज चैनल, ओटीटी और समाचार पत्र नहीं पढ़ते। किसी भी देश की व्यवस्था या कानून व कायदों को न जानकर गलती कर देना अपराध हो सकता है, लेकिन किसी व्यक्ति विशेष या स्थान को न जानना अपराध नहीं होता। उन्होंने लिखा कि मैं आपको (कंगना को) नहीं जानता और इस बात को आप स्त्री कोटि निरादर की गरिमा में न सम्मलित करें।

अन्नू कपूर ने एक्ट्रेस को इस बात की नसीहत दी कि मीडिया जब सवाल पूछे, तो समझ जाइये कि उनको मसाला चाहिए, जो उन्हें मेरी बेबाकी से मिल गया। मेरा धर्म और राजनीति से कोई रिश्ता नहीं है क्योंकि धर्म से कोई रिश्ता नहीं है इसलिए अधर्म से भी कोई रिश्ता नहीं। अगर आप मेरी किसी भी बात से खफा हैं, तो मुझे माफ कर दीजिए।

क्या है मामला ?

हाल ही में कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर अन्नू कपूर के प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो शेयर किया। अन्नू कपूर से पूछा गया था कि वह कंगना के थप्पड़ कांड पर क्या कहना चाहेंगे। इस पर एक्टर ने कहा कि वह कंगना रनौत को नहीं जानते। उन्होंने कहा कि आप बताओ कंगना जी कौन हैं। जाहिर है आप पूछ रहे हैं, तो बड़ी हीरोइन ही होंगी। इसी पर पलटवार करते हुए कंगना ने अन्नू कपूर को जवाब दिया, क्या आप अन्नू कपूर की बात से सहमत हैं? हमारा समाज एक सफल महिला से नफरत करता है।

59 करोड़ के सी-फेसिंग अपार्टमेंटस्द्ध की बालकनी से Shahid Kapoor ने दिखाया इतना खूबसूरत नजारा, फटी रह जाएंगी आंखें

बॉलीवुड सेलिब्रिटीज अपनी फिल्मों, पर्सनल लाइफ और फैशन के अलावा अपनी लग्जरी लाइफस्टाइल के लिए भी चर्चा में रहते हैं। शाहिद कपूर का नाम भी उन्हीं सेलिब्रिटीज में शुमार है। अभिनेता ने कुछ समय पहले मुंबई में एक आलीशान घर खरीदा था, जहां वह शिफ्ट भी हो चुके हैं ।शाहिद कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और अगर आप उनका इंस्टाग्राम फीड देखेंगे तो पता चलेगा कि वह अक्सर अपने आलीशान घर से झलकियां दिखाते रहते हैं। हाल ही में, उन्होंने अपने नये फ्लैट से मुंबई का नजारा दिखाकर फैंस की सुबह को खूबसूरत बना दिया है।

घर की बालकनी से दिखता है इतना सुंदर नजारा

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया फेम एक्टर शाहिद कपूर ने रविवार की सुबह इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक मॉर्निंग फोटो शेयर की है। तस्वीर में शाहिद के बच्चे मीशा और जैन बालकनी में खड़े होकर मस्ती कर रहे हैं। एक्टर के सी-फेसिंग हाउस की बालकनी से मुंबई के समंदर का एक खूबसूरत व्यू दिख रहा है। इसकी खूबसूरती को चार-चांद लगा रहा है कि सनराइजिंग।

एक पल में इतनी खुशी भरी जा सकती है कि वह आपको कई दिनों और महीनों तक एनर्जी दे सकती है। उन्हें खोजें और हमेशा के लिए अपने दिल में संजो लें। सभी को सुबह की शुभकामनाएं।

कहां रहते हैं शाहिद कपूर ?

शाहिद कपूर अपनी पत्नी मीरा राजपूत और बच्चों के साथ पहले मुंबई के जुहू में रहते थे, लेकिन 2022 में वह अपनी फैमिली के साथ मुंबई के वर्ली में स्थित थ्री सिक्सटी वेस्ट बिल्डिंग में शिफ्ट हो गये थे। मनी कंट्रोल के मुताबिक, उनका ये फ्लैट 59 करोड़ का है ।बात करें शाहिद कपूर के अपकमिंग फिल्मों की तो वह जल्द ही देवा में नजर आएंगे, जो 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कहा जा रहा है कि उनके पास अनीस बाजमी के साथ भी एक फिल्म है, जिसकी अनाउंसमेंट जल्द ही होगी।

कातिलाना अदाओं से भरी हैं Disha Patani की ये तस्वीरें, ब्लैक आउटफिट में कुछ यूं गिराईं हुस्न की बिजलियां

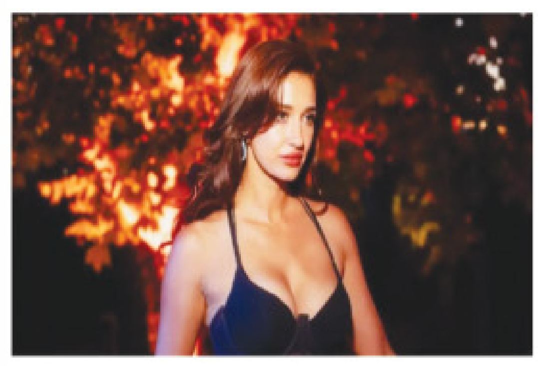

बॉलीवुड में जब भी ग्लैमरस एक्ट्रेस की बात होती है, तो दिशा पाटनी का जिक्र जरूर होता है। एक्ट्रेस अपनी एक से बढ़कर एक मदहोश करने वाली तस्वीरों से लोगों का अक्सर दिल चुराती हैं ।दिशा पाटनी का सोशल मीडिया अकाउंट उनकी कातिलाना अदाओं से भरा है। कभी बिकनी में, तो कभी वन पीस में एक्ट्रेस अपने हुस्न की अदाओं से लाइमलाइट में बनी रहती हैं। इस बार एक्ट्रेस ने ब्लैक ड्रेस में सारी लाइमलाइट चुराई है।

ब्लैक ड्रेस में दिशा ने लूटी महफिल

दिशा ने ब्लैक डीप नेक, नेट वाली ड्रेस में अपनी कुछ मदहोश करने वाली तस्वीरें शेयर की हैं। तिरछी निगाहों से एक्ट्रेस कभी लेफ्ट, तो कभी राइट देखती नजर आईं। उनके खूबसूरत चेहरे पर हॉटनेस से भरे एक्सप्रेशन देख फैंस का दिल पिघल गया है। वह खुद को उनकी तारीफ करने से रोक नहीं पाए।

फैंस ने जताया प्यार

दिशा की इन खूबसूरत तस्वीरों से नजरें हटा पाना लोगों के लिए मुश्किल हो रहा था। किसी ने उन्हें अपना क्रश बताया, तो किसी ने उनके लिए रेड हार्ट इमोजी भी भेजा। एक ने ये भी लिखा कि ब्लैक आउटफिट में भी दिशा क्वीन की तरह हैं।

दिशा पाटनी की आने वाली फिल्में

दिशा पाटनी की झोली में कुछ बड़े बैनर की फिल्में शामिल हैं। 27 जून को कल्कि 2898 एडी रिलीज हो रही है। एक्ट्रेस की ये मूवी प्रभास, दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन के साथ होगी। इसके अलावा उनकी झोली में अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगलभी है।